जबलपुर

रविवार, 19 अप्रैल 2026

वैशाख मास शुक्ल पक्ष -02

वर्ष : 20, अंक : 348

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 41

न्यून. 26

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

चार धाम यात्रा का शंखनाद

अक्षय तृतीया पर आज खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट

एजेंसी ▶▶ उत्तरकाशी

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 का शुभारंभ रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर होगा। गंगोत्री और यमुनोत्री पोर्टल्स रविवार से खोल दिए जाएंगे। मां गंगा की डोली मुखबा से रवाना हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आर्मी बैंड की धुनों और पारंपरिक ढोल-दमांऊ की थाप के बीच मां गंगा की उत्सव विग्रह डोली उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा (मुखिमठ) से गंगोत्री धाम के लिए रवाना हो गई है। आज विशेष पूजा-अर्चना के बाद दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को कोलकाता में घर-घर संपर्क जनसभा व रोड शो किया

- टीएमसी के जंगलराज से मुक्ति चाहती है जनता
- डबल इंजन सरकार में नई ऊर्जा, नई दिशा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जंगलराज से मुक्ति चाहती है। बंगाल की प्रगति के लिए राज्य में भाजपा की सरकार जरूरी है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद जनकल्याण के कार्य तेज होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की प्रगति और बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोक के लिए भाजपा जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता नार्थ सब अर्बन जिले के कमरहाटी एवं मेदनीपुर जिले के खड़गपुर सदर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में घर-घर संपर्क एवं रोड शो किया।

पश्चिम बंगाल की प्रगति और बांग्लादेशी 'घुसपैठ' पर रोक के लिए भाजपा जरूरी

सीएम ने बच्चे को गोद में उठाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घर-घर किया संपर्क

बंगाल की जनता परिवर्तन और प्रगति की ओर बढ़ने को तैयार

डॉ. यादव ने कहा कि बंगाल की जनता अब ठहराव नहीं, परिवर्तन और प्रगति की ओर बढ़ने को तैयार है। कई सालों से विकास की दौड़ में पीछे छूटा पश्चिम बंगाल, डबल इंजन सरकार में नई ऊर्जा, नई दिशा और तेज प्रगति के साथ आगे बढ़ेगा। यहां के हर वर्ग के जीवन में जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आएगा। उन्होंने कहा कि कोलकाता के अंदरुनी इलाकों में बहुत गरीबी है, हालात बेहद दयनीय हैं। बंगाल के युवाओं के पास रोजगार नहीं है, मजबूरी में लोगों को परिवार का पालन पोषण करने के लिए पलायन करना पड़ रहा है।

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैनल देखें

TATA PLAY पैनल नं. 1155 | airtel पैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

केकेआर आरआर

दोपहर 3.30 बजे से

पीबीकेएस एलएसजी

शाम 7.30 बजे से

30 मिनट का देश के नाम संबोधन

पीएम ने बिल पास न करा पाने पर देश की 'मातृशक्ति' से मांगी माफी

पीएम ने कहा-हमने हिम्मत नहीं हारी है, हम इस बिल के रास्ते की हर रुकावट को हटाकर रहेंगे

विपक्ष को करारा जवाब मिलेगा, नारियां ही सजा देंगी, उनके सपनों को 'कुचला' गया

- *जब नारियां इन दलों के नेताओं को देखेंगी तो सोचेंगी कि इन्हीं ने बिल रोकने का जश्न मनाया था*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में गिरने के दूसरे दिन शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने रात 8.30 बजे देश के नाम अपने संबोधन में कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों की नाम ले लेकर बखिया उधेड़ी। पीएम ने कहा कि महिला आरक्षण को रोककर जो पाप विपक्ष ने किया है, इसकी उन्हें सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का अपमान किया है। जनता की सजा से वे बच नहीं पाएंगे।

सदन में यह कानून किसे से कुछ छीन नहीं रहा था। कुछ न कुछ देने का था।

संसद में 66 फीसदी वोट भले ही नहीं मिले पर 100 फीसदी नारियों का सरकार को आशीर्वाद

- *विपक्षी दल मेजें थपथपा रहे थे, यह 'थाप' नारियों के आत्मसम्मान पर चोट थी*
- *कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और सपा ने संविधान निर्माताओं का अपमान किया*
- *ये दल नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं, विपक्ष के लिए देशहित से ऊपर दलहित*

कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने बिल की भ्रूणहत्या की

पीएम ने कहा कि यह कानून 40 साल से लटके हुए नारी के हक को 2029 के अगले लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। यह बिल नए अवसर, नई उड़ान देने, उसके सामने से बाधाएं हटाने का महायज्ञ था। देश की 50% यानी आधी आबादी को अधिकार देने का ईमानदारी से किया प्रयास था। इस ईमानदार प्रयास की कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सदन में पूरे देश के सामने भ्रूणहत्या कर दी है। पूरा विपक्ष इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं।

बनी रणनीति... नितिन नवीन ने की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

भाजपा विधानसभाओं से अब विपक्ष को घेरेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन के लोकसभा में पारित न हो पाने को लेकर देश में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आक्रामक टकराव जारी है। इस घटनाक्रम के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पार्टी वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अहम बैठक की, जिसमें विपक्षी दलों को घेरने का प्लान बनाया गया।

- भाजपा शासित प्रदेशों में एक दिन बुलाया जाएगा विशेष सत्र

खबर संक्षेप

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा। उन्होंने पुराने केसों की स्टडी में पाया कि ऐसे मामलों में नोटिस भेजना जरूरी है।

मेटा करेगा छंटनी, 8,000 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी टेक दिग्गज मेटा अगले महीने ग्लोबल वर्क फोर्स में बड़ी कटौती करने की तैयारी कर रही है। कंपनी मई में कम से कम 10 प्रतिशत यानी करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, साल के दूसरे हिस्से में और छंटनी की योजना बनाई जा रही है, हालांकि उसके बारे में अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

केंद्र ने दो फीसदी बढ़ाया महंगाई भत्ता

50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को मिलेगा फायदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी।

- अब डीए 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत

दीवाली पर भी 3 फीसदी बढ़ा था महंगाई भत्ता

पिछली बार केंद्र सरकार ने दीवाली पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की थी। उस समय (अक्तूबर में) डीए को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी हुआ था।

सिंगरौली बैंक डकैती की वारदात

मास्टरमाइंड बिहार से दबोचा गोल्ड और कैश बरामद हुआ

- *आरोपियों की सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम*
- *डीजीपी कैलाश मकवाणा ने डाला हुआ है डेरा*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आरोपी सीसीटीवी में कैद

सिंगरौली जिले में शुक्रवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में पांच डकैत बंदूक की नोक पर घुसकर लगभग 7 किलो सोना और 20 लाख रुपए नगद लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी, जो मास्टरमाइंड है, को बिहार से गिरफ्तार किया है। एसपी मनीष खत्री ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उसके पास से 14 लाख रुपए कैश 70 लाख का सोना बरामद किया गया है। पुलिस की 10 टीमें बदमाशों की तलाश कर रही है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सिंगरौली में शुक्रवार की रात से दी डेरा डाला हुआ है।

रतलाम 44 और उमरिया में 43.8 डिग्री

इस साल पहली बार पारा 44 डिग्री भोपाल में 4 साल का रिकॉर्ड टूटा

- भोपाल में पारा 41.4 डिग्री, चार जिलों में लू चली
- वर्ष 2023 से अब तक अप्रैल में इतनी गर्मी नहीं रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को प्रदेश में इस साल पहली बार दो जिलों में पारा 44 डिग्री पर दर्ज हुआ है। इनमें रतलाम 44 और उमरिया में 43.8 डिग्री दर्ज हुआ है। भोपाल में 4 साल का सबसे गर्म दिन रहा, जबकि 4 जिलों में लू चली है। दिन में गर्म हवाओं और तीखी धूप के बीच राजधानी की फिजा सुबह 9 बजे से ही आग उगलने लगी। अगले दो से तीन दिन में हल्के बादलों से पारा मामूली कम हो सकता है।

भेल के दशहरा मैदान में मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा के दौरान शिक्षकों ने जताया विरोध

कई जिलों के 50 हजार शिक्षक जुटे

पूछा- 30 साल पढ़ाने के बाद क्यों दें परीक्षा?

भोपाल। राजधानी सहित प्रदेश के शिक्षकों ने शनिवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर प्रदर्शन किया। उन्होंने पूछा कि 30 साल पढ़ाने के बाद हम परीक्षा क्यों दें? भोपाल सहित प्रदेश के अलग अलग जिलों करीब 50 हजार से अधिक शिक्षकों ने टीईटी परीक्षा के खिलाफ प्रदर्शन कर टीईटी परीक्षा अनिवार्यता का आदेश समाप्त कराने और सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करने की मांग की। भोपाल में प्रदर्शन कर एमपी नगर एसडीएम को ज्ञापन दिया।

मैहर में सूने मकान में बंधक बनाया

8वीं की छात्रा को किडनैप कर किया गैंगरेप, 2 आरोपी गिरफ्तार

- आवाज सुन घुसी पुलिस, गैंगरेप व पॉक्सो एक्ट का केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैहर

पुलिस की हिरासत में आरोपी

जिले में 2 बदमाशों ने स्कूल के बाहर से 8वीं की छात्रा को किडनैप कर लिया। स्कूल से दूर एक बंद मकान में लेकर जाकर रातभर गैंगरेप किया। पुलिस ने दूसरे दिन सुबह बच्ची को बरामद किया। मामला अमदरा थाना क्षेत्र का है। 13 साल की बच्ची शुक्रवार को सुबह 10 बजे स्कूल गई थी। उसका घर स्कूल से महज 100 मीटर की दूरी पर है। शाम करीब 5 बजे तक जब छात्रा घर नहीं पहुंची, तो परिजन को चिंता हुई।

उज्जैन में दो बाइकों की भिड़ंत के बाद हुआ पथराव

भीड़ को समझाने गए टीआई का सिर फोड़ा 3 पुलिसकर्मी भी घायल, देर तक हुई झड़प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

उज्जैन के महिदपुर रोड क्षेत्र में दो बाइकों की टक्कर के बाद हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने कई आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना गोगापुर क्षेत्र में हुई। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही बड़े विवाद में बदल गई। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर शिकारीखेड़ा के महिला और पुरुष सवार थे। विवाद बढ़ने पर बंजारा समाज के लोग भी मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। हालांकि, कुछ देर बाद एक पक्ष के लोग महिदपुर रोड थाने के पास पोरवाल धर्मशाला के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और हंगामा करने लगे।

पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा आरोपियों पर मामला दर्ज किया

पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी ने कहा-लगातार हारने वाली सीटों पर दिए जाते थे महिलाओं को टिकट

दिग्विजय कैबिनेट के कुछ दिग्गज मंत्री कहते थे जो महिलाएं किचन और घूंघट से बाहर नहीं आतीं, उनके लिए 33 प्रतिशत आरक्षण कहां से लाएंगे?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री और पूर्व मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ ने अपनी ही पार्टी के दिग्गज नेताओं की सोच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार को भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मेलन में साधौ ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि दिग्विजय सिंह सरकार के समय पहली बार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात आई थी, तब कैबिनेट के बड़े-बड़े धुरंधर इसके विरोध में थे। साधौ ने मंच से कहा कि 1985 का दौर राजीव गांधी का था, जिन्होंने महिलाओं और युवाओं को तरजीह दी। उसी दौर में वे स्वयं विधायक बनीं और तब अविभाजित मध्यप्रदेश में 32 महिलाएं चुनकर आई थीं। साधौ ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के मंत्रिमंडल का जिक्र करते हुए कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि उस मंत्रिमंडल की सिपाही थी।

रवींद्र भवन में आयोजित कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मेलन में साधौ ने पुरानी यादें ताजा की

डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ

तब महिलाओं ने 38 प्रतिशत सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई

साधौ ने कहा कि जब चुनाव हुए तो उन्हीं महिलाओं ने 33 प्रतिशत के मुकाबले 38 प्रतिशत सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई और विरोध करने वालों की भृकुटी तन गई। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी हरीश चौधरी को भी नसीहत दी कि महिलाओं को सिर्फ उन सीटों पर टिकट न थमाएं जहां कांग्रेस सालों से हार रही है। डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ ने संगठन के कामकाज पर भी अंगुली उठाई। उन्होंने बताया कि जब वे एआईसीसी की सचिव और महिला कांग्रेस की प्रभारी थीं, तब महिलाओं की भर्ती (टिकट वितरण) केवल उन सीटों पर की जाती थी, जहां पार्टी चार-पांच बार से लगातार हार रही होती थी। उन्होंने वर्तमान नेतृत्व से आग्रह किया कि भविष्य में महिलाओं को सिर्फ भर्ती के लिए इस्तेमाल न किया जाए, बल्कि उन्हें जीतने योग्य और सुरक्षित सीटों पर भी मौका दिया जाए।

जानापाव में आकार लेगा
भव्य श्री परशुराम लोक

धर्म, शौर्य, ज्ञान और
न्याय के दिव्य प्रतीक

भगवान श्री परशुराम
का
पावन प्रकटोत्सव

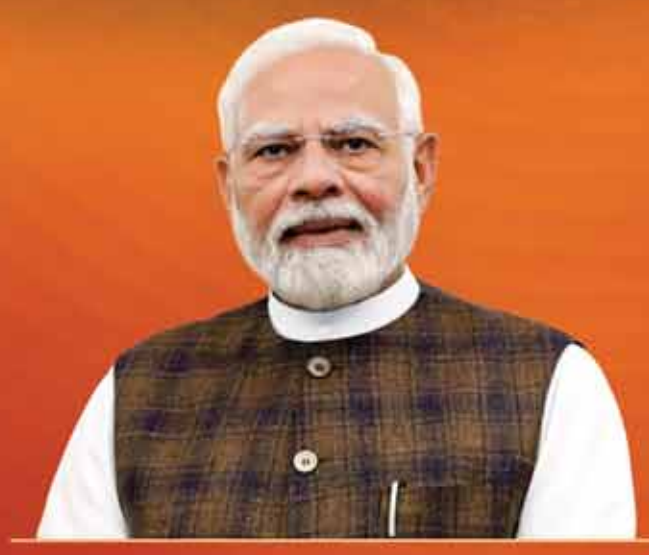

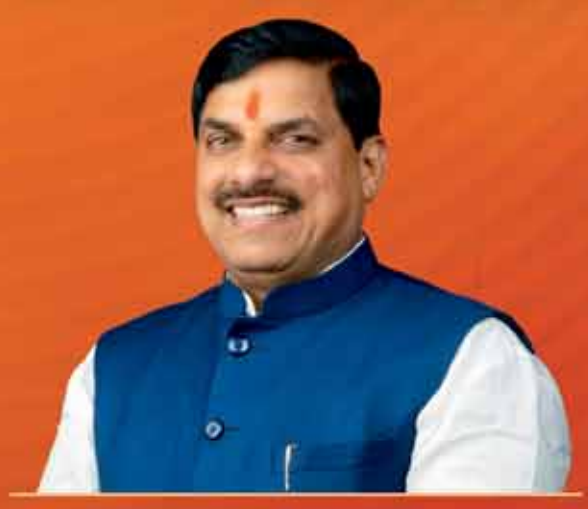

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 अप्रैल 2026 | जानापाव कुटी, इंदौर

भगवान श्री परशुराम तप, शौर्य और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। जानापाव में 'श्री परशुराम लोक' का निर्माण हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रयास है। निश्चित रूप से यह भव्य लोक भगवान श्री परशुराम की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय माध्यम बनेगा।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11011/26

भारतीय वायुसेना आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रही

अब मालवाहक विमानों और हेलिकॉप्टर में तैनात होंगे 'आत्मघाती' ड्रोन

वायुसेना द्वारा ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस के लिए प्रस्ताव जारी

ये हथियार हमला, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और टोही मिशन में सक्षम

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध के बाद दुनिया भर की सैन्य शक्तियों ये सोचने पर मजबूर हो गई हैं कि आने वाले युद्ध किस तरह लड़े जाएंगे। ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस (घूमने वाले हथियार) ने सेनाओं का ध्यान इस तरह खींचा है।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने हाल ही में ऐसे ड्रोन के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है, जिन्हें हेलीकॉप्टर से तैनात किया जा सकता है। वायु सेना ने ऐसे लोइटरिंग म्यूनिशंस के लिए रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन (आरएफआई) भी जारी किया है, जिन्हें मालवाहक विमानों से तैनात किया जा सकता है।

भारत के स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागास्त्र' को देखते पीएम मोदी फाइल फोटो

ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस की तैनाती से भारतीय वायु सेना को कई नई हमलावर क्षमताएं मिलती हैं। इस तरह के हथियारों से इन विमानों के इस्तेमाल का दायरा भी बढ़ जाता है। इस तरह से ड्रोन की तैनाती से आईएएफ के लड़ाकू विमानों के बेड़े को दूसरे कामों के लिए खाली किया जा सकता है। यह फायदेमंद साबित हो सकता है। इन ड्रोन का इस्तेमाल कई तरह के कामों के लिए किया जा सकता है। ये ड्रोन लक्ष्यों पर हमला करने, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध लड़ने, दुश्मन को धोखा देने वाले 'डेकॉय' (नकली लक्ष्य) के तौर पर काम करने और लक्ष्यों की खोज करने में किए जा सकते हैं।

मालवाहक विमानों के लिए 500 किमी मारक क्षमता के ड्रोन

आईएएफ की जरूरत के मुताबिक, मालवाहक विमानों से तैनात किए जाने वाले ड्रोन की मारक क्षमता (रेंज) 500 किलोमीटर होनी चाहिए। उम्मीद है कि ये ड्रोन 30 किलोग्राम का 'वॉरहेड' (विस्फोटक) ले जा सकेंगे और 350-400 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकेंगे। हेलीकॉप्टर से तैनात किए जाने वाले सिस्टम की मारक क्षमता 80 किलोमीटर होने की उम्मीद है और उनमें कम से कम 500 ग्राम का वॉरहेड होना चाहिए।

लोइटरिंग म्यूनिशन यानी 'सुसाइड ड्रोन'

लोइटरिंग म्यूनिशन को आमतौर पर 'कामिकेज ड्रोन' या 'सुसाइड ड्रोन' के रूप में भी जाना जाता है। यह एक प्रकार का सटीक-टारगेटेड हथियार है। यह ड्रोन न केवल लक्ष्य की तलाश करने में सक्षम होता है, बल्कि यह टारगेट क्षेत्र के ऊपर लंबे समय तक मंडराकर (लोइटर) सही समय पर हमला करता है। यह इंसानी कंट्रोल या ऑटोमैटिक मोड में काम कर सकता है और अपने साथ विस्फोटक ले जाता है, जो लक्ष्य पर टकराने के बाद नष्ट हो जाता है। इसकी खासियत यह है कि यह पारंपरिक मिसाइलों की तुलना में अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि यह हमले से पहले लक्ष्य की पुष्टि कर सकता है और अनावश्यक नुकसान को कम करता है।

भारत के पास है स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन 'नागास्त्र-1'

भारतीय सेना के पास सोलार इंडस्ट्री का जो नागास्त्र-1 है, वह डेढ़ किलो तक विस्फोटक लेकर 15 किलोमीटर तक जा सकता है। इसकी रेंज 30 किलोमीटर तक भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी खासियत ये है कि अगर टारगेट का पता नहीं चल पाया या मिशन रोकना पड़ा तो इन्हें वापस बुलाया जा सकता है। फिर इन्हें पैराशूट की मदद से सुरक्षित लैंड करवाया जा सकता है। यह तकनीक कुछ ही विकसित देशों के पास है। इसी तरह से वेदा एयरोनॉटिक्स की ओर से सुरेशास्त्र एमके-1 विकसित होने की भी रिपोर्ट है। इसकी रेंज 150 किलोमीटर और विस्फोटक पेलोड क्षमता 90 किलो तक बताया जा रहा है। कई मामलों में स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन 9 घंटे तक आसमान में मंडराते रह सकते हैं।

भारत में 550 कंपनियां ड्रोन बना रहीं

भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों में टाटा एडवांस्ड सिस्टम, अडानी डिफेंस, सोलार डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड, न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के अलावा नीचे डिफेंस और ए विजन जैसी कंपनियां इसके निर्माण में सक्षम हैं। ड्रोन निर्माण में भारत में 550 से अधिक कंपनियां काम कर रही हैं और यह 2030 तक इस क्षेत्र में ग्लोबल हब बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसका कारोबार 11 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लोइटरिंग म्यूनिशन बनाने की बात है तो सोलार डिफेंस नागास्त्र सीरीज पर काम कर रहा है, तो टाटा एडवांस्ड सिस्टम ने एएलएस-50 विकसित किया है।

खबर संक्षेप

एलओसी के पास धमाका एक जवान घायल

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों की गश्त के दौरान दो अलग-अलग घटनाएं हुई हैं। सेना का एक जवान लैंडमाइन धमाके में घायल हो गया, जबकि दूसरे मामले में जंग लगे एक पुराने मोर्टार गोले को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। 18 अप्रैल को मेंढर क्षेत्र के बालाकोट सेक्टर में यह घटना घटी। सेना की एक गश्ती टुकड़ी इलाके में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अभ्यास कर रही थी।

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्यूआर प्रणाली शुरु

पहलगाम। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से दहल गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा, जिसमें व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाहरी विक्रेता शामिल हैं।

ईरान ने अमेरिकी उल्लंघन का आरोप लगाकर नियंत्रण कड़ा किया, क्षेत्र में बढ़ा फिर तनाव

होर्मुज में गोलियों की गूंज! दो जहाजों पर की गई फायरिंग, ईरान बोला- मंजूरी बिना 'प्रवेश' नहीं

एजेंसी ▶▶ तेहरान

मोजतबा की चेतावनी- नौसेना दुश्मनों को 'नई और कड़वी हार' देने के लिए तैयार

शत्रुतापूर्ण देशों जअमेरिका और इजराइल से जुड़े पोतों को गुजरने की अनुमति नहीं

ईरान ने सामरिक रूप से बेहद अहम होर्मुज स्ट्रेट को शनिवार को दोबारा अपने नियंत्रण में लेकर तुरंत बंद कर दिया है। इसके साथ ही खाड़ी में युद्ध जैसे हालात बनने लगे हैं। नाकेबंदी के चलते समुद्र में जहाजों की लंबी कतारें लग गई हैं, जबकि वहां से गुजर रहे दो जहाजों पर गोलीबारी की गई है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर व्यापारिक जहाज को आईआरजीसी की नौसेना से इजाजत लेनी होगी।

ईरान के इस आक्रामक कदम के बाद अमेरिका के साथ तनाव फिर चरम पर है। ईरान की सेना ने ऐलान किया कि खाड़ी में फिर से सख्त सैनिक कंट्रोल लागू किया जा रहा है। ईरान का आरोप था कि अमेरिका बार-बार नियमों का उल्लंघन कर रहा है और 'नाकेबंदी' के बहाने ईरानी बंदरगाहों पर 'लूट' जैसी हरकतें कर रहा है। इसके कुछ ही घंटों बाद दो व्यापारी जहाजों पर गोलीबारी की खबर आई। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने टेलीग्राम पर एक कड़ा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान की नौसेना दुश्मनों को 'नई और कड़वी हार' देने के लिए तैयार है।

मोजतबा खामेनेई

होर्मुज खाड़ी में जहाज

डोनाल्ड ट्रंप

उल्लंघनों और नाकाबंदी की आड़ में अमेरिका डाल रहा डकैती

ईरान के 'खातम अल-अंबिया' केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस मार्ग से होने वाले आवागमन को एक बार फिर से सख्त सैन्य नियंत्रण में ले लिया गया है। प्रवक्ता ने इसके पीछे अमेरिका द्वारा बार-बार किए जा रहे उल्लंघनों और नाकाबंदी की आड़ में की जा रही समुद्री डकैती का हवाला दिया। प्रवक्ता ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अब नियंत्रण फिर से सख्त कर दिया गया है और यह पूरा जलमार्ग अब ईरान के सशस्त्र बलों के सीधे प्रबंधन और नियंत्रण में रहेगा।

100% डील होने तक रहेगी 'नाकेबंदी': ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट साझा की। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के बंदरगाहों की यह घेराबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कि ईरान के साथ कोई ठोस और 100 प्रतिशत समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया बहुत तेजी से पूरी होनी चाहिए।

ईरान की मंजूरी अनिवार्यः गालिबाफ

ट्रंप के बयान पर ईरान की संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली समुद्री आवाजाही पर पूरी तरह से तेहरान का नियंत्रण रहेगा। गालिबाफ के अनुसार, जहाजों को केवल ईरान के तय रास्तों से ही गुजरने की अनुमति मिलेगी और इसके लिए ईरान की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

जहाजों को रास्ता देने के लिए बना रहा नया नियम

ईरान ने कहा है कि वह पारंपरिक ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाएगा, लेकिन जलडमरूमध्य की सुरक्षा से जुड़े नए शुल्क ढांचे पर काम चल रहा है, जिसके तहत जहाजों की आवाजाही सख्त नियंत्रण में होगी। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने बताया कि तेहरान ऐसा कानून तैयार कर रहा है, जिसमें शुल्क सुरक्षा समन्वय से जुड़े होंगे, न कि सामान्य पारगमन शुल्क। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले सभी जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। रेजाई ने साफ किया कि शत्रुतापूर्ण सैन्य जहाजों, खासकर अमेरिका और इजराइल से जुड़े पोतों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं मित्र देशों के जहाजों को पूर्व समन्वय के बाद ही प्रवेश मिलेगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान इस जलमार्ग की सुरक्षा में अमेरिका की किसी भी भूमिका को पूरी तरह खारिज करता है।

होर्मुज से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर फायरिंग

ईरानी गनबोट्स ने चेतावनी भी नहीं दी, जहाज स्ट्रेट पार किए बिना लौटे

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो भारतीय व्यापारी जहाजों पर शनिवार दोपहर गोलीबारी हुई। इसमें एक तेल जहाज भी था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट्स टैंकर्स के पास आईं और बिना रेडियो चेतावनी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों भारतीय जहाज होर्मुज पार किए बिना लौट गए। जहाज और उसके क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। एक भारतीय जहाज लगभग 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारत में तैनात ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथअली को तलब किया। भारत ने फायरिंग पर विरोध दर्ज किया है।

भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथअली विदेश मंत्रालय से रवाना होते हुए

भारतीय जहाज 'देश गरिमा' सुरक्षित निकला

भारतीय टैंकर 'देश गरिमा' होर्मुज से निकलकर ओमान की खाड़ी पहुंचा

भारत का एक और कच्चे तेल का टैंकर 'देश गरिमा' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से शनिवार को सुरक्षित निकल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज पार करने वाला यह 10वां भारतीय जहाज है और युद्धविराम के बाद दूसरा भारतीय जहाज। शनिवार को करीब 8 तेल और गैस टैंकरों ने होर्मुज पार किया, जिनमें एक भारतीय जहाज भी शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का ये तेल टैंकर कतर के रास लफान बंदरगाह से निकला है और होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बाद अब ओमान की खाड़ी में है।

नासिक धर्मांतरण कांड में खुलासा

पेट और दर्द की शिकायत लेकर दो बार अस्पताल आई थी निदा खान

एजेंसी ▶▶ नासिक

नासिक धर्मांतरण मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को लेकर एक नया खुलासा सामने आया है। मामले की मुख्य आरोपी निदा खान इलाज के लिए 11 और 13 अप्रैल को मुंब्रा के ब्लॉसम अस्पताल पहुंची थी, जहां उसे पेट दर्द और यात्रा में दिक्कत के चलते आराम की सलाह और मेडिकल लीव सर्टिफिकेट दिया गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, पहली बार वह अपने पति के साथ अस्पताल पहुंची थी, जबकि दूसरी बार वह अकेले इलाज कराने आई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल आने से पहले उसने घर पर ही प्रारंभिक जांच कराई थी, जिसके बाद वह आगे के उपचार के लिए अस्पताल पहुंची।

फोन बंद, नहीं मिल रही लोकेशन

पुलिस के अनुसार, निदा खान फरार चल रही है। शुरुआत में उसे कंपनी में एचआर हेड बताया जा रहा था, लेकिन जांच में सामने आया कि वह बीपीओ यूनिट में टेली-कॉलर के रूप में कार्यरत थी। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। साथ ही, निदा और उसके परिजनों के मोबाइल फोन भी बंद हैं, जिससे उसकी लोकेशन ट्रेस करना और मुश्किल हो गया है।

एक्सिस बैंक में भी हुआ था धर्मांतरणः अमृता

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान एक्सिस बैंक में भी धर्मांतरण से जुड़े मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं और कॉरपोरेट जगत में इस तरह के मामलों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनके मुताबिक, उस समय वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर कार्रवाई की थी और इसी तरह की सख्ती आज भी जरूरी है। अमृता फडणवीस ने यह भी कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में पहले भी कार्रवाई हुई है, लेकिन अब समाज में कुछ घटनाएं अधिक गंभीर रूप लेती नजर आ रही हैं।

एनआईए ने खोला 1996 का बंद केस

शब्बीर शाह दिल्ली से अरेस्ट, कोर्ट से मिली 3 दिन की 'ट्रांजिट' रिमांड

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के 1996 के एक मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को गिरफ्तार कर लिया है। पटियाला हाउस कोर्ट के स्पेशल जज प्रशांत शर्मा ने एनआईए को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड दी है। अब आरोपी को 20 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे से पहले जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह मामला श्रीनगर के शेरगढ़ी पुलिस स्टेशन में 17 जुलाई 1996 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। एनआईए ने इस 30 साल पुराने केस को 1 अप्रैल 2026 को फिर से रजिस्टर किया था। एनआईए के अनुसार, आरोपी शब्बीर अहमद शाह को इस मामले में शामिल होने के लिए 17 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार शाम उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जज प्रशांत शर्मा ने 17 अप्रैल के अपने आदेश में कहा कि मामले की गंभीरता और नेचर को देखते हुए, याचिका में एनआईए की ट्रांजिट रिमांड की अर्जी मंजूर की जाती है। एनआईए जम्मू को आरोपी शब्बीर अहमद शाह की 03 दिन की ट्रांजिट रिमांड दी जाती है।

खिलौने में बम लगाकर हमले की तैयारी में थे

महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार से 4 संदिग्ध गिरफ्तार, राम मंदिर-संसद निशाने पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से आईईडी और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है। आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में आईईडी फिट करने की तैयारी में थे।

कई बड़ी जगहों पर धमाके की साजिश

जांच में सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी। ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे।

मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस जब्त

पुलिस ने आरोपियों के पास से कई मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। इनकी जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क, उनके साथियों और संभावित लिंक का पता लगाया जा सके। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है। चारों आरोपी साधारण बैकग्राउंड से आते हैं। मोसाइब खाड़ी देशों में ऑटो इलेक्ट्रिशियन के तौर पर काम कर चुका है और उसी जानकारी का इस्तेमाल आईईडी बनाने में कर रहा था।

वायुसेना प्रमुख ने यूएस यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया

उड़ाया एफ-15ईएक्स फाइटर जेट, रक्षा संबंधों पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारतीय वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 अप्रैल को बोइंग कंपनी के आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-15ईएक्स ईगल 2 में उड़ान भरी। उड़ान के दौरान उनके साथ अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन मौजूद थे। यह विमान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और हवाई प्रभुत्व बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। एफ-15ईएक्स ईगल II विमान को अमेरिका अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक मानता है। नेलिस एयर फोर्स बेस पर हुई इस उड़ान का मकसद आधुनिक हवाई युद्ध में इस विमान की भूमिका को समझना था।

अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन के साथ एपी सिंह

वरिष्ठ अधिकारियों से की मुलाकात

अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इनमें अमेरिकी वायुसेना वारफेयर सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपर्सन शामिल थे। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी मौजूद रहे। बातचीत का मुख्य केंद्र दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास के अवसरों को बढ़ाना और आधुनिकीकरण के प्रयासों को एक साथ लाना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मजबूत करने की जरूरत है। इसमें संयुक्त अभियानों में बेहतर समन्वय, नई तकनीकों को साझा करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करने पर ध्यान दिया गया। यह सहयोग भविष्य में दोनों देशों की सैन्य शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

पेंटागन में हुआ था भव्य स्वागत

एपी सिंह अपनी यात्रा के अगले चरण में 10 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल सिंह पेंटागन पहुंचे। वहां अमेरिकी वायुसेना के प्रमुख जनरल केन विल्सबैक ने उनकी मेजबानी की। पेंटागन पहुंचने पर भारतीय वायुसेना प्रमुख का पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने अमेरिकी वायुसेना सचिव ट्रॉय मिंक और जनरल विल्सबैक के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों में अमेरिकी नेताओं ने भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को प्राथमिकता दी और एक स्वतंत्र व समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत की भूमिका को सराहा।

एफ-15 ईएक्स ईगल 2 की विशेषताएं

यह विमान मैक 2.5 की तेज रफ्तार से उड़ सकता है और 50,000 फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। यह लगभग 13,381 किलोग्राम वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है। बोइंग के अनुसार, इसमें डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर कंट्रोल, आधुनिक मिशन सिस्टम और उन्नत रडार (एईएसए) लगे हैं। यह विमान 12 हवा से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम दूरी की (एडवांस्ड मीडियम-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल) मिसाइल को एक साथ ले जा सकता है और हाइपरसोनिक हथियारों का भी समर्थन करता है। इसकी लंबी उम्र और मारक क्षमता इसे आधुनिक युद्ध के लिए बेहद खास बनाती है।

भूकंप के तेज झटके, पीएम की लोगों से अलर्ट रहने की अपील

टोक्यो। जापान के उत्तरी नागानो प्रांत में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1:20 बजे यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई। पीएम सनाए ताकाइची ने बताया कि भूकंप का केंद्र उत्तरी नागानो में था। ओमाची शहर में सबसे ज्यादा असर देखा गया। पीएम ने प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में भी इसी तरह की तीव्रता वाले झटके महसूस हो सकते हैं।

एसेट एलोकेशन, एसआईपी और लिक्विडिटी प्लानिंग से पाएं स्थिर रिटर्न, रिटर्न के पीछे भागने के बजाय अपनाएं संतुलित और अनुशासित निवेश रणनीति

उतार-चढ़ाव भरे बाजार में समझदारी से करें निवेश

वित्त वर्ष 27 ऐसा वर्ष हो सकता है जहां बाजार निवेशकों की समझ और धैर्य की परीक्षा लेगा। यह समय आक्रामक या बिना योजना वाले निवेश का नहीं है। जो निवेशक संतुलन, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देंगे, वही लंबी अवधि में सफल होंगे।

गिरते बाजार में धैर्य ही सबसे बड़ा हथियार

सुझाव | बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब गिरावट तेज होती है तो निवेशकों का धैर्य डगमगाने लगता है। हाल के दिनों में वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर पश्चिम एशिया में हालात और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने बाजार को अस्थिर बना दिया है। ऐसे माहौल में कई निवेशक घबराकर अपने निवेश से बाहर निकलने या एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) बंद करने का फैसला कर लेते हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस तरह के फैसलों को निवेश के लिए नुकसानदेह मानती हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि बाजार की गिरावट के समय घबराहट में लिया गया निर्णय अक्सर लंबी अवधि के रिटर्न को कमजोर कर देता है।

एसआईपी रोकना क्यों हो सकता है नुकसानदायक

गिरते बाजार में एसआईपी बंद करना निवेशकों की सबसे बड़ी भूल होती है। एसआईपी का मूल उद्देश्य ही बाजार की अस्थिरता का फायदा उठाना है। जब बाजार गिरता है, तो निवेशक कम कीमत पर अधिक यूनिट्स खरीद पाते हैं। यही प्रक्रिया "कॉस्ट एवरेजिंग" कहलाती है, जो लंबे समय में बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। यदि निवेशक गिरावट के समय एसआईपी रोक देते हैं, तो वे इस कॉस्ट एवरेजिंग के लाभ से वंचित हो जाते हैं। यही कारण है कि एक्सपर्ट्स हमेशा सलाह देते हैं कि एसआईपी को एक अनुशासित आदत की तरह जारी रखा जाए, न कि बाजार के मूड के हिसाब से चलाया जाए।

एकमुश्त निवेशकों के लिए एसटीपी का विकल्प

जो निवेशक एकमुश्त रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए अदिति ने एसटीपी (सिस्टेमैटिक ट्रांसफर प्लान) को बेहतर विकल्प बताया है। एसटीपी के जरिए निवेशक अपनी बड़ी राशि को धीरे-धीरे इक्विटी में ट्रांसफर कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है और निवेश अधिक संतुलित तरीके से होता है। यह रणनीति खासतौर पर उन निवेशकों के लिए उपयोगी है जो बाजार के सही समय को लेकर असमंजस में रहते हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

मौजूदा गिरावट के पीछे प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। पश्चिम एशिया में तनाव और तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। हालांकि, अदिति का मानना है कि इस तरह की गिरावट आमतौर पर अल्पकालिक होती है। जब तक ये घटनाएं वैश्विक व्यापार, सप्लाई चेन या ऊर्जा आपूर्ति को बड़े स्तर पर प्रभावित नहीं करतीं, तब तक इक्विटी बाजार का दीर्घकालिक ट्रेंड नहीं बदलता। बाजार फिलहाल वास्तविक कॉर्पोरेट कमाई के बजाय खबरों और अनिश्चितता पर प्रतिक्रिया दे रहा है, जो समय के साथ सामान्य हो जाती है।

फाइनेंशियल सेक्टर में अवसर

मौजूदा परिस्थितियों में अदिति कोठारी देसाई बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर को लेकर आशावादी नजर आती हैं। उनका कहना है कि प्राइवेट बैंक, इंश्योरेंस व हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां इस समय आकर्षक वैल्युएशन पर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स एक दशक के सबसे निचले वैल्युएशन के करीब ट्रेड कर रहा है। इसका मतलब है कि मजबूत व गुणवत्ता वाले शेयर अपेक्षाकृत सस्ते मिल रहे हैं। ऐसे समय में धैर्य रखने वाले निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर बन सकता है।

अनुशासन व धैर्य ही सफलता

निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा सबक यही है कि भावनाओं के बजाय रणनीति के आधार पर निर्णय लिए जाएं। बाजार का गिरना या चढ़ना एक चक्र का हिस्सा है। जो निवेशक इन उतार-चढ़ावों के दौरान भी अनुशासन बनाए रखते हैं, वही लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न हासिल करते हैं। अदिति का संदेश साफ है हेडलाइंस और शॉर्ट-टर्म मूवमेंट्स को देखकर घबराने की जरूरत नहीं है। बल्कि ऐसे समय में अपने निवेश प्लान पर टिके रहना ही समझदारी है।

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए मौका

इतिहास गवाह है कि बाजार में हर बड़ी गिरावट के बाद रिकवरी भी आती है। जो निवेशक गिरावट के समय निवेश जारी रखते हैं, वे रिकवरी के समय सबसे अधिक लाभ कमाते हैं। इसलिए, मौजूदा बाजार की अस्थिरता को खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही संतुलन से बनाएं सुरक्षित और ग्रोथ-ओरिएंटेड पोर्टफोलियो
- सफल निवेश के लिए अपनाएं बैलेंस, डिसिप्लिन और सही एसेट एलोकेशन

नया वित्तीय वर्ष ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब बाजार लिक्विडिटी-ड्रिवन तेजी के दौर से निकलकर एक अधिक चुनिंदा और उतार-चढ़ाव भरे फेज में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ वर्षों में इक्विटी बाजार ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए, लेकिन वित्त वर्ष 27 का परिदृश्य अलग नजर आ रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी असमान गति से बढ़ रही है, महंगाई में कमी आई है लेकिन यह पूरी तरह नियंत्रित नहीं हुई है, और ब्याज दरों में तेजी से गिरावट की संभावना भी कम है। ऐसे माहौल में भारतीय निवेशकों के सामने अवसर तो हैं, लेकिन सफलता के लिए रणनीति में बदलाव जरूरी है। यह समय अंधाधुंध रिटर्न के पीछे भागने का नहीं, बल्कि सोच-समझकर, संतुलित और अनुशासित निवेश करने का है।

इस साल अपनाए जाने वाले 7 अहम निवेश मंत्र

1. अपने वित्तीय लक्ष्यों की दोबारा समीक्षा करें

अक्सर निवेशक एक बार लक्ष्य तय कर लेते हैं और फिर उसे बदलते नहीं, जबकि समय के साथ परिस्थितियां बदलती रहती हैं। आय, जिम्मेदारियां और बाजार की स्थिति इन सबका असर निवेश पर पड़ता है। अगर आपका कोई लक्ष्य 2–3 साल में पूरा होना है, तो ज्यादा इक्विटी निवेश जोखिम भरा हो सकता है। वहीं, लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट या वेल्थ क्रिएशन के लिए इक्विटी अब भी उपयुक्त विकल्प है। इसलिए निवेश का ढांचा लक्ष्य की समयसीमा के अनुसार तय करना जरूरी है।

2. एसेट एलोकेशन को संतुलित रखें

आज के समय में सबसे बड़ा जोखिम बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एक ही एसेट क्लास में अत्यधिक निवेश है। कई पोर्टफोलियो अनजाने में इक्विटी-हैवी हो गए हैं। वित्त वर्ष 27 में संतुलन बेहद जरूरी है। इक्विटी के साथ-साथ डेट और गोल्ड को भी पोर्टफोलियो में शामिल करें। जहां इक्विटी ग्रोथ देती है, वहीं डेट स्थिरता प्रदान करता है और गोल्ड अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करना जरूरी है।

3. सही मायनों में डाइवर्सिफिकेशन अपनाएं

कई निवेशक मानते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड रखना ही डाइवर्सिफिकेशन है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर सभी फंड एक ही तरह के सेक्टर या मार्केट कैप में निवेश कर रहे हैं, तो जोखिम बना रहता है। बेहतर होगा कि पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, डेट और गोल्ड का संतुलित मिश्रण हो। इसके अलावा सीमित स्तर पर अंतरराष्ट्रीय निवेश भी जोड़ा जा सकता है, जिससे जोखिम और रिटर्न का संतुलन बेहतर होता है।

4. वोलाटिलिटी को अवसर के रूप में देखें

वित्त वर्ष 27 में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में घबराने की बजाय इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। एसआईपी इस तरह के माहौल में बेहद प्रभावी साबित होती है, क्योंकि यह लागत को औसत करती है। इसके साथ ही, बाजार में गिरावट आने पर अतिरिक्त निवेश (स्टैगर्ड तरीके से) करना लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकता है। सबसे जरूरी है कि भावनाओं के बजाय अनुशासन के साथ निवेश जारी रखा जाए।

5. लिक्विडिटी को नजरअंदाज न करें

कई निवेशक अपनी अधिकांश राशि बाजार से जुड़े साधनों में लगा देते हैं और जरूरत पड़ने पर नुकसान में निवेश तोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इससे बचने के लिए कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड जरूर रखें। यह फंड न केवल आपको संकट में सुरक्षा देगा, बल्कि बाजार में अवसर आने पर अतिरिक्त निवेश की सुविधा भी देगा।

6. डेट निवेश की अहमियत समझें

तेजी के दौर में डेट निवेश को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन अस्थिर बाजार में इसकी भूमिका बढ़ जाती है। डेट इंस्ट्रूमेंट्स स्थिर और अनुमानित रिटर्न देते हैं, साथ ही पोर्टफोलियो के कुल जोखिम को कम करते हैं। खासकर शॉर्ट-टू-मिड टर्म लक्ष्यों के लिए डेट एक मजबूत विकल्प है। यह पोर्टफोलियो को संतुलन और स्थिरता प्रदान करता है।

7. फंड चयन से ज्यादा जरूरी है अनुशासन

निवेशक अक्सर "सबसे अच्छा फंड" ढूंढने में समय लगाते हैं, लेकिन असल में लंबे समय में सफलता अनुशासन और निरंतरता से मिलती है। बार-बार फंड बदलना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे अक्सर निवेशक ऊंचे दाम पर खरीदते और गिरावट में बेचते हैं। बेहतर है कि कुछ अच्छे फंड चुनकर लंबे समय तक निवेशित रहें और समय-समय पर समीक्षा करते रहें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

वित्त वर्ष 27 ऐसा वर्ष हो सकता है जहां बाजार निवेशकों की समझ और धैर्य की परीक्षा लेगा। यह समय आक्रामक या बिना योजना वाले निवेश का नहीं है। जो निवेशक संतुलन, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देंगे, वही लंबी अवधि में सफल होंगे। बाजार को समय करने की कोशिश करने के बजाय ऐसा पोर्टफोलियो बनाना ज्यादा समझदारी है, जो हर परिस्थिति में टिक सके। अंततः, निवेश में सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सही निर्णयों को लगातार लागू करने से मिलती है। समझदारी से निवेश करें और अपने वित्तीय भविष्य को मजबूत बनाएं।

10,000 की एसआईपी या 10 लाख का लंपसम कौन देगा बड़ा रिटर्न

दुनिया में बाजार कभी सीधी रेखा में नहीं चलता, उतार-चढ़ाव, गिरावट, रिकवरी और अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"आज के समय में, जब वैश्विक और घरेलू कारकों के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ी हुई है, यह संतुलित रणनीति और भी प्रासंगिक हो जाती है। यह निवेशक को न केवल बेहतर रिटर्न की संभावना देती है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाए रखने में मदद करती है। निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसे निर्णय लेना भी है, जिन्हें लंबे समय तक सहजता से निभाया जा सके।

आज के अस्थिर और उतार-चढ़ाव भरे बाजार में म्यूचुअल फंड निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर एसआईपी बेहतर है या लंपसम निवेश। खासकर तब, जब अचानक आपके हाथ में 10 लाख रुपये की बड़ी राशि आ जाए चाहे वह बोनस हो, बचत हो या किसी निवेश का रिटर्न। एक तरफ एसआईपी का अनुशासित और अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीका है, जिसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है, वहीं दूसरी ओर लंपसम निवेश है, जो सही समय पर किया जाए तो तेज कंपाउंडिंग के जरिए बड़ा रिटर्न दे सकता है। लेकिन जब बाजार गिरता है, पोर्टफोलियो लाल दिखता है और निवेशक घबराने लगते हैं, तब यह दुविधा और भी गहरी हो जाती है कि निवेश जारी रखें या रणनीति बदलें। ऐसे में 10 साल की अवधि में कौन-सा तरीका ज्यादा संपत्ति बनाता है। यही सवाल हर निवेशक के मन में उठता है।

पहली नजर में लंपसम निवेश ज्यादा आकर्षक लगता है। इसका कारण है कंपाउंडिंग की ताकत। जब पूरी राशि एक ही बार में निवेश हो जाती है, तो वह पहले दिन से ही बाजार में काम करना शुरू कर देती है। यदि हम 10 साल की अवधि और औसतन 12% सालाना रिटर्न मानें, तो 10 लाख का लंपसम निवेश लगभग 31 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। इसके मुकाबले 10,000 की मासिक एसआईपी, जिसमें कुल निवेश 12 लाख रुपये होता है, लगभग 22.5 लाख रुपये का फंड तैयार करती है। इस सीधी तुलना में लंपसम स्पष्ट रूप से आगे दिखाई देता है।

निवेश केवल आंकड़ों का खेल नहीं

निवेश केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। असल दुनिया में बाजार कभी सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव, गिरावट, रिकवरी और अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है। यही वह जगह है, जहां एसआईपी की अहमियत समझ में आती है। एसआईपी निवेशक को बाजार की टाइमिंग की चिंता से मुक्त करती है। वह हर महीने एक तय राशि निवेश करता है। चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। इसका सबसे बड़ा फायदा "रुपी कॉस्ट एवरेजिंग" के रूप में मिलता है, जहां निवेशक महंगे और सस्ते दोनों दामों पर यूनिट खरीदता है, जिससे उसकी औसत लागत संतुलित रहती है।

एसआईपी की ताकत और स्पष्ट

जब बाजार गिरता है, तब एसआईपी की ताकत और स्पष्ट हो जाती है। उस समय अधिकांश निवेशक घबराकर निवेश रोक देते हैं, लेकिन जो निवेशक एसआईपी जारी रखते हैं, वे कम कीमत पर ज्यादा यूनिट खरीदते हैं। यही यूनिट्स बाजार के संभलने पर बेहतर रिटर्न देती हैं। इसके विपरीत, लंपसम निवेश में यदि निवेश गलत समय पर यानी बाजार के उच्च स्तर पर किया गया हो, तो शुरुआती गिरावट निवेशक को मानसिक दबाव में ला सकती है। कई बार निवेशक घबराकर नुकसान में ही पैसा निकाल लेते हैं, जिससे दीर्घकालिक लाभ का अवसर खत्म हो जाता है।

सही उत्पाद चुनना जरूरी

यहां एक महत्वपूर्ण पहलू 'निवेशक का व्यवहार' है। निवेश में सफलता सही उत्पाद चुनने से नहीं, बल्कि सही व्यवहार बनाए रखने से मिलती है। बाजार की गिरावट, नकारात्मक खबरें और लाल होते पोर्टफोलियो निवेशकों के धैर्य की परीक्षा लेते हैं। एसआईपी एक अनुशासित ढांचा प्रदान करती है, जो निवेशक को नियमित बने रहने में मदद करता है। वहीं लंपसम निवेश में निर्णय का पूरा भार एक ही समय पर होता है, जो मानसिक रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि लंपसम निवेश गलत है। यदि बाजार का मूल्यांकन आकर्षक हो, निवेशक के पास लंबी अवधि का नजरिया हो और वह उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता रखता हो, तो लंपसम रणनीति अत्यंत प्रभावी हो सकती है। जब बाजार लगातार ऊपर बढ़ रहा हो, लंपसम निवेश अधिक लाभ देता है क्योंकि पूरा पैसा शुरू से ही कंपाउंडिंग का लाभ उठा रहा होता है।

कोई एक सार्वभौमिक उत्तर नहीं

अंततः, एसआईपी और लंपसम में से कौन बेहतर है, इसका कोई एक सार्वभौमिक उत्तर नहीं है। यह पूरी तरह निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, निवेश अवधि और व्यक्तिगत सुविधा पर निर्भर करता है। महत्वपूर्ण यह है कि निवेशक अपनी रणनीति को समझे, बाजार की अस्थिरता से विचलित न हो और अनुशासन बनाए रखे।

15 लाख से ज्यादा सैलरी पर भी जीरो टैक्स का मौका

बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास के लिए टैक्स बचाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। हर साल बढ़ती सैलरी के साथ टैक्स का बोझ भी बढ़ता जाता है, जिससे हाथ में आने वाली आय सीमित रह जाती है। लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 के नए टैक्स नियमों ने इस धारणा को बदलने का मौका दिया है। अब सही प्लानिंग और कुछ स्मार्ट विकल्पों के जरिए 15 लाख रुपये से अधिक सैलरी वाले लोग भी अपना टैक्स पूरी तरह शून्य कर सकते हैं। सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम ने कई ऐसे प्रावधान दिए हैं, जो पहली नजर में छोटे लगते हैं, लेकिन मिलकर बड़ा फायदा देते हैं। खासतौर पर मील वाउचर्स, स्टैंडर्ड डिडक्शन और एम्प्लॉयर के जरिए किए गए निवेश इस गणित को पूरी तरह बदल देते हैं।

मील वाउचर्स बने गेम चेंजर

नए टैक्स नियमों में मील वाउचर्स को एक बड़ा फायदा माना जा रहा है। सेक्शन 115बीएसी के तहत प्रति भोजन 200 रुपये तक के वाउचर्स को टैक्स फ्री कर दिया है। अगर आपकी कंपनी आपको रोजाना लंच और डिनर के लिए 400 के वाउचर देती है, तो महीने के लगभग 22 कार्य दिवसों में यह राशि 8,800 हो जाती है। सालभर में यही रकम 1,05,600 रुपये तक पहुंच जाती है। यह राशि सीधे आपकी ग्रॉस सैलरी से घट जाती है, जिससे आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। यानी छोटे-छोटे खर्चों को स्मार्ट तरीके से बड़ा टैक्स बचा सकते हैं।

3.86 लाख की कुल छूट कैसे बनती है

- आपकी कुल सीटीसी 15.85 लाख रुपये है, तो आप चार प्रमुख तरीकों से अपनी टैक्सेबल इनकम को काफी हद तक घटा सकते हैं। पहले आता है स्टैंडर्ड डिडक्शन, जो नए टैक्स रिजीम में 75,000 तक दिया जा रहा है। यह फ्लैट छूट है, जिसे हर सैलरीड क्लेम कर सकता है।
- दूसरा बड़ा घटक है एम्प्लॉयर का पीएफ योगदान। आपकी बेसिक सैलरी का लगभग 12% हिस्सा कंपनी आपके प्रोविडेंट फंड में जमा करती है, जो टैक्स फ्री होता है। उदाहरण के तौर पर यह राशि करीब 95,100 रुपये तक हो सकती है।
- तीसरा और बेहद अहम हिस्सा है एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)। सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत कंपनी द्वारा बेसिक सैलरी का 14% तक का योगदान टैक्स से मुक्त होता है। यह लगभग 1,10,950 रुपये तक की छूट दे सकता है।
- चौथा घटक है मील वाउचर्स, जिससे सालाना 1,05,600 रुपये की सीधी कटौती मिलती है। इन सभी को जोड़ने पर कुल टैक्स छूट 3,86,650 रुपये तक पहुंच जाती है। यही वह "स्मार्ट गणित" है, जो आपकी टैक्सेबल इनकम को काफी नीचे ले आता है।

12 लाख की सीमा और जीरो टैक्स का फायदा

नए टैक्स सिस्टम में एक महत्वपूर्ण सीमा 12 लाख रुपये की है। यदि आपकी टैक्सेबल इनकम 12 लाख रुपये या उससे कम रहती है, तो आपको रिबेट का फायदा मिलता है और आपका प्रभावी टैक्स शून्य हो जाता है। जब 15.85 लाख रुपये की सैलरी में से 3.86 लाख रुपये की छूट घटाई जाती है, तो आपकी नेट टैक्सेबल इनकम लगभग 11.98 लाख रुपये रह जाती है। यह 12 लाख रुपये की सीमा से नीचे है, इसलिए आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। यानी सही स्ट्रक्चरिंग और प्लानिंग के जरिए आप कानूनी रूप से अपनी टैक्स देनदारी को पूरी तरह खत्म कर सकते हैं।

वसीयत, नॉमिनेशन और इंश्योरेंस हैं, परिवार के भविष्य की मजबूत दीवारें

योजना | बिजनेस डेस्क

अक्सर जब लोग एस्टेट प्लानिंग शब्द सुनते हैं, तो उनके मन में यह धारणा बन जाती है कि यह केवल अमीर लोगों या रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके लोगों के लिए होती है। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। एस्टेट प्लानिंग का मतलब है अपने वित्तीय संसाधनों और संपत्तियों को इस तरह व्यवस्थित करना कि किसी भी अनहोनी की स्थिति में आपके परिवार को आर्थिक और कानूनी परेशानियों का सामना न करना पड़े। खासकर 30 की उम्र वह पड़ाव होती है, जब जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ती हैं और ऐसे में सही समय पर की गई प्लानिंग बेहद अहम हो जाती है।

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते व्यक्ति का जीवन कई बदलावों से गुजरता है। करियर स्थिर होने लगता है, शादी हो जाती है, बच्चों की जिम्मेदारी जुड़ जाती है और कई बार घर या वाहन के लिए लोन भी लिया जाता है। ऐसे में आपकी फाइनेंशियल जिम्मेदारियां सिर्फ आपके तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि पूरे परिवार पर निर्भर हो जाती हैं। यदि किसी कारणवश आपके साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। एस्टेट प्लानिंग इस जोखिम को कम करती है और आपके परिवार को सुरक्षित भविष्य देने में मदद करती है।

30 की उम्र में एस्टेट प्लानिंग, आज की तैयारी, कल की सुरक्षा

वसीयत : स्पष्टता-सुरक्षा का आधार

एस्टेट प्लानिंग का सबसे महत्वपूर्ण और पहला कदम है वसीयत बनाना। वसीयत एक कानूनी दस्तावेज होता है, जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि आपकी संपत्ति, निवेश और अन्य एसेट्स किसे और कैसे मिलेंगे। अगर वसीयत नहीं बनाई गई है, तो आपकी संपत्ति का बंटवारा कानून के अनुसार होगा, जिसमें समय भी ज्यादा लग सकता है और परिवार को अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ सकता है। इससे विवाद की स्थिति भी पैदा हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप समय रहते वसीयत बनाएं और जीवन में बदलाव (जैसे शादी, बच्चे, नई संपत्ति) आने पर उसे अपडेट भी करते रहें।

नॉमिनेशन : आसान एक्सेस की कुंजी

कई लोग बैंक अकाउंट, म्यूचुअल फंड, पीएफ, इंश्योरेंस पॉलिसी और अन्य निवेशों में नॉमिनेशन करना या अपडेट करना भूल जाते हैं। यह एक छोटी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण चूक हो सकती है। सही नॉमिनेशन होने से जरूरत के समय आपके परिवार के सदस्य आसानी से पैसे तक पहुंच सकते हैं। इसके विपरीत, यदि नॉमिनेशन नहीं है या गलत है, तो क्लेम प्रक्रिया लंबी और जटिल हो सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि आप समय-समय पर अपने सभी वित्तीय खातों और निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। इससे परिवार को संकट के समय मानसिक और आर्थिक दोनों तरह की राहत मिलती है।

जीवन बीमा: आर्थिक सुरक्षा की ढाल

एस्टेट प्लानिंग का एक अहम हिस्सा है जीवन बीमा। यह सिर्फ टैक्स बचाने का जरिया नहीं, बल्कि आपके परिवार के लिए आर्थिक सुरक्षा कवच है। यदि परिवार की आय का मुख्य स्रोत आप हैं, तो आपके न रहने की स्थिति में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आपके परिवार को आर्थिक रूप से संभाल सकती है। इससे घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई, लोन की ईएमआई जैसी जिम्मेदारियां पूरी की जा सकती हैं। 30 की उम्र में बीमा लेने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि उस समय प्रीमियम कम होता है और आपको बेहतर कवर मिल सकता है। साथ ही, आप अपनी जरूरत और लक्ष्यों के अनुसार सही पॉलिसी चुन सकते हैं।

बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच वित्तीय सुरक्षा का मजबूत आधार

समय पर लिए गए फैसले परिवार को कानूनी और आर्थिक तनाव से बचाते हैं

दस्तावेजों का सही प्रबंधन भी जरूरी

एस्टेट प्लानिंग केवल वसीयत और बीमा तक सीमित नहीं है। इसमें आपके सभी जरूरी दस्तावेजों का सही तरीके से रखरखाव भी शामिल है। जैसे बैंक डिटेल्स, इंश्योरेंस पॉलिसी, प्रॉपर्टी पेपर्स, लोन दस्तावेज, निवेश संबंधी जानकारी आदि। इन सभी को एक जगह व्यवस्थित रखना और परिवार के किसी विश्वसनीय सदस्य को इसकी जानकारी देना बहुत जरूरी है। इससे जरूरत के समय भागदौड़ और भ्रम की स्थिति नहीं बनती।

जल्दी प्लानिंग के फायदे

कई लोग एस्टेट प्लानिंग को टालते रहते हैं, यह सोचकर कि अभी उम्र कम है या अभी इसकी जरूरत नहीं है। लेकिन यही सबसे बड़ी गलती होती है। जल्दी शुरुआत करने से आप बेहतर और सोच-समझकर फैसले ले सकते हैं। साथ ही, समय के साथ अपनी प्लानिंग को अपडेट और बेहतर भी कर सकते हैं। यह एक बार का काम नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो आपके जीवन के हर बदलाव के साथ विकसित होती रहती है।

उठाने का सबसे सही समय

एस्टेट प्लानिंग केवल संपत्ति के बंटवारे का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आपकी जिम्मेदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। वसीयत, सही नॉमिनेशन और लाइफ इंश्योरेंस के जरिए आप अपने परिवार को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षित कर सकते हैं। 30 की उम्र इस दिशा में पहला मजबूत कदम उठाने का सबसे सही समय है। आज की गई सही प्लानिंग आपके परिवार को कल के संकट से बचा सकती है और उन्हें एक सुरक्षित व स्थिर जीवन दे सकती है।

हाई कोर्ट के निर्देश पर जनहित याचिकाकर्ता ने पेश किया सुझाव

नर्मदा में मिलने वाले नालों की पहचान कर एसटीपी लगाया जाए

नर्मदा में दूध सीधे बहाने की जगह कलेक्शन टैंक बनाने की सलाह

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के पूर्व निर्देश के पालन में जनहित याचिकाकर्ता की ओर से सुझाव पेश किए गए। जिनमें कहा गया कि नर्मदा में मिलने वाले नालों की पहचान कर एसटीपी लगाया जाए। यही नहीं ट्रीटेट वाटर के कृषि, सिंचाई व औद्योगिक उपयोग को भी गति दी जाए। नर्मदा में दूध सीधे बहाने की जगह कलेक्शन टैंक बनाए जाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि श्रद्धा के नाम पर अकेले सीहोर में नर्मदा में 11 हजार लीटर दूध बहा दिया जाता है। लिहाजा, नर्मदा घाटों पूजा के लिए कम दूध के इस्तेमाल के सुझाव को गंभीरता से लिया जाए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने उक्त सुझावों को रिकार्ड पर ले लिया। इसी के साथ सभी पक्षों को इन सुझावों के संदर्भ में जवाब पेश करने निर्देश दे दिए। इसके लिए दो सप्ताह का समय दिया है। अगली सुनवाई 12 मई को होगी

दरअसल, यह मामला नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने, नर्मदा में मिलने वाले नाले और संक्रमित पानी की आपूर्ति से जुड़ी तीन याचिकाओं से संबंधित है। कोर्ट ने विगत सुनवाई में सभी पक्षों को उक्त समस्याओं के समाधान के लिए ठोस उपाय सुझाने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने यह भी कहा था कि इंदौर में व्यवस्थाएं दुरूस्त हुई हैं, क्योंकि वहां जनता प्रशासन को पूरा सहयोग करती है। लिहाजा, नर्मदा प्रदूषण रोकने दूरगामी और ठोस सुझाव देना चाहिए।

विगत सुनवाई के दौरान मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने नालों के पानी की जांच रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया था कि शहर के लगभग सभी नालों के पानी में भारी मात्रा में सीवेज मिलता है, जिस कारण वह अत्यंत दूषित है। यह पानी पीने, निस्तार और सिंचाई के लिए पूर्णतः अनुपयोगी है। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि नालों का यह पानी वाटर पाइप लाइन में मिल गया तो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी। वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने दलील दी थी कि गौरीघाट में रोज सैकड़ों लोग तेल के दीये नर्मदा में विसर्जित करते हैं, जिससे पानी दूषित होता है। शहर में 174 मेगालीटर प्रतिदिन वेस्ट वाटर नालों में जाता है, जिसमें से नगर निगम द्वारा 13 सीवेज प्लांट्स के जरिए केवल 58 मेगालीटर प्रतिदिन पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है। यह पानी नर्मदा तथा हिरन नदी में मिलाया जाता है। डेमोक्रेटिक लायर्स फोरम के सचिव रविंद्र गुप्ता ने दलील दी थी कि शीघ्र ही सही साफ और साफ और बिना संक्रमित पानी पीने लायक घरों में सप्लाई करने हेतु नगर निगम सक्षम नहीं है, इसलिए संपूर्ण मामले की पर सही कार्रवाई हेतु एक मानिटरिंग कमेटी बनाई जानी चाहिए। हाई कोर्ट के रिटायर्ड की चेयरमैनशिप में जबलपुर मेयर, जबलपुर कमिश्नर, जबलपुर कलेक्टर, एचपी डिपार्टमेंट के हेड, किसी सीनियर सिटीजन, सोशल वर्कर और किसी सीनियर एडवोकेट को इसमें शामिल करना चाहिए।

हाईकोर्ट का निर्देश

जबलपुर के नए मास्टर प्लान ड्राफ्ट प्रकाशन पर सरकार दो माह में निर्णय ले

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शहर के नए मास्टर प्लान के ड्राफ्ट प्रकाशन पर सरकार को निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस संदीप एन भट्ट की एकलपीठ ने इसके लिए 2 माह की मोहलत दी है। क्रेडाई बिल्डर एसोसिएशन जबलपुर के दीपक अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि 2008 से प्रभावशील जबलपुर का मास्टर प्लान वर्ष 2021 में समाप्त हो चुका है। पांच साल से अधिक का समय गुजर जाने के बावजूद भी अभी तक नया मास्टर प्लान का प्रकाशन नहीं किया गया है। जबलपुर की नगर निगम सीमा में वर्ष 2014 में 125 ग्राम को जोड़ा गया है। उनके लिए भी कोई मास्टर प्लान नहीं बनाया गया है। जिसके कारण शहर का विकास प्रभावित हो रहा है। मास्टर प्लान के अभाव में बिल्डरों के प्रोजेक्ट स्वीकृत नहीं हो रहे है। इसके अलावा अवैध निर्माण से सरकार को भी लाखों की आर्थिक क्षति हो रही है। कोर्ट को बताया गया कि नगर तथा ग्राम निवेश डायरेक्टर द्वारा मास्टर प्लान ड्राफ्ट 31 जनवरी 2026 को अधिनियम की धारा 18 के तहत पब्लिकेशन के लिए भेजा गया था। तीन माह से अधिक का समय गुजर जाने के बावजूद भी उसका प्रकाशन नही किया गया हे। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था। कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सरकार की ओर से बताया गया कि मामला विचाराधीन है।

बिजली चोरों पर 'मेगा एक्शन', 100 से अधिक ठिकानों पर छापे

- पॉश इलाकों से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों तक सख्ती,
- बकायादारों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई
- 21 लाख से ज्यादा वसूली

हरिभूमि, जबलपुर।

शनिवार का दिन शहर के विद्युत विभाग के इतिहास में एक बड़ी और सख्त कार्रवाई के रूप में दर्ज हो गया। विभाग ने एक साथ पूरे शहर में अभियान चलाते हुए बिजली चोरी करने वालों और लंबे समय से बिल न चुकाने वाले उपभोक्ताओं पर शिकंजा कस दिया। इस व्यापक कार्रवाई से शहरभर में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

पॉश इलाकों तक पहुंचा विभाग का डंडा

कार्रवाई की खास बात यह रही कि यह केवल सामान्य इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि नेपियर टाउन, गोरखपुर, रसल चौक, शास्त्री ब्रिज, बिलहरी, तिलहरी, ओमती, रांझी, अधारताल सहित कई पॉश और व्यावसायिक क्षेत्रों में भी सख्ती दिखाई गई। बकाया बिल न चुकाने वाले 10 परिसरों पर

तालाबंदी की गई, वहीं कुछ जगहों पर डीआरए कार्रवाई के तहत सामान जब्त किया गया।

टेड़ी नीम में बिजली चोरी का बड़ा खुलासा

संवेदनशील टेड़ी नीम क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक कारखाने अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाए गए। विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए धारा 135 के तहत प्रकरण दर्ज किए। कुछ इकाइयों में तालाबंदी के साथ संपत्ति सीज कर तहसीलदार के अधिकारों के तहत सीलिंग की कार्रवाई भी की गई।

स्पॉट पर वसूली, अस्पताल ने जमा किए 3 लाख

रद्दी चौकी क्षेत्र में स्थित विधान हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मोहसिन अंसारी ने मौके पर ही करीब 3 लाख रुपये का बकाया जमा कर बिजली कटने से बचाव किया।

जब्ती और रिकॉर्ड वसूली

करीब 100 से अधिक स्थानों पर हुई कार्रवाई में मोटरसाइकिल, फ्रिज, कूलर, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, टीवी समेत कई उपकरण जब्त किए गए। वहीं 205 प्रकरणों में 21 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा करवाई गई।

पुराने बकायों पर भी शिकंजा

विभाग के अनुसार कुछ मामलों में 10 वर्षों से लंबित बकाया भी सामने आया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी से जुड़े मामलों में विस्तृत बिलिंग और दंडात्मक राशि की जानकारी कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी की जाएगी।

गर्मी और धूप के प्रकोप देखकर स्कूलों का टाईम बदलने की मांग

जबलपुर। जिले में भीषण गर्मी के बावजूद स्कूलों के समय में बदलाव नहीं होने से बच्चों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है। प्रदेश सहित जबलपुर में भीषण गर्मी एवं लू के प्रकोप को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने छात्र नेता अनुराग शुक्ला व शफी खान के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी को ज्ञापन सौंपकर स्कूलों के समय में परिवर्तन की मांग की। छात्रनेता अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि वर्तमान में तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा रहा है। दोपहर के समय तेज धूप में स्कूल से घर लौटते समय छोटे बच्चों को लू लगने, चक्कर आने एवं डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन को तत्काल समय परिवर्तन का आदेश जारी करना चाहिए। एनएसयूआई ने मांग की है कि छात्र हित को ध्यान में रखते हुए समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संचालन का समय प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक किया जाए, जिससे बच्चों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके।

मोदीबाड़ा - सदर में कैंट बोर्ड की बड़ी कार्रवाई

क्लास-सी लैंड से वर्षों पुराने अतिक्रमण हटे

जबलपुर। शहर में अवैध कब्जों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए जबलपुर केन्टोनमेंट बोर्ड के राजस्व विभाग ने क्लास 'सी' भूमि पर वर्षों से जमे अतिक्रमणों को धराशायी कर दिया। कार्रवाई इतनी तेज और सख्त रही कि मोदीबाड़ा क्षेत्र में लंबे समय से गोदाम बनाकर कब्जा जमाए बैठे अतिक्रमणकारी अभय नायडू को मात्र 4 घंटे के भीतर अपना पूरा सामान हटाना पड़ा। कैंट बोर्ड प्रशासन के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की शुरुआत सदर स्थित रामलीला मैदान क्षेत्र से की गई। यहां क्लास सी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों द्वारा भीड़ एकत्र कर काम में बाधा डालने की कोशिश की गई, लेकिन बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी बिना किसी दबाव के डटे रहे और कुछ ही मिनटों में अवैध निर्माण जमींदोज कर दिए गए।

रामलीला मैदान के बाद अतिक्रमण दस्ता दल-बल के साथ मोदीबाड़ा पहुंचा। यहां अभय नायडू द्वारा क्लास 'सी' भूमि पर गोदाम बनाकर कब्जा किया गया था। दस्ते के पहुंचने से पहले ही अतिक्रमणकारी ने सामान हटाना शुरू कर दिया था। दस्ते के पहुंचने पर अभय नायडू ने मुख्य अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार से अपना सामान सुरक्षित निकालने की अनुमति मांगी। इस पर सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वह स्वयं अपना सामान हटाए। निर्देश मिलते ही अतिक्रमणकारी ने 4 ट्रकों में भरकर करीब 4 घंटे के भीतर पूरा गोदाम खाली कर दिया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग के अतिक्रमण प्रभारी आशीष वर्मा, जाहिद अंसारी, हरवेश सिंह और खेमराज मीणा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

विभाग ने लिया कब्जा

गोदाम खाली होते ही राजस्व विभाग ने तत्काल परिसर पर विभागीय कब्जा लेते हुए वहां ताला लगा दिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान मुख्य अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार स्वयं मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। सीईओ राजीव कुमार ने स्पष्ट संदेश दिया कि कैंट बोर्ड की जमीन पर जहां-जहां अवैध अतिक्रमण किए गए हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। किसी भी प्रकार का दबाव या विरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अतिक्रमण चिन्हित करने बनेगी कमेटी

कैंट बोर्ड प्रशासन ने बताया कि आगे की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी कैंट क्षेत्र में क्लास सी भूमि पर हुए अवैध कब्जों को चिन्हित कर रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रांझी में शातिर बदमाश अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

जबलपुर। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रांझी थाना पुलिस ने एक शातिर बदमाश को देशी कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट समेत 17 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। टीआई उमेश गोल्हानी ने बताया कि बीती रात मड़ई ऑटो स्टैंड के पास पेट्रोलिंग के दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में पान के टपरे के पीछे छिपने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम 22 वर्षीय अमन केवट निवासी रक्षा नगर कॉलोनी रांझी बताया। तलाशी में उसके पास से एक देशी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ। आरोपी ने हथियार पांच हजार रुपये में खरीदना स्वीकार किया है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक चंद्रभान सिंह सहित टीम की भूमिका सराहनीय रही।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

हीटवेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जबलपुर। जबलपुर में इस मौसम में पहली बार कल जहां पारा 42 के आंकडे को छू गया था वहीं आज रात भी कम गर्म नहीं रही। इस भीषण गर्मी और हीटवेव की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने मैदानी स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन का मुख्य फोकस अप्रैल से जून के बीच चलने वाली लू के दौरान होने वाली जनहानि को रोकना और मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराना है। सीएमएचओ के निर्देशों के तहत जिले के सरकारी अस्पतालों में हीटवेव के मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिला अस्पताल में 5 बेड और सभी सिविल अस्पतालों में 3-3 बेड केवल लू प्रभावित मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं। इन वार्डों में मरीजों को तापमान से राहत देने के लिए एयर कंडीशनर या कूलर के साथ ठंडे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। अस्पताल आने वाले अन्य मरीजों और उनके परिजनों के लिए भी परिसर में छायादार स्थानों का प्रबंधन किया गया है। आपातकालीन स्थिति में गंभीर रोगियों को तत्काल शिफ्ट करने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा को विशेष रूप से अलर्ट रहने को कहा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के आदेश दिए हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों और डिपो स्तर पर जरूरी दवाओं का अग्रिम स्टॉक जमा किया गया है। केंद्रों पर ओआरएस कॉर्नर सक्रिय कर दिए गए हैं ताकि निर्जलीकरण की स्थिति में लोगों को तुरंत घोल उपलब्ध कराया जा सके। किसी भी संभावित संकट या बीमारी के अचानक फैलाव को नियंत्रित करने के लिए विशेष कॉम्बैट टीम तैयार की गई है। इसके साथ ही डेटा प्रबंधन के लिए सभी केंद्रों को आईएचआईपी पोर्टल पर प्रतिदिन दैनिक जानकारी दर्ज करने और दोपहर 1 बजे तक सीएमएचओ कार्यालय को रिपोर्ट भेजने की अनिवार्यता लागू की गई है। इसके अलावा आमजन को गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए विभाग ने स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है। इसमें लोगों को हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, सिर ढंकने और खाली पेट घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। शरीर में तरल पदार्थ की कमी न हो इसके लिए पानी, छाछ और पना जैसे पेय पदार्थों का सेवन बढ़ाने को कहा गया है। यदि कोई व्यक्ति लू की चपेट में आता है तो उसे तत्काल छायादार स्थान पर ले जाकर शरीर का तापमान कम करने के लिए ठंडी पट्टियों का उपयोग करने व स्थिति में सुधार न होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है ताकि समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके।

उड़ीसा से गांजा लाकर पुड़िया बनाकर बेचते थे

जबलपुर। तिलवारा पुलिस ने ग्राम चूल्हा गोलाई वन चौकी के पास मादक पदार्थ गांजा की तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 9 किलो 781 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत लगभग 4 लाख 89 हजार रुपए बताई गई है। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि गत दिवस पेट्रोलिंग दौरान ग्राम चूल्हा गोलाई वन चौकी के पास ग्राम जोधपुर पड़ाव तिलवारा निवासी 28 वर्षीय शुभम पटेल, वार्ड नंबर 2 बासौदा जिला विदिशा निवासी 28 वर्षीय शुभम शुक्ला और ग्राम घाना तिलवारा निवासी 23 वर्षीय नीरज डेहरिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से 9 किलो 781 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत लगभग 4 लाख 89 हजार रूपये बताया गया है। गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर सभी तितलागढ़ उड़ीसा निवासी खितिज साहू से खरीदकर फुटकर पुड़िया बनाकर बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों आरोपी शुभम पटैल, शुभम शुक्ला एवं नीरज डेहरिया के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

मासूम कदमों ने छुआ संवेदनाओं का संसार

मोक्ष आश्रम में बच्चों ने सीखा सेवा का असली अर्थ

लावारिस बुजुर्गों संग बिताए भावुक पल, किसी ने थामा हाथ तो किसी ने गले लगाकर खोजा अपना परिवार

हरिभूमि, जबलपुर।

भागती-दौड़ती दुनिया के बीच शनिवार की सुबह मोक्ष आश्रम मेडिकल में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने मानवीय संवेदनाओं को जीवंत कर दिया। गंगानगर स्थित ज्ञानोदय स्कूल के सैकड़ों छात्र-छात्राएं यहां पहुंचे और लावारिस जीवन जी रहे बुजुर्गों के साथ समय बिताया। यह मुलाकात सिर्फ एक औपचारिक भ्रमण नहीं, बल्कि रिश्तों की कमी से जूझ रहे चेहरों पर मुस्कान लौटाने का प्रयास बन गई।

जब अपनों की कमी बच्चों ने पूरी की। आश्रम में रह रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों ने जैसे ही बच्चों को अपने बीच पाया, उनकी आंखें नम हो गईं। किसी ने बच्चों को गले लगाया, तो किसी ने उनका हाथ थामकर अपनेपन का एहसास किया। छोटे-छोटे बच्चों के बीच खुद को पाकर बुजुर्ग अपने परिवार को याद करते नजर आए। बच्चों ने भी पूरे मन से उनका हालचाल जाना और उनके साथ बैठकर समय बिताया।

नन्हें हाथों में सेवा का संकल्प

बच्चे अपने घरों से बिस्किट, कपड़े, चावल और आटा जैसी जरूरत की सामग्री लेकर पहुंचे थे। मोक्ष के संस्थापक आशीष ठाकुर के साथ उन्होंने आश्रम की रसोई से लेकर दैनिक व्यवस्थाओं को करीब से देखा और जीवन की उस सच्चाई को समझा, जिसे किताबों में नहीं पढ़ाया जाता। कई बच्चों ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं किया।

प्रेरणा का उद्देश्य, संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण

ज्ञानोदय स्कूल के संचालक मुकेश साहू के मार्गदर्शन में कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों का यह भ्रमण आयोजित किया गया। उद्देश्य था बच्चों को समाज की वास्तविकताओं से रूबरू कराना और सेवा भाव के प्रति जागरूक बनाना। मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति के संचालक आशीष ठाकुर ने बच्चों को संस्था के कार्यों की जानकारी देते हुए जनसहयोग की अपील की। इस दौरान कई विद्यार्थियों ने भविष्य में सेवा कार्यों से जुड़ने का संकल्प भी लिया।

अज्ञात नहीं, इंसान था, मोक्ष ने निभाई अंतिम जिम्मेदारी

इसी दिन थाना भेड़ाघाट की सूचना पर मोक्ष समिति ने 75 वर्षीय अमर केवट का ससम्मान अंतिम संस्कार किया। वे त्रिपुर सुंदरी मंदिर के पास पिछले करीब 30 वर्षों से झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। परिजनों का कोई पता न चलने पर उनका शव मोक्ष को सौंपा गया, जिसके बाद तिलवारा घाट श्मशान में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान अधिवक्ता अमर गुप्ता, सचिन स्वामी, पार्षद राजू पटेल सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गाजीनगर में चाकूबाजी, 1 घायल

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत गाजीनगर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर दो बदमाशों ने तीन युवकों के साथ मारपीट कर एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हड्डी गोदाम गोहलपुर निवासी 22 वर्षीय नाहिद मंसूरी गत रात लगभग 10.30 बजे अपने साथी मोह. इस्तयार अंसारी, एजाज अंसारी, मारूफ कुरैशी के साथ अपने साथी शेख फैजान की दो बहनों की शादी में गाजीबाग मैरिज हॉल गये थे शादी सामारोह में खाना खाकर बाहर निकलकर पैदल गाजी नगर की ओर चाय पीने गये उसी समय अचानक अरमान एवं अयान मिले और उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर दोनों ने चाकू से हमला करना शुरू कर दिये। अरमान ने चाकू से मारूफ कुरैशी पर हमला कर दिया वहीं अयान नाहिद मंसूरी के पीछे चाकू लेकर दौड़ा। घायल मारूफ कुरैशी को उपचार हेतु शीतल छाया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 115(2), 119(1), 351(3), 118(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बैंकों को सुरक्षा मानक तय करने निर्देश

सिंगरौली बैंक लूट के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र के सिंगरौली जिले में बैंक डकैती की घटना के बाद, जबलपुर पुलिस बैंकों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट मोड पर आ गई है। इसी सिलसिले में शनिवार को यहां पुलिस कंट्रोलरुम में बैंक प्रबंधकों की बैठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता ने ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम जितेंद्र सिंह, और पल्लवी शुक्ला भी मौजूद रही। इस बैठक में शहर के विभिन्न बैंकों के 50 अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्देशित किया गया है कि सभी बैंक प्रबंधक अपने अपने बैंकों में सुरक्षा मानकों और तकनीकी निगरानी के सिस्टम को मजबूत करें। बैठक में कहा गया है कि सिंगरौली की घटना से सबक लेते हुए बैंकों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी होगी। बैंक अधिकारियों को हिदायत दी गई कि वे पुलिस के साथ साथ बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी बनती है। लिहाजा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा ढांचे को बेहतर बनाने के लिए बैंकों में अनिवार्य रूप से चैनल गेट लगवाने और कम से कम 3-4 विभिन्न स्थानों पर पैनिक अलार्म व सायरन स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस और बैंकों के बीच बने व्हाटसएप ग्रुप

बैठक में सीसीटीवी कैमरों की कवरेज को लेकर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। यदि बैंक के भीतर या बाहर कोई भी ऐसा स्थान है जो कैमरों की जद में नहीं है, तो वहां तत्काल कैमरे लगाने की सलाह दी गई ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए थानों और बैंकों के बीच व्हाट्सएप ग्रुप बनाने पर भी सहमति बनी।

दोपहर में बैंकों के आसपास गश्त तेज होगी

सिंगरौली की वारदात के बाद अपराधिक तत्वों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस द्वारा बैंक परिसर के साथ-साथ आसपास के चाय ठेलों और पार्किंग क्षेत्रों की आकस्मिक जांच की जा रही है। बैठक में बैंकों में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों को अधिक सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए। बैंक प्रबंधन से कहा गया कि वे गार्डों को प्रशिक्षित करें कि वे बिना काम घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचित करें। बैंक अधिकारियों की मांग पर पुलिस ने आश्वस्त किया कि सुबह 11 से 1 और दोपहर 3 से 4 बजे के बीच बैंकों के आसपास पुलिस गश्त को बढ़ाया जाएगा।

गार्डों का पुलिस वेरिफिकेशन कराए

बैठक में म्यूल अकाउंट्स के माध्यम से होने वाली मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा हुई। अवैध धन हस्तांतरण की किसी भी सूचना पर बैंक अधिकारियों को तत्काल साइबर सेल या स्थानीय थाने को सूचित करने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पेशेवर बनाने के लिए यह अनिवार्य किया गया कि एटीएम और बैंकों में तैनात गार्ड केवल अधिकृत एजेंसियों के हों और वे पूरी तरह प्रशिक्षित व शस्त्रधारी हों। इसके साथ ही निजी सुरक्षा गार्डों और रिकवरी एजेंटों का अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन कराने के आदेश दिए गए हैं।

अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने बाजारों में फायर सेफ्टी के लिए बनी सहमति

जबलपुर। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखने की दिशा में नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त अंजू सिंह ने मुकादमगंज, नरघईया, लार्डगंज, महिला मार्केट और गंजीपुरा मार्केट के व्यापारी संघों के साथ एक विशेष बैठक की। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य बाजारों को 'अग्नि सुरक्षित' बनाना और भविष्य में होने वाली किसी भी अनहोनी को रोकना है।

सुरक्षा मानकों पर बनी सहमति

बैठक के दौरान व्यापारियों ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए शासन के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। चर्चा के दौरान व्यापारियों ने संकल्प लिया कि वे शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप अपने व्यावसायिक संस्थानों में पर्याप्त मात्रा में फायर एक्सटिंग्विशर और अन्य बचाव उपकरण लगाएंगे। अपर आयुक्त ने समझाइश दी कि केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कर्मचारियों को उनके उपयोग का प्रशिक्षण भी होना चाहिए ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

व्यापारियों ने रखी अपनी मांगें

बाजारों को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए व्यापारी संघों ने प्रशासन के समक्ष कुछ महत्वपूर्ण सुझाव और मांगें भी रखीं। व्यापारियों ने मांग की है कि बिजली विभाग द्वारा लगाए गए पुराने तार, खंभे और पुराने मीटरों को तत्काल बदला जाए, क्योंकि शॉर्ट सर्किट आग लगने का एक बड़ा कारण होते हैं। इसके लिए शासन स्तर से बिजली विभाग को आदेशित करने का आग्रह किया गया है। सुगम आवागमन और आपातकालीन वाहनों के पहुंचने के लिए व्यापारियों ने मांग की कि सड़क किनारे लगने वाली अवैध दुकानों को व्यवस्थित किया जाए ताकि मार्ग बाधित न हो।अपर आयुक्त अंजू सिंह ने व्यापारियों के सुझावों को गंभीरता से लिया और भरोसा दिलाया कि शासन स्तर पर इन समस्याओं के निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। जब शासन और व्यापारी एक ही दिशा में प्रयास करेंगे, तभी हम एक सुरक्षित व्यावसायिक परिवेश का निर्माण कर पाएंगे। जीवन की सुरक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस पहल से न केवल बाजारों में सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों और व्यापारियों के बीच विश्वास का माहौल भी मजबूत होगा। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि "सुरक्षित बाजार, समृद्ध व्यापार" के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वे प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का वार्षिकोत्सव "उत्कर्ष-2026" सम्पन्न

जबलपुर। शहर की अग्रणी संस्था तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने अपना 21वाँ वार्षिकोत्सव "उत्कर्ष-2026" उल्लास से मानस भवन में मनाया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजीव चांडक प्राचार्य जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर, डॉ. आर.सी. पाण्डेय प्राचार्य शासकीय कलानिकेतन पॉलीटेक्निक कॉलेज, डॉ. अर्पित शुक्ला प्राचार्य शासकीय आई.टी.आई. जबलपुर एवं संस्था के चेयरमेन आर.एन. पहारिया ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संस्था के चेयरमेन ने अतिथियों का स्वागत किया एवं छात्रों को सम्बोधित करते हुए उनके कुशल एवं उज्जवल भविष्य की कामना की एवं संस्था के निरन्तर बढ़ रहे पैमानों की सराहना की। इसी श्रृंखला में मुख्य अतिथि डॉ. राजीव चांडक ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में छात्रों का आव्हान करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में बहुत उपयोगी होते हैं। इस प्रकार के खेलकूद तथा रचनात्मक कार्यक्रमों से छात्रों को हमेशा प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा संस्था की वर्ष भर की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में रंगारंग कार्यक्रमों की जिसमें छात्रों द्वारा ग्रुप फोक डांस, फैशन शो, नाटक, मोहित कर देने वाले गीतों की सदाबहार प्रस्तुति दी गई। भाव-विभोर कर देने वाली प्रस्तुतियाँ हुई। स्किट, लाइव बैण्ड परफारमेन्स ने सबका मन मोहा। इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन आर.एन. पहारिया, सचिव शरद गुप्ता, संयुक्त सचिव शरद जैन तथा प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य एवं संस्था के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आई.के. खन्ना, प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू, उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के उप-प्राचार्य डॉ. संजय वर्मा, डॉ. शोभित वर्मा कॉर्डिनेटर एकेडेमिक, डॉ. नितिन गौर विभागाध्यक्ष एम.बी.ए., प्रो. धीरज दवे विभागाध्यक्ष मैकेनिकल, प्रो. अक्षत खासकलम विभागाध्यक्ष एचएस, प्रो. दीपा गोलानी विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रो. आशीष चौकसे विभागाध्यक्ष पॉलीटेक्निक विभाग, प्रो. अपूर्व श्रीवास्तव आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान संस्था के एवं विशिल्न इंजी. कॉलेज के प्राध्यापकगण, स्टाफ व छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के सचिव शरद गुप्ता द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

हिंदी विभाग ने आयोजित किया एम.ए. हिंदी उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों का रंगारंग विदाई समारोह

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में हिंदी विभाग के एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का फेयरवेल (विदाई) समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी द्वारा विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं निरंतर अध्ययन के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। प्रो. अरुण शुक्ल, विभागाध्यक्ष हिंदी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये कहा कि जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा डांस, कविता, गायन की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मिस्टर फेयरवेल एवं मिस फेयरवेल का चयन किया गया। विजेताओ को पुरस्कार प्रदान किए गये। कार्यक्रम में डॉ. तृप्ति उकास, लल्लाबाई लोधी, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, हरीश झारिया शोधार्थी द्वारा भी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना प्रेषित की गई। कार्यक्रम में डॉ. विभा निगम, डॉ. संघप्रिया तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन नीलेश चौधरी एवं संजय कश्यप द्वारा किया गया। सृष्टि गर्ग, प्रशांत जायसवाल, सौरभ अहिरवाल, वर्षा नागवंशी, अमन चौधरी, राहुल विश्वकर्मा, तृप्ति चतुर्वेदी, सुदर्शन प्रजापति, दिनेश अहिरवार, अमृता सिंह, सोनम के साथ ही बड़ी संख्या में एमए हिंदी के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना भगवान परशुराम जन्मोत्सव, निकली भव्य शोभायात्रा

जबलपुर।

भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आज संस्कारधानी जबलपुर में उत्साह का माहौल रहा। इस विशेष उपलक्ष्य में 'भगवान परशुराम वंशज ब्राह्मण एकता मंच' एवं समस्त विप्र संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा शहर के हृदय स्थल मालवीय चौक से प्रारंभ होकर कोतवाली तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और विप्र समाज के लोग शामिल हुए।

शोभायात्रा में शहर की प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें प्रमुख रूप से विधायक इंदु तिवारी, अभिलाष पांडे, लखन घनघोरिया, महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, पूर्व मंत्री शरद जैन, धीरज पटेरिया, और पार्षद दल के साथ नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। सभी अतिथियों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर शोभायात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

आयोजकों ने बताया कि यह गौरवशाली परंपरा पिछले 35 वर्षों से अनवरत चली आ रही है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विप्र समाज ने एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक विरासत और आराध्य देव के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, जिससे पूरा शहर परशुराम जी के जयकारों से गूंज उठा।

भगवान परशुराम जयंती: पड़वार में सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक सम्पन्न

बरेला। विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जयंती पर विशाल वाहन रैली महाआरती भंडारा प्रश्नोत्तरी का आयोजन बरेला में किया जा रहा है जिसकी तैयारियां चल रही है और गांव गांव जाकर बैठक कर आमंत्रण दिया जा रहा है। 20 अप्रैल को प्रातः 8 बजे भैरव बाबा मंदिर में सभी एकत्रित होकर भगवान परशुराम जी की झांकी, ढोल ,डीजे, आतिशबाजी के साथ अपने अपने वाहनों में नगर भ्रमण करते हुए शारदा देवी मंदिर रिछाई होते हुए परशुराम धाम वार्ड नंबर 11 में पहुंचेंगे जहां महाआरती कर प्रसाद वितरण किया जाएगा और छोले भटूरे का भंडारा होगा। शाम 6बजे से परशुराम धाम में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पड़वार बैठक में सर्व ब्राह्मण समाज बरेला परिक्षेत्र के अध्यक्ष अरविन्द तिवारी, कृष्ण कुमार द्विवेदी, बसंत तिवारी, निरंजन द्विवेदी, रामविशाल चौबे, नगर अध्यक्ष बरेला योगेश दुबे, सरपंच आशीष शुक्ला, सुनील पाठक,लक्ष्मण तिवारी, देवी प्रसाद चौबे,सूरज बहादुर द्विवेदी, रामाधार उपाध्याय, रमेश परोहा, संजय दुबे,अमित शुक्ला सुशील उपाध्याय,रेवा प्रसाद चौबे,मानस दुबे, मोहित गर्ग , संतोष चौबे,अजय द्विवेदी, संजय तिवारी, सतीश चौबे, अनुराग तिवारी,,गुड्डा द्विवेदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों के समय में परिवर्तन

जबलपुर।

जिले में ग्रीष्म ऋतु के दौरान लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर जबलपुर द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय (सभी परीक्षा बोर्ड से संबद्ध) विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों हेतु विद्यालय संचालन का समय प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समयानुसार विद्यालय में उपस्थित रहकर नामांकन, आधार अपडेशन, अपार आईडी सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन भी बच्चों के लिए प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा यह निर्णय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। अभिभावकों एवं संबंधित संस्थाओं से अनुरोध है कि वे संशोधित समय का पालन सुनिश्चित करें।

मौत का कुआं बना जानलेवा, वन विभाग प्रशासन सो रहा

पहले वन चौकी थी यहां

भेड़ाघाट। भेड़ाघाट परिक्षेत्र में 1980-1985 के लगभग चित्रह हऊदेवी का चबूतरा पहले से बना हुआ था उसे समय वन विभाग द्वारा नर्सरी का निर्माण किया गया था पानी की समस्या को देखते हुए कुआं का निर्माण किया गया था कुआं को चारों साइड से नहीं बांधा गया है कभी भी मूक पशु के साथ ही कोई भी व्यक्ति कुआं में समा सकता है सड़क से मात्र 50 60 फुट की दूरी पर मौत का कुआं बना हुआ है वन विभाग द्वारा कुआं को संरक्षण हेतु कोई कदम नहीं उठाए गए हैं जिस कुएं के अंदर

काला पानी और कितने जीव जंतुओं समा चुके हैं यह कहा नहीं जा सकता हैं वन विभाग के अधिकारियों द्वारा कभी इस तरफ मुड़कर भी नहीं देखा कि किसी की जान भी जा सकती है विभाग की लापरवाही का खामियाजा मूकपशु ओं के साथ ही किसी व्यक्ति की जान भी जा सकती है जानकारों का कहना है कि आए दिन वृक्ष काटे जाते हैं और भूमि माफियाओं द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण किया जाता है उसके बाद भी अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता है वृक्षारोपण कार्यक्रम भी भेड़ाघाट वन परिक्षेत्र में नहीं दिखाई दे रहा है आखिरकार भेड़ाघाट क्षेत्र में बाबडी कुआं को संरक्षण करने में सक्षम अधिकारी आगे क्यों नहीं आ रहे हैं

इनका कहना

30 35 साल पहले वन विभाग की नर्सरी थी जो कुआं था उसका संरक्षण कराया जाएगा जिसमें कोई अनहोनी घटनाएं ना हो सके।
ब्रह्म दत परोहा बीट प्रभारी वन क्षेत्र भेड़ाघाट

गौ सैनिकों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

मझौली।

गौ सम्मान आह्वान अभियान मझौली तहसील के समस्त गौ सैनीकौ के द्वारा नगर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है एवं 27 अप्रैल 2026 अप्रैल दिन सोमवार मझौली तहसील कार्यालय में जाकर सरकार से इन विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। 1. गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मानित पद प्रदान हो संपूर्ण देश में गौवंश को उचित सम्मान मिलें। 2. भारत में गौ हत्या पर पूर्णतः प्रतिबंध लगे जिससे देश की गौवंश पूर्णतः सुरक्षित रह सके। 3. गौ सेवा केन्द्रीय कानून लागू हो तथा केन्द्रीय गौ सेवा मंत्रालय का संगठन बनें। सभी गौ सैनिक, एवं धर्म रक्षक, इन्द्राना रोड बस स्टैंड में एकत्रित होकर पैदल चलकर मझौली तहसीली कार्यालय में जाकर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

विद्यालय भिटोनी में किया गया सम्मानित

किसान की बेटी रश्मि ने रचा इतिहास

सिहोरा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में रश्मि पिता वीरन गडारी ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश की मैरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता पर अखिल भारतीय लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ ने प्राथमिक शाला भिटोनी में सम्मान समारोह का आयोजन किया।ज्ञात हो रश्मि ने इसी स्कुल से पांचवीं तक की प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण की थी। संघ ने ट्राफी भेंटकर तथा विद्यालय परिवार ने मेडल पहनाकर सम्मान किया। बेटी की इस

सफलता से ग्राम में जश्न का माहौल है और हर तरफ सफलता की चर्चा हो रही। रश्मि ने कहा कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है और जब प्रयास ईमानदारी से किए जायें तो ईश्वर भी मदद करते हैं।इस अवसर पर अखिल भारतीय लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष यशपाल सिंह,जगदेव प्रसाद पटेल वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक संस्था जबलपुर,नलिन पटेल,मोहनलाल पटेल,इंद्र कुमार पटेल ब्लॉक अध्यक्ष मझौली, सुनील पटेल ब्लॉक ब्लॉक अध्यक्ष सिहोरा,डॉक्टर गोविंद पटेल, विद्यालय से शिक्षक अंजुम परवीन, सुनील कुमार तिवारी, निधि लक्ष्मी तिवारी, माध्यमिक शाला गौरहा से के एल राय, प्रदीप झरिया, कोमल प्रसाद सहित संघ के अनेक पदाधिकारी एंव ग्रामवासी उपस्थित थे।

परशुराम प्रगटोत्सव पर वाहन रैली आज

संयुक्त ब्राह्मण समाज आयोजक

सिहोरा। भगवान विष्णु के छठे अवतार ब्राह्मण समाज के आराध्य देवता भगवान परशुराम के प्रगटोत्सव संयुक्त ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया है। जो नृसिंह मंदिर खितौला से सुबह 8.30 पर प्रारम्भ होकर रेलवे फाटक, खितौला बाजार,पेट्रोल पंप तिराहा से होकर बाबाताल,हरदौल मंदिर,मैना कुआं,सरावगी मोहल्ला, काल भैरव चौक,झंडा बाजार,आजाद चौक,गौरी तिराहा,पुराना बस स्टैंड से होकर शिव मंदिर बाबाताल में समापन होगा। जहां पूजन अर्चन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।संयुक्त ब्राह्मण समाज ने सभी विप्रजनों से वाहन रैली में उपस्थिति की अपील की है।

केशव पुण्य सेवा न्यास के भवन का भूमिपूजन

स्वयं से पहले राष्ट्र भावना को मन में लायें : डॉ. प्रदीप दुबे

सिहोरा।

स्वयं से पहले राष्ट्र भावना को मन में लायें उक्ताशय के विचार डॉ प्रदीप दुबे प्रांत संघ चालक ने केशव पुण्य स्मृति सेवा न्यास के बनने वाले नवीन भवन के भूमिपूजन के अवसर पर व्यक्त किए। पूजन अर्चन के बाद हुए भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा संघ का कार्य दशकों से जारी है और जब हम शताब्दी वर्ष मना है तो इसका दायरा ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ गया है। जब प्रतिकुल स्थिति हो तो पैर जमा कर खड़े रहे और अनकुल हो तो छलांग लगाकर आगे बढ़े संघ हिन्दू समाज को शक्ति प्रदान करने का कार्य करता है आगे कहा सनातन धर्म हजारों साल पुराना है और हर जगह फैला है अगर

हम देखें तो वैटिकन सिटी से चार गुना बड़ा विष्णु भगवान का मंदिर कंबोडिया बना है जो 15 सौ वर्ष पहले बना था इसी तरह इंडोनेशिया की करेंशी में गणेश जी का चित्र है और वहां की वायू सेवा का नाम गरुण है । उक्त भवन तीन मंजिल का बनेगा जिसमें आर एस एस की विभिन्न योजनाओं का संचालन होगा। इस अवसर पर ,आनंद अग्रहरि विभाग प्रचारक, भूपेंद्र जी,जिला कार्यवाह जयराज सिंह श्रीमती हेमलता,आनंद जी,केशव पुण्य स्मृति सेवा न्यास अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह,सचिव कढोरी लाल साहू,आतीश जी,राकेश मालवीय,अनुपम सराफ,सह कार्यवाह विवेकानंद जी,बालमुकुंद पटेल,बिनोद खत्री,विकास दुबे,दीपक तिवारी,सुनील साहू अनुज, दीपक मल्लाह,सुनील चक्रवर्ती,किशन साहू,भोला दुबे आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे। संचालन कर रहे बिनोद खत्री ने सेवा न्यास द्वारा कराये जा रहे समाज सेवा के कार्यों के संबंध में बताते हुए कहा कि अभी तक पांच हजार मरीजों का निःशुल्क इलाज हो चुका है तथा दो सौ मरीजों का मोतियाबिंद का सफल आपरेशन हुआ है।

अंबेडकर जयंती पर किया श्रमदान

जबलपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर अजाक्स संघ, नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी संघ द्वारा जोन क्रमांक 2, स्वामी विवेकानंद वार्ड में शिव मंदिर से राम मंदिर तक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान अजाक्स संघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। श्रमदान के साथ-साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों को आयुक्त एवं नागरिकों द्वारा सम्मान-पत्र एवं प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

डॉ अशोक बराट - नेपियर टाउन निवासी शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अशोक बराट का निधन हो गया है। अंतिम यात्रा उनके निज निवास से आज रविवार को प्रातः 10.30 बजे ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

श्री कृष्ण कुमार श्रीवास- स्टेट बैंक कॉलोनी गढ़ा निवासी श्री कृष्ण कुमार श्रीवास (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती माया देवी- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री गुरमुखदास सिंधी की धर्मपत्नी श्रीमती माया देवी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लखन लाल कतिया- अर्जुन देव कॉलोनी नर्मदा नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री लखन लाल कातिया (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

निधन

श्री दौलत राम कुशवाहा- सेठ गोविंददास वार्ड छोटी खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री दौलत राम कुशवाहा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुभाष कुमार शर्मा- सुभाष नगर महाराजपुर निवासी श्री सुभाष कुमार शर्मा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री खिलाड़ी प्रजापति- गोपाल होटल साईं मंदिर के पास लालमाटी निवासी श्री खिलाड़ी प्रजापति (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. अमनप्रीत कौर- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री सरजीत सिंह मान की पुत्री कु. अमनप्रीत कौर (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम प्रसाद- रामपुर निवासी श्री राम प्रसाद (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

CHANGE OF DOB & NAME

I, Army No. 15814041H, Rank: HAV, Trade SKT (ENGR), Name: NARENDER KUMAR, Residing at: Vill SASROLI, Po.-SASROLI, TEH.- MATANHAIL, Dist.-JHAJJAR, State- HARYANA, PINCODE-124106. do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: That my mother name is MANNA and her Date of Birth is 02/01/1954. That Name & Date of Birth of mother is erroneously endorsed in my service record as MANAWATI & 10/02/1958. That the my mother Name & Date of Birth in respect of required to be correct in my service record as MANNA and her Date of Birth is 02/01/1954.That I am swearing this affidavit for correction of Name & Date of Birth of my mother in my service records as MANNA & 02/01/1954 for all purpose and transactions and for all official and non official purpose. That I am enclosing attested copy of Aadhar Card No. 7529 9771 8886 & PAN Card No. KKNPM9036H in respect of my mother MANNA as proof of correct Name & Date of Birth. I further, declare that the averments made in the affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief. Nothing has been cealed of kept back there from.

CHANGE OF DOB & NAME

I, Army No. 15814041H, Rank: HAV, Trade SKT (ENGR), Name: NARENDER KUMAR, Residing at: Vill SASROLI, Po.-SASROLI, TEH.- MATANHAIL, Dist.-JHAJJAR, State- HARYANA, PINCODE-124106. do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: That my father name is MAHAVIR and his Date of Birth is 01/01/1952 That Name & Date of Birth of father is erroneously endorsed in my service record as MAHABIR SINGH & 01/11/1954. That the my father Name & Date of Birth in respect of required to be correct in my service record as MAHAVIR and his Date of Birth is 01/01/1952. That I am swearing this affidavit for correction of Name & Date of Birth of my father in my service records as MAHAVIR & 01/01/1952 for all purpose and transactions and for all official and non official purpose. That I am enclosing attested copy of Aadhar Card No. 2855 5441 0159 & PAN Card No. DCHPM2527N in respect of my father MAHAVIR as proof of correct Name & Date of Birth. I further, declare that the averments made in the affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief. Nothing has been cealed of kept back there from.

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.)
राजस्व मामले में नोटिस
(व्यक्तिगत सूचना)
रा.प्र.क्रं./202603100700032/अ-06 (अ)/
वर्ष 2025-2026
पेशी दिनांकः- 27/04/2026

प्रति,
शिशिरचंद्र जैन आ, स्व. श्री त्रिलोकचंद्र जैन, निवासी-सी-26, शुभकामना काम्पलेक्स, रानीताल, जबलपुर जिला जबलपुर (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दाउलाल साहू पिता सुंदर लाल साहू निवासी-हनोदा रोड, शीतला नगर बोरसी तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी, प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 340/25 रकबा 0.010 हे./1100 वर्गफीट भूमि को विक्रेता शिशिरचंद्र जैन पिता त्रिलोकचंद्र जैन निवासी-सी-8 आदर्श नगर दुर्ग के माध्यम से रजिस्ट्री बैनामा दिनांक 30/07/2018 को क्रय किया गया है। उक्त भूमि को नामांतरण कराकर ऋणपुस्तिका भी जारी किया जा चुका है किन्तु वर्तमान आनलाईन राजस्व अभिलेख में पूर्व विक्रेता शिशिरचंद्र जैन पिता त्रिलोकचंद्र जैन के नाम पर प्रदर्शित हो रहा है जो कि त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्ट्री बैनामा एवं ऋणपुस्तिका में दर्ज के आधार पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज "शिशिर चंद्र जैन पिता त्रिलोकचंद्र जैन" को सुधार "दाउलाल साहू पिता सुंदर लाल साहू निवासी-हनोदा रोड, शीतला नगर बोरसी दुर्ग" का नाम दर्ज कर रिकार्ड शुद्ध किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है।

इस न्यायालय द्वारा आपको न्यायालय में उपस्थित होने हेतु नोटिस प्रेषित किया गया था, किंतु आपका पता स्पष्ट न होने के कारण आपको प्रेषित नोटिस अदम तामिली प्राप्त हुआ, आवेदक पक्ष द्वारा आपका स्पष्ट पता ज्ञात न होना बताया गया।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता हैं कि आगामी पेशी दिनांक 27/04/2026 को दोपहर 02.00 बजे दिन को न्यायालय में स्वयं अपना पक्ष रखे जाने हेतु उपस्थित होवें। उपस्थित नहीं होने पर प्रकरण में यथाविधि एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

आज दिनांक 10.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से सूचना से जारी की गई।
जारी दिनांक -16/04/2026
सुनवाई दिनांक- 27/04/2026
मुहर
तहसीलदार
दुर्ग

विभाग ने करीब 15-20 दिनों की देरी के बावजूद टारगेट प्राप्त किया

आबकारी विभाग राजस्व मामले में इस बार अपने तय लक्ष्य से भी निकल सकता है आगे, कुछ दुकानों को छोड़कर बाकी की सभी दुकानें हुईं नीलाम

प्रदेश में कुल 3 हजार 553 शराब दुकानों में से अब तक 3 हजार 437 दुकानों के ठेके हुए फाइनल, 116 दुकानें नीलामी के इंतजार में

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में आबकारी विभाग रेवन्यू के मामले में इस बार अपने तय लक्ष्य से आगे निकल सकता है। शराब दुकानों और अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय में बढ़ोतरी के चलते विभाग ने निर्धारित लक्ष्य को पार करने की स्थिति बना ली है। इस प्रक्रिया में विभागीय अधिकारियों के सामने कई चुनौतियां भी सामने आईं हैं।

विभाग ने करीब 15 से 20 दिनों की देरी के बावजूद टारगेट लगभग प्राप्त कर लिया है। आबकारी विभाग ने पिछले वर्ष से 20 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 19,952 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य तय किया था। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 16,627 करोड़ रुपए ही था। अभी की स्थिति में संभावित 20 हजार 280 करोड़ रुपए का अंतिम राजस्व लक्ष्य तय किया है। जानकारी के मुताबिक विभाग अब तक में संभावित 20 हजार 320 करोड़ रुपए तक पहुंचने की स्थिति में है, यानी लक्ष्य से आगे निकलने के आसार हैं। प्रदेश में कुल 3 हजार 553 शराब दुकानों में से अब तक 3 हजार 437 दुकानों के ठेके फाइनल हो चुके हैं, जबकि 116 दुकानें अभी भी नीलामी के इंतजार में हैं। बची हुई दुकानों के लिए करीब 440 करोड़ रुपए के ऑफर मिले हैं, लेकिन ये तय सीमा से कम होने के कारण विभाग ने फिलहाल उन्हें होल्ड पर रखा है। इन दुकानों की नीलामी को भी जल्दी ही फायनल कर लिया जाएगा।

मप्र सरकार छत्तीसगढ़ की तर्ज पर दुकानें चलाने का करा चुकी हैं अध्ययन

प्रदेश में जब 400 दुकानों की नीलामी अटक गई थी तो विभाग ने प्रभारी आबकारी उपायुक्त आलोक कुमार खरे व सहायक आबकारी आयुक्त सत्यनारायण दुबे को छत्तीसगढ़ भेजकर वहां सरकारी स्तर पर चल रही दुकानों का अध्ययन कराया था। इस टीम के वापस लौटने तक में विभाग ने कररब 150 दुकानों की नीलामी और करा ली। बाद में यह 260 तक पहुंच गई। अभी की स्थिति में कुछ ही दुकानें शेष हैं। हालांकि आबकारी विभाग को जितना राजस्व मिलना चाहिए, उससे भी ज्यादा राजस्व मिलने के आसार बन गए हैं।

विभाग धीरे-धीरे बोली प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा

सूत्रों के अनुसार आबकारी विभाग शेष दुकानों के लिए धीरे-धीरे बोली प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है, ताकि बेहतर राजस्व मिल सके। विभाग का फोकस इस बार भी ज्यादा से ज्यादा आय सुनिश्चित करने पर है। इसके चलते कई ठेकेदारों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ा है, वहीं अधिकारियों को भी लक्ष्य हासिल करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे हैं। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में विभाग तय लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जित करने की स्थिति में है। विभाग की रणनीति है कि सभी दुकानों के ठेके पारदर्शी प्रक्रिया से फाइनल किए जाएं और अधिकतम आय सुनिश्चित की जाए।

सीएम ने कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ वीसी से की विभिन्न अभियानों की समीक्षा

जिलों में भ्रमण करें कलेक्टर, नागरिकों से चर्चा कर समस्याओं का करें निदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय से प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान, पूर्ण हो चुके संकल्प से समाधान अभियान और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा की।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए।

छोटे किसानों का गेहूं उपार्जन प्राथमिकता से कराएं, केन्द्रों में हों सभी जरूरी सुविधाएं

सरकार की योजनाओं का पूर्ण क्षमता के साथ व्यापक स्तर पर सुचारु एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करते सीएम।

सभी कलेक्टर जिले में भ्रमण करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे जनता के कल्याण के कामों को तेजी से पूर्ण करायें। सरकार की योजनाओं का फील्ड में पूर्णतया क्षमता और दक्षता के साथ व्यापक स्तर पर सुचारु एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर, उनकी जरुरतों और सुझावों पर अमल करते हुए जनोन्मुखी प्रशासन से खुद की और सरकार की साख बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर्स लगातार जिले में भ्रमण करें, लोगों से चर्चा करें, उनकी समस्या सुनकर समाधान करें और गांवों में रात्रि विश्राम करें, इससे सरकारी योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

सूख चुके जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के भरसक प्रयास करें

सीएम ने कहा कि 12 जनवरी से 31 मार्च तक 2026 तक 'संकल्प से समाधान अभियान' चलाया गया। इससे सरकार की 106 प्रकार की योजनाओं का सीधा लाभ जनता और जरुरतमंदों तक पहुंचाया गया। सभी कलेक्टर्स इस अभियान के मूल लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हमेशा क्रियाशील रहें और जनता को अधिकतम लाभ दिलाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ हुआ है। यह 30 जून तक चलेगा। विगत 2 सालों में अभियान के अंतर्गत हुए जल संचयन के कार्यों से यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की पहचान बन चुका है। अब आवश्यकता है कि इस साल भी जल संरक्षण और सूख चुके जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के भरसक प्रयास किये जायें।छोटे किसानों का गेहूं पहले खरीदा जाए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चल रही गेहूं उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कहा कि छोटे किसानों का गेहूं पहले खरीदा जाये। उन्हें समय पर भुगतान भी करायें। सभी कलेक्टर्स गेहूं उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें और यह देखें कि खरीदी केंद्र पर समुचित छाया-पानी, बारदाना, तेज गर्मी के चलते ओआरएस घोल, पावडर आदि सभी जरूरी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। मुख्यमंत्र ने नगरीय विकास एवं प्रशासन विभाग से कहा कि वे अपने विभागीय स्वच्छता अभियान को जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़ लें।

सांदीपनि विद्यालयों में करें रैन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लान

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों को लेकर अभिभावकों की धारणा इस कदर परिवर्तित हुई है कि वे अपने बच्चों के दाखिले निजी विद्यालयों से निकालकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में भर्ती करा रहे हैं। डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश दिए कि वे प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों में रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बड़ी उपलब्धि है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के कारण हमारा स्कूल ड्रॉप आउट रेशियो जीरो हो चुका है।

सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर हों 50 बेडेड हॉस्पिटल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर कम से कम 50 बेडेड हास्पिटल होने चाहिए। प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों में बर्न यूनिट्स स्थापित की जाये। ग्रीष्मकालीन स्थायी निर्देशों (मेडिकल प्रोटोकॉल्स) का कढ़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी अस्पतालों में जरूरी दवाएं उपलब्ध रहें। सभी कलेक्टर्स एवं नगरीय निकाय स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी पूरी कर लें।

20 अप्रैल को भोपाल में होगा सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश हमेशा से महिलाओं के हितों की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरे देश में अव्वल रहा है। आगामी 20 अप्रैल को भी भोपाल में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें महिलाओं की रैली एवं आमसभा भी होगी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन का फीडबैक लेकर कलेक्टर्स को डिलिवरी सिस्टम में और अधिक सुधार लाकर इन्हें कस्टमर फ्रेंडली बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर अपने जिलों में टीम लीडर की तरह काम करें।

ओंकारेश्वर को बनाया जा रहा है ग्लोबल सेंटर ऑफ वननेस

राज्य सरकार सनातन संस्कृति के सिद्धांतों के अनुरूप सभी वर्गों की भलाई के लिए समर्पित

एकात्म धाम में आयोजित प्रकटोत्सव का शुभारंभ सत्र।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अद्वैत ज्ञान के सूर्योदय के केन्द्र ओंकारेश्वर की चेतना की अनुभूति आज सबको हो रही है। ज्ञान और ध्यान की धरती मप्र ने ऐतिहासिक रूप से धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया है। हर युग में इसके प्रमाण विद्यमान हैं। भगवान श्रीराम ने संस्कारों, व्यवहारगत मूल्यों, परस्पर संबंधों सहित शासन के ऐसे सूत्र प्रदान किए जो आज भी महत्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार श्रीकृष्ण, कंस वध के बाद शिक्षा ग्रहण करने उज्जयिनी स्थित सांदीपनि आश्रम पधारें। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मवाद का संदेश दिया, जो वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आचार्य शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में आयोजित 5 दिवसीय प्रकटोत्सव के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती सहित वरिष्ठ संतवृंद उपस्थित थे। राज्य सरकार के संस्कृति विभाग तथा आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के तत्वावधान में 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक एकात्म पर्व मनाया जा रहा है।

एकात्म यात्रा तथा अद्वैत पर आधारित लघु फिल्मों का हुआ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ने द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के साथ वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष में आयोजित आदि शंकराचार्य के प्राकट्योत्सव 'एकात्म पर्व' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने अद्वैत लोक एवं अक्षर ब्रह्म प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। साथ ही वे वैदिक अनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने संस्कृत सेवा फाउंडेशन पुणे के रोहन अच्युत कुलकर्णी की ओर से लिखित पुस्तक वेदांत सिद्धान्त चन्द्रिका विथ उदग्र का विमोचन किया।

पहले ही दिन थाने पहुंचा पति-पत्नी के बीच झगड़े का विवाद

कैबिनेट मंत्री ने किया कोरबा जिले के प्रथम महिला थाने का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नगर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने शुक्रवार को सिविल लाइन थाना परिसर में कोरबा जिले के प्रथम महिला थाने का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा की थाना जिले का पहला महिला थाना होगा, जो न केवल महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम में सहायक होगा, बल्कि उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित करेगा। मंत्री देवांगन ने थाना का शुभारंभ करने के बाद निरीक्षक भावना खांडेकर को थाना प्रभारी का विधिवत पदभार ग्रहण कराया। इस थाने में थाना प्रभारी सहित बलों की पदस्थापना की गई है। मंत्री देवांगन ने कहा कि यह महिला थाना महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। इस महिला थाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक सुरक्षित स्थान मिल सके।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई संभाग एवं जिला प्रभारियों की आवश्यक बैठक

समाज के हर वर्ग तक संवाद-संपर्क बढ़ाना जरूरीः यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को संभाग और जिला प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने संबोधित किया। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग-2026 पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने के लिए कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार के विकासोन्मुखी योजनाओं को समाज के हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ जुटना है।

भाजपा की बैठक में सीएम।

जब तक हम सब मिलकर पार्टी के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एकजुट होकर काम नहीं करेंगे, तब तक हमारी योजनाओं में सफलता नहीं मिल सकती। पार्टी की सफलता केवल चुनावी जीत में नहीं, बल्कि समाज में भाजपा की स्थायी पहचान और सेवा की भावना से भी जुड़ी हुई है। हमें समाज के हर वर्ग से संवाद बढ़ाना होगा, उनकी समस्याओं को समझते हुए पार्टी की नीतियों का लाभ समाज तक पहुंचाना होगा।

संगठन के कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकतः खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं। पार्टी की सफलता कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और एकजुटता पर निर्भर करती है। हमारी सरकार और संगठन की योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा, ताकि भाजपा की नीतियों का लाभ सब तक पहुंच सके। भाजपा की जीत केवल चुनावी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सेवा की भावना से जुड़ी हुई है। पार्टी की सफलता का आधार सिर्फ चुनावी जीत नहीं है, बल्कि समाज के प्रति हमारी सेवा और भाजपा की स्थायी पहचान भी है। हमें सिर्फ चुनावी सफलता ही नहीं, बल्कि समाज में स्थायित्व और विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करना होगा।

हेमंत खंडेलवाल।

घटना के बाद क्षेत्र में मची अफरा-तफरी, स्थानीय राहगीरों ने दिखाई तत्परता

भीषण सड़क हादसाः तीन ट्राले और एक कार टकराई, चार लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोरबा-कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर शनिवार अलसुबह करीब 6 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन ट्राले और एक कार आपस में टकरा गईं। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बांगो थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुरसिया-जड़गा मोड़ के पास अंबिकापुर की ओर से आ रहे दो ट्रेलर आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही कार से जोरदार भिड़ गया। टक्कर के प्रभाव से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहा एक और ट्रेलर नियंत्रण खो बैठा और सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही बांगो थाना पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग, जबलपुर मंडल

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है।, **सभी निविदाओं का कार्य का प्रकार**– खानपान, **सभी निविदाओं का कैटलॉग क्र.**–JBP-C-Catg-26-3, **सभी निविदाओं का ऑक्शन प्रारंभ होने की तिथि एवं समय**– 27/04/2026, 11:00 hrs

GMU Catering units:-

स्टेशन	लॉट क्र.	यूनिट क्र.	ऑक्शन समाप्त होने की तिथि एवं समय
सिहोरा रोड	Catg-JBP-SHR-GMU-302-26-1	SHR-CS-5	27/04/2026, 11:30 hrs
करेली	Catg-JBP-KY-GMU-300-25-1	KY-CS-6	27/04/2026, 11:40 hrs
करेली	Catg-JBP-KY-GMU-299-25-1	KY-CS-4	27/04/2026, 11:50 hrs
जैतवारा	Catg-JBP-JTW-GMU-14-25-1	JTW-CS-5	27/04/2026, 12:00 hrs
खुरई	Catg-JBP-KYE-GMU-306-26-1	KYE-CS-5	27/04/2026, 12:10 hrs

SMU Catering units:-

स्टेशन	लॉट क्र.	यूनिट क्र.	ऑक्शन समाप्त होने की तिथि एवं समय
जबलपुर	Catg-JBP-JBP-SMU-1-25-2	JBP-CS-16	27/04/2026, 12:20 hrs
जबलपुर	Catg-JBP-JBP-SMU-200-25-2	JBP-CS-20 (SC Women)	27/04/2026, 12:30 hrs
कटनी	Catg-JBP-KTE-SMU-198-25-2	KTE-CS-10 (OBC)	27/04/2026, 12:40 hrs
कटनी	Catg-JBP-KTE-SMU-221-25-2	KTE-CS-14 (SC Women)	27/04/2026, 12:50 hrs
बांदकपुर	Catg-JBP-BNU-SMU-303-26-1	BNU-CS-5	27/04/2026, 13:00 hrs
बीना मालखेड़ी	Catg-JBP-MAKR-SMU-244-26-2	MAKR-CS-1	27/04/2026, 13:10 hrs
श्रीधाम	Catg-JBP-SRID-SMU-232-26-2	SRID-CS-3	27/04/2026, 13:20 hrs

संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Auction Leasing मॉडयूल देखें। लॉट–बार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई–बोली सुचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

हस्ता.
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)

Indira Gandhi Road, South Civil Lines, Jabalpur (MP) Pin- 482001 Email:- cepwdelecjbp@mp.nic.in

NIT No.03/SAC/2026-27 **Notice Inviting Tender** **Jabalpur Date :- 15.04.2026**

Tender for the works mentioned below are invited through E-Tendering. This tender can be seen in the website http://mptenders.gov.in.

S. No.	Tender No.	Name of Work	Call	PAC Rs (in lacs)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender Form (in Rs.)	Time Allowed for Completion	Contractor categary
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_499291_1	ANNUAL OPERATION CHARGES OF 33KVA SUBSTATION (3x2 MVA TRANSFORMER) WITH (3 x 750 KVA GENERATOR SET) AS WLL AS (11 KV SUB STATION WITH 2X315KVA X-MER) WITH LT LINE MAINTENANCE IN MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL CAMPUS,JABALPUR	1ST	47.54	50000/-	5000/-	1 YEAR	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
2	2026_PWDRB_500679_1	COMPREHENSIVE ANNUAL OPERATION & MAINTENANCE CONTRACT OF 33 KV SUB STATION FOR ONE YEAR) WITH HT/ LT, APFC PANEL, SYNCHRONIZING PANEL AS WELL AS INTERNAL & EXTERNAL ELECTRICAL MAINTENANCE WORK OF SUPER SECIALITY HOSPITAL & SCHOOL OF EXCELLENCE IN NEURO SURGERY JABALPUR.	1ST	47.54	50000/-	5000/-	1 YEAR	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
3	2026_PWDRB_500680_1	ANNUAL COMPREHENSIVE MAINTENANCE SERVICE & OPERATION OF STP/ETP/WTP & WATER SOFTENER PLANT INSTALLED IN SUPER SPECIALITY HOSPITAL AT NSCB MEDICAL COLLEGE CAMPUS,JABALPUR	1ST	33.39	50000/-	5000/-	1 YEAR	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
4	2026_PWDRB_500684_1	COMPREHENSIVE ANNUAL OPERATION & MAINTENANCE CONTRACT OF 33 KV SUB STATION (FOR ONE YEAR) WITH HT/LT,APFC PANEL,SYNCHRONIZING PANEL AS WELL AS INTERNAL & EXTERNAL ELECTRICAL MAINTENANCE WORK OF STATE CANCER INSTITUTE AT MEDICAL COLLEGE CAMPUS,JABALPUR.	1ST	49.73	50000/-	5000/-	1 YEAR	Centralised PWD Registration in Electrical & "A" Class electric licence From MP Licensing Board
5	2026_PWDRB_500687_1	Electrification work in Girls Hostel P.G. College Narsinghpur Distt Narsinghpur.	1ST	3.02	6040/-	2000/-	1 Month	Centralised PWD Registration in Electrical & "B" Class electric licence From MP Licensing Board

Govt. https://mptenders.gov.in. Tender Form can be purchased after making online payment in the above website. The last date & time for purchase of Tender Document online is dated 29.04.2026 up to 5:30 PM. Amendments to NIT, if any would be published on above website only, and not in newspaper.

Exceutive Engineer
PWD (E/M) Division jabalpur

G-11726/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एक बार फिर अटक गया है। यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

विश्लेषण

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। इस कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है।

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर खूब चर्चा बटोरने वाला महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। बिल के समर्थन में 298 और असहमति में 230 वोट पड़े। देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए इस बिल को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। ध्यातव्य है कि महिला आरक्षण कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। बिल पर हुई 21 घंटे की गहन चर्चा में कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखे, इनमें 56 महिला सांसद भी थीं। वोटिंग के बाद परिणाम स्त्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े बिल के पास न होने के रूप में सामने आया। सरकार की ओर से 'नारी शक्ति वंदन' मुहिम के तौर पर जनमानस तक पहुंचाए गए बिल को लेकर समझाया गया कि यह देश की आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने कदम वाला है।

निराशाजनक रहा नतीजा

सत्ता पक्ष ने बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित संशोधनों के अंतर्गत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने एवं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किए जाने की योजना थी।

कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एकबार फिर अटक गया है। देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय में आया यह अटकाव आमजन को भी हैरान-परेशान करने वाला है। यहां तक कि कई महिला सांसदों और समर्थकों ने भी इस बाबत निराशा और आक्रोश जताया है। इस मायूसी की अहम वजह यह है कि देश के सियासी परिदृश्य में हर स्तर पर ही महिलाओं की भागीदारी आज भी बहुत कम है।

धरातल पर नहीं उतरा आरक्षण

यह बिल 2029 के आम चुनाव से पहले स्त्रियों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना का हिस्सा था। ज्ञात हो कि फिलहाल सदन में 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। बावजूद इसके 2023 में मिला 33 फीसदी आरक्षण का कागजी अधिकार धरातल पर नहीं उतर सका। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा महिला आरक्षण बिल, ये सिर्फ एक बिल नहीं है, ये देश की दिशा और दशा बदलने वाला बिल है। पीएम ने परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किए जाने का विश्वास दिलाते हुए इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। साथ ही यह भी जोड़ा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संतुलन साधने के प्रयासों के बीच हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में बड़े बदलाव की आहट को ठेस तो लगी ही है। साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, स्त्री जीवन से जुड़े हर पक्ष पर इसका असर होगा। गौरतलब है कि इस बिल के साथ परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक भी जुड़े थे।

सियासी खेल का खामियाजा

महिला आरक्षण के साथ ही एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए भी आवश्यक था। ऐसे में मुख्य संविधान संशोधन बिल के गिर जाने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया। हालांकि सरकार ने आगे भी इस बिल को लाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही है।

स्पष्ट है कि परिसीमन से जुड़ी सरकार की मंशा हो या विपक्ष का संदेह, महिलाओं को इस सियासी खेल का खामियाजा उठाना होगा। आखिर क्यों और कब तक मतदान के लिए लंबी कतारों में दिखने वाली आधी आबादी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने में पीछे रहे? हालिया वर्षों में शिक्षा और सजगता की बदौलत राजनीतिक सक्रियता के मोर्चे पर स्त्रियों की भागीदारी में बढ़ने की तुलना और सत्ता की बागडोर संभालने के मामले में स्त्रियों के आंकड़े बेहद कम हैं।

जबकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चे पर बेहतरी से जोड़कर देखने वाला पहलू है। इतना ही नहीं, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व केवल संख्या बल भर नहीं होता। महिलाओं का संसद में पहुंचना स्त्रियों की समस्याओं को मुखर स्वर मिलने जैसा है। इतना ही नहीं, चुनावी मैदान में उतरने से लेकर जीत हासिल करने तक महिला जनप्रतिनिधियों को भी अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधी आबादी के आगे बढ़ने की राह में पहले से ही कई बाधाएं मौजूद हैं।

हमारे देश की आबादी का 48.5 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं। स्त्रियां हमारे सामाजिक- पारिवारिक जीवन की धुरी हैं। आर्थिक मोर्चे पर आज भी आत्मनिर्भर महिलाओं के आंकड़े कम हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दे भी बहुत हद तक उपेक्षित ही हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कुल मिलाकर यह समझना मुश्किल नहीं कि भारतीय समाज में स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति उनकी राजनीतिक भागीदारी से भी जुड़ी है। ऐसे में महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और आमजीवन से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए गंभीर मंथन की सख्त आवश्यकता है।

साफ नियत से लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयकों परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। यह संशोधन बिल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। जिस तरह इस बिल को लेकर चर्चा गर्म है, क्या उसको लेकर पक्ष-विपक्ष उतना गंभीर है? शायद नहीं, चूंकि यदि ऐसा होता तो यह बिल पास हो चुका होता। भारतीय राजनीति में केवल उन महिलाओं को मौका दिया जाता है, जिनका राजनीतिक बैकग्राउंड होता है या फिर वह सेलिब्रिटी होती हैं। कार्य के बल आज तक किसको कितना मौका मिला है, यह स्पष्ट है लेकिन हमारी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से भारी रहा है। यदि उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो मुलायम सिंह यादव के परिवार को देख लो। इनके परिवार में 25 से अधिक सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, शिवपाल सिंह यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव प्रमुख हैं। विडंबना देखिए कि इतने बडे परिवार में कितने लोग है जो राजधानी के लिए योग्य है। शायद दस प्रतिशत भी नहीं, लेकिन विरासत मिली चीजों को लोग अक्सर अपना व्यापार मान लेते हैं। इसके अलावा एक बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव के परिवार के रूप में भी समझा जा सकता है। उनके दोनों तेज प्रताप यादव व तेजस्वी यादव जो विरासत में राजनीति लेकर पैदा हुए हैं लेकिन इनके लिए भी सवाल यही उठता है कि उनकी शिक्षा व राजनीतिक समझ कितनी है, यह किसी से छुपा नही है, फिर भी वह राजनीति में अपना स्थान बनाए हुए हैं। अब यदि बात महिलाओं की जाए तो उनके लिए राजनीति में कितनी जगह है, क्या उनकी कार्य की योग्यता को मौजूदा नेता स्वीकार कर पाएगें। किसी आम कार्यकर्ता को सांसद,विधायक या पार्षद तक की सीट आसानी से मिलना संभव है। बहुत मुश्किल कार्य है। बीते शुक्रवार को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और 'इंडी' गठबंधन बहस करने के लिए नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए एक अहम संविधान संशोधन बिल को पास होने से रोकने के लिए एक साथ आए। उसे न सिर्फ खारिज किया गया, बल्कि जीत के नारों के साथ उसका जश्न भी मनाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ था, चूंकि विपक्ष यहां यह बात नहीं समझ पाया कि इससे किसी पार्टी का फायदा-नुकसान या हार-जीत नहीं मिलती, इससे महिलाओं की भागीदारी से देश का उत्थान होने में मदद मिलेगी। बहरहाल, आज आधी आबादी को उनके हक चर्चाओं व सोच से क्या वाकई उनको स्थान मिलेगा, यह तो समय के साथ देखा जाएगा, लेकिन महिलाओं के प्रति अपनी नजरिया स्पष्ट करके उनको देखा जाए तो देश की तस्वीर बदल सकती है। किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है। भारतीय राजनीति में पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, स्वतंत्रता सेनानी, गवर्नर सरोजिनी नायडू,पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बनर्जी और मायावती जैसी महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। इन सभी महिलाओं ने अपने जिद व जुनून से भारतीय राजनीति में अपने आप को स्थापित किया। चूंकि इनमें से अधिकतर ने अपना वजूद खुद तय किया। इसलिए महिलाओं को आरक्षण को लेकर सभी को गंभीर होना चाहिए,यदि वाकई सबकी नियत साफ है तो कुछ प्रतिशत तो निश्चित तौर पर रिजर्व होना चाहिए जिससे बदलाव व देश के उत्थान के लिए महिलाओं की सोच से मिलकर देश आगे बढ़े। परिवर्तन संसार का नियम है और शायद अब भारतीय राजनीति को भी इसे अपना लेना चाहिए। ऐसे मामलों को लेकर पक्ष-विपक्ष अपनी विचारधारा साफ करे।

किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है।

महिलाओं को हक दिलाने पर सरकार अडिग !

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल संसद के विशेष सत्र में आखिरकार गिर गया, जिसे चिंता का विषय कहा जा सकता है। करीब 21 घंटों की चर्चा के बाद भी संविधान के 131वां संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सरकार सदन में मौजूदा सदस्यों की दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सकी। इसमें लोकसभा में सीटें 850 करने और महिला आरक्षण को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि महिलाओं को हक दिलाकर रहेगी, जबकि विपक्ष ने कहा कि यह महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश थी। जनता द्वारा चुनकर देश की विधानसभाओं या संसद में पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। देश और समाज के लिए विधानसभा और लोकसभा के जरिए जनप्रतिनिधित्व की यह ताकत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं की भागीदारी विधानसभा और संसद में कम होती है तो यह चिंता का विषय है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। यह सच्चाई है कि आज आधी-आबादी का प्रतिनिधित्व दोनों स्तरों पर कम दिखाई देता है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, यानी कुल 543 सीटों का मात्र लगभग 14 प्रतिशत। कई राज्य विधानसभाओं का औसत तो इससे भी नीचे है। ऐसे में राजनीतिक रूप से महिलाओं को आरक्षण मिलना जरूरी है। शायद यही कारण है कि देश में बराबरी का दर्जा की बात करने के बावजूद महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान का रास्ता प्रशस्त नहीं दिखाई पड़ता।लोकतंत्र का मतलब सिर्फ बहुमत का शासन नहीं बल्कि सभी वर्गों को समान अवसर देना है। जब आधी आबादी की भागीदारी अधिकतम 14 प्रतिशत तक सीमित हो तो नीति निर्माण एक तरफ हो जाता है, इसलिए उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनकी भागीदारी को संतुलित करने का यह कारगर उपाय हो सकता है। यह सच है कि आजादी के 78 साल बाद भी सामाजिक, सांस्कृतिक बाधाएं आर्थिक निर्भरता और पुरुष प्रधान सोच के कारण महिलाओं को टिकट नहीं मिल पातीं। आज पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद 1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 वाकई एक ऐतिहासिक कदम रहा है, जब सितंबर 2023 में संसद में 128वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का कानून पारित किया। यह आरक्षण एससी-एसटी कोटे के भीतर भी 33 प्रतिशत उप आरक्षण प्रदान करेगा। हालांकि तीन साल बाद इस पुराने कानून को सरकार ने लागू कर दिया है।

1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

इसी कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ था। गौरतलब है कि पहले से ही इसकी दो शर्तें रही हैं- यह अगली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और लागू होने के 15 साल बाद इसकी समीक्षा होगी यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके लागू होने की पूरी संभावना बताई गई थी। यह तय है कि इसके लागू होने से कई तरह के बदलाव भी दिखेंगे। जैसे कि नीति निर्माण की दिशा में मातृत्व लाभ, पोषण, शिक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, घरेलू हिंसा कानून आदि पर सख्ती जैसे विषय संसद के केंद्र में आएंगे। घर-परिवार संभालने वाली महिलाएं जमीनी मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा पाएंगी। पार्टियों को महिला कैडर तैयार करने जैसा उनकी मजबूरी हो जाएगी, वहीं टिकट बंटवारे में परिवारवाद और भाई- भतीजावाद घटेगा। इससे पार्षद पति, सरपंच या मुखिया पति की अवधारणा भी घटेगी। महिलाओं को अवसर दिए जाने के बाद ही उनकी क्षमताओं का आकलन करना उचित होगा। परिसीमन से हालांकि पुरुष वर्गों की कई सीटें खतरे में पड़ सकती हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी के हिसाब से यह सही कदम होगा। इसलिए महिला आरक्षण जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो अगला दशक भारतीय लोकतंत्र के लिए निर्णायक होगा।

देश की आधी आबादी की आवाज़ को अभी और इंतज़ार

चुनौती

रेखा शर्मा

राज्यसभा सांसद, हरियाणा

आज भारतीय संसद का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। हर बार की तरह इस बार भी संसद ने देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, कई निर्णय लिए और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया। सरकार ने अनेक अवसरों पर विपक्ष के अनुरोधों का सम्मान किया, संवाद के लिए अतिरिक्त समय दिया और सहमति बनाने का निरंतर प्रयास किया।

यह लोकतंत्र की वही परंपरा है जो मतभेदों के बीच भी संवाद को जीवित रखती है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। एक महिला सांसद होने के नाते इस सत्र की समाप्ति मेरे लिए केवल संसदीय कार्यवाही का समापन नहीं है। यह एक गहरी भावनात्मक कसक का क्षण भी है, क्योंकि इस बार अधूरी रह गई उम्मीद केवल एक विधेयक की नहीं थी, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व के अधिकार की थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानूनी प्रस्ताव नहीं था। यह उन करोड़ों बेटियों की आशा था, जो लोकतंत्र में अपनी भागीदारी को और सशक्त होते देखना चाहती हैं। यह उन माताओं का विश्वास था, जिन्होंने हमेशा समाज और परिवार को दिशा दी, लेकिन निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में उनकी भागीदारी अब भी सीमित रही। यह उन युवा छात्राओं का सपना था, जो राजनीति को केवल देखने नहीं, बल्कि उसे दिशा देने का साहस रखती हैं। यह उन लाखों महिलाओं की आकांक्षा का प्रतीक था, जो पंचायतों और स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर चुकी हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी का विस्तार चाहती हैं। इस सत्र के दौरान सरकार ने विपक्ष की अनेक मांगों और सुझावों को स्वीकार करते हुए सहमति बनाने का वातावरण तैयार करने की पूरी कोशिश की। लोकतंत्र संवाद से चलता है, और संवाद के लिए सरकार की ओर से निरंतर प्रयास भी हुए, लेकिन जिस प्रकार से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का यह ऐतिहासिक अवसर आगे नहीं बढ़ सका, उसने देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को प्रतीक्षा में छोड़ दिया है। यह केवल एक प्रक्रिया का रुकना नहीं था, यह एक भावनात्मक अपेक्षा का ठहर जाना था। सोचिए, यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती तो 2029 का भारत कैसा होता? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी दिखाई देती। नीति निर्माण की प्रक्रिया में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक समावेशन की नई दिशा मिलती। सबसे महत्वपूर्ण बात देश की बेटियों को यह संदेश मिलता कि उनका लोकतंत्र उन्हें केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता के रूप में भी स्वीकार करता है। यह संदेश आने वाली पीढ़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान, सेना, खेल, शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे समय में संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या बढ़ाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा होना चाहिए था।

यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है।

यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। मुझे यह कहते हुए पीड़ा हो रही है कि यह अवसर केवल एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह गया, जबकि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन सकता था। यह वह क्षण था, जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह संदेश देने का अवसर था कि भारत केवल संख्या में नहीं, बल्कि सहभागिता में भी सबसे आगे है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक हर महत्वपूर्ण परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज यह प्रतीक्षा है, लेकिन यह प्रतीक्षा निराशा नहीं है। यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है। यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संतुलन की मांग है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आवाज़ और मजबूत होगी, और वह दिन अवश्य आएगा जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में सामने आएगी। क्योंकि यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है। यह सम्मान का प्रश्न है, यह समान अवसर का प्रश्न है, और यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

पूरे देश को गंभीरता से विचार करने की जरूरत

दृष्टिकोण

जूही पाठक

स्वतंत्र स्तंभकार

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 16 अप्रैल 2026 की तिथि एक बड़े मंथन के रूप में दर्ज हो गई है। जहां एक ओर देश 106वां संवैधानिक संशोधन विधेयक 2023 यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अधिसूचित होने की प्रतीक्षा कर रहा था, वहीं यह ऐतिहासिक विधेयक कानून के रूप मे लोकसभा में पारित नहीं हो सका। सितंबर 2023 में संसद के विशेष सत्र के दौरान जिस उत्साह के साथ इसे पेश किया गया था, वह अब राजनीतिक मतभेदों और प्रक्रियात्मक उलझनों के कारण हकीकत नहीं बन पाया।

यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? या फिर यह भी स्थानीय निकायों की तरह मुखौटा राजनीति का शिकार हो जाएगा? नीति-निर्माण के शीर्ष स्तर पर महिलाओं की अनुपस्थिति लोकतांत्रिक समावेशिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। जिस पर पूरे देश को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। 73वें और 74वें संविधान संशोधन ने स्थानीय निकायों में महिलाओं को सत्ता की दहलीज तक तो पहुंचाया, लेकिन धरातल पर जो उभरकर आया, उसे लोकप्रिय वेबसीरीज पंचायत ने बड़े सटीक ढंग से चित्रित किया है। सीरीज में प्रधान मंजू देवी निर्वाचित प्रतिनिधि तो हैं, लेकिन पूरी सत्ता उनके पति प्रधान जी के इर्द-गिर्द घूमती है। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय ग्रामीण परिवेश की कड़वी सच्चाई है। इसी विडंबना ने सरपंच पति, पंच पति या पार्षद पति जैसे असंवैधानिक शब्दों को जन्म दिया है। निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अक्सर घर की चारदीवारी तक सीमित रहती हैं, जबकि उनके पति बैठकों में हिस्सा लेते हैं और फाइलों पर हस्ताक्षर करवाते हैं। यह प्रथा पितृसत्तात्मक मानसिकता का जीवंत प्रमाण है, जहां पुरुष सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं और महिलाएं केवल रबर स्टैंप बनकर रह गई हैं। कई गांवों में तो सरकारी शिलापट्टों पर निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि के नाम के नीचे कोष्ठक में पति का नाम लिखना लगभग परंपरा मानी जाती है,जो उनके स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व पर सीधा प्रहार है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न हो पाने से यह चर्चा फिर गर्म है कि क्या स्थानीय निकायों की यह पति-तंत्र वाली बीमारी उच्च सदनों तक पहुंचने से रुक गई है? हालांकि विधानसभा और लोकसभा का कार्यक्षेत्र अत्यंत विस्तृत और जटिल होता है, लेकिन यदि समाज की बुनियादी सोच नहीं बदली, तो चेहरे महिलाओं के और रिमोट कंट्रोल उनके पतियों के हाथ में होने की संभावना हमेशा बनी रहेगी। विषमताओं को दूर करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं है, इसके लिए कुछ अनिवार्य कारकों पर काम करना होगा । राजनीतिक आरक्षण तब तक प्रभावी नहीं होगा, जब तक महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, शिक्षा और घर के भीतर निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं मिलेगी। जब तक महिला घर के भीतर अधीन है, वह संसद में प्रधान नहीं बन सकती। सरपंच पति जैसी प्रथाएं इसलिए पनपती हैं क्योंकि महिला प्रतिनिधियों को अक्सर जटिल सरकारी प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं होती। उन्हें गहन प्रशासनिक प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। अब समय आ गया है कि प्रतिनिधि पति जैसी प्रथाओं को दंडनीय अपराध बनाया जाए। इसे राष्ट्रीय स्तर पर कड़ाई से लागू करना होगा ताकि निर्वाचित प्रतिनिधि के स्थान पर उनका कोई संबंधी सरकारी कार्य न करे। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित न हो पाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा अवरोध जरूर है, भले ही आज दिल्ली के सत्ता के गलियारों का रास्ता महिलाओं के लिए संवैधानिक रूप से आरक्षित न हो पाया हो, लेकिन भविष्य का मार्ग शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से ही प्रशस्त होगा। अब समय केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि वास्तविक राजनीतिक जवाबदेही सुनिश्चित करने का है। राजनीतिक सशक्तिकरण, सामाजिक सशक्तिकरण का परिणाम नहीं बल्कि उसका एक उपकरण है। जब महिलाएं स्वयं अपनी आवाज और अपनी शक्ति को पहचान लेंगी, तो सरपंच पति जैसे शब्द इतिहास के कूड़ेदान में चले जाएंगे। भारत का भविष्य केवल आरक्षित महिलाओं का नहीं, बल्कि सशक्त, स्वतंत्र, स्व-प्रेरित और नेतृत्वकर्ता महिलाओं का होना चाहिए।

निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अक्सर घर की चारदीवारी तक सीमित रहती हैं, जबकि उनके पति बैठकों में हिस्सा लेते हैं और फाइलों पर हस्ताक्षर करवाते हैं।

जावेद की टीवी पर होगी वापसी इस डांस रियलिटी शो में बनेंगे जज

मुंबई। दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी एक बार फिर टीवी की दुनिया में लौट रहे हैं। सोनी टीवी ने अपने चर्चित डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' का प्रोमो जारी किया है, जिसमें अभिनेता को जज की कुर्सी संभालते देखा जाएगा। शो की थीम इंडिया वाला डांस होगी, जिसके जरिए प्रतियोगी देशभर की विविध नृत्य शैलियों को पेश करेंगे। जाहिर है कि जावेद 1996 में आए लोकप्रिय डांस शो 'बूगी वूगी' में जज रह चुके हैं। 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के प्रोमो में जावेद कहते हैं, कभी सोचा है कि स्टेज 30 बाय 30 के स्टेज पर, क्या 140 करोड़ लोग नाच सकते हैं? बिल्कुल नाच सकते हैं। इंडियाज बेस्ट डांसर के स्टेज पर होगा 'इंडिया वाला डांस'। ऐसे में सारा इंडिया नाचेगा।

लाइफ Style

रश्मिका

नई फिल्म 'मायसा' से उड़ाएंगी होश

एजेंसी ⏭ मुंबई

रश्मिका मंदाना अपनी नई फिल्म 'मायसा' में एकदम अलग अंदाज़ में नज़र आने वाली हैं। रॉविंद्र पुल्ले के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक रहस्यमयी एक्शन थ्रिलर है, जिसकी कहानी जनजातीय क्षेत्रों पर आधारित है। रश्मिका के जन्मदिन पर, टीम ने फिल्म का एक बेहद दमदार पोस्टर जारी किया। इसी के साथ, निर्देशक रॉविंद्र पुल्ले ने सोशल मीडिया पर रश्मिका की मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग के बारे में एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने रश्मिका को 'द वेपन' बताया और इसे 'निशानों में लिखी हुई जंग' कहा। फिल्म के टीज़र में एक दमदार डायलॉग भी है, आखिरकार मौत का सामना मौत से हुआ, मेरी बेटी को मारने में नाकाम रही। यह लाइन फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और रहस्य को और बढ़ा देती है। यह एक महिला प्रधान पैन-इंडिया फिल्म है, जिसके लिए रश्मिका अपने दमदार किरदार में जान फूंकने के लिए मार्शल आर्ट्स की कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस इंटरनेशनल स्टंट एक्सपर्ट एंडी लॉन्ग डिजाइन कर रहे हैं। वहीं, श्रेयस पी कृष्ण विजुअल्स संभाल रहे हैं और संगीत जेक्स बेजॉय ने दिया है। 'मायसा' के अलावा, रश्मिका जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सैनन के साथ 'कॉकटेल 2' में, और विजय देवरकोंडा के साथ 'रानाबाली' में भी नज़र आएंगी।

फिल्म के टीज़र में एक दमदार डायलॉग भी है, आखिरकार मौत का सामना मौत से हुआ, मेरी बेटी को मारने में नाकाम रही। यह लाइन फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और रहस्य को और बढ़ा देती है। यह एक महिला प्रधान पैन-इंडिया फिल्म है।

हॉलीवुड मसाला

मिर्याम बनकर पर्दे पर मचाएंगी तहलका

लॉस एंजिल्स। सिनर्स (सिनर्स) से मशहूर अभिनेत्री ली जुन ली सुपरहिट वेब सीरीज 'द लास्ट ऑफ अस' के तीसरे सीजन में मिर्याम का किरदार निभाएंगी, जो लेव और यारा की मां हैं। इस गर्मियों में शूटिंग शुरू होने वाली है। क्रेग मजिन, जो अब अकेले शो-रनर हैं, तबाही के बाद की इस हिट ड्रामा सीरीज की अगली कहानी को आगे बढ़ाएंगे। सीजन 3 में कास्ट और भी बड़ी हो गई है। इसमें एरियला बैरेर, तती गैब्रिएल और स्पेंसर लॉर्ड जैसे नाम लौट रहे हैं। इनके साथ ही, बेला रैमसे जैसे पुराने सितारे भी अपनी भूमिकाएँ निभाते दिखेंगे। इन नए जुड़ावों से फैंस को लेव और यारा की जिंदगी से जुड़ी और कहानियाँ देखने को मिलेंगी।

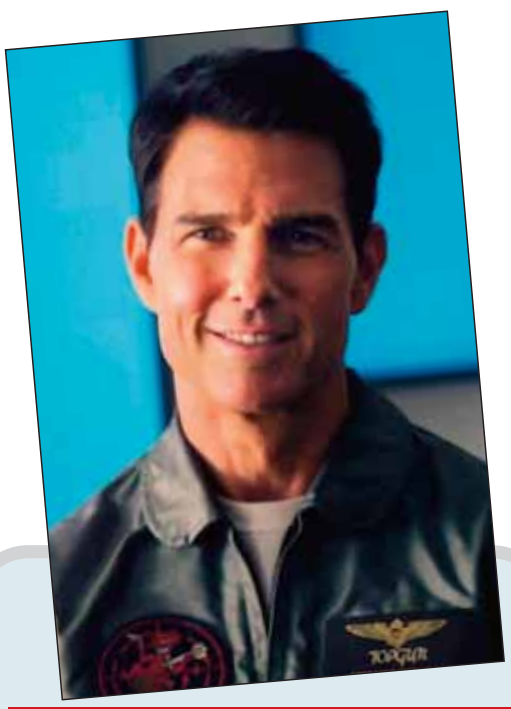

'टॉप गन 3' के साथ वापसी करेंगे टॉम क्रूज

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज अपनी आगामी फिल्म 'डिगर' को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं, जिसमें उन्हें एक बुजुर्ग व्यक्ति के किरदार में देखा जाएगा। हालांकि, दर्शकों को लुभाने का उनका सिलसिला अभी खत्म नहीं होगा, क्योंकि अभिनेता 'टॉप गन' फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त के साथ फिर लौटेंगे। पैरामाउंट ने निर्माता जेरी ब्रूकहाइमर के साथ मिलकर इस फ्रैंचाइजी की वापसी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म पर काम शुरू कर दिया गया है। अमेरिका के सिनेमाकॉन समारोह में, पैरामाउंट फिल्म के सह-प्रमुख जोश ग्रीनस्टीन ने 'टॉप गन 3' को लेकर बात की। उन्होंने कहा, फिल्म आधिकारिक तौर पर विकास के चरण में है, और इसकी पटकथा पर काम तेजी से चल रहा है।

क्या हाथ लगेगी विक्की की महावतार...

मुंबई। 'छावा' की अपार सफलता के बाद, विक्की कौशल पौराणिक फिल्म 'महावतार' को लेकर चर्चा में हैं। अमर कौशिक की इस फिल्म में उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार 'चिरंजीवी परशुराम' के किरदार में देखा जाएगा। पहले खबर थी कि निर्माता फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के लिए दीपिका पादुकोण से बात कर रहे हैं। फिर श्रद्धा कपूर का नाम चर्चा में आया। अब इस भूमिका के लिए मिस यूनिवर्स 2021 रहीं हरनाज संधू का नाम सामने आ रहा है। परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया, फिल्म निर्माता 'महावतार' में विक्की कौशल के साथ एक नए चेहरे को कास्ट करके एक नई जोड़ी बनाना चाहते थे, और वे इस भूमिका के लिए हरनाज़ संधू से बातचीत कर रहे हैं। यह नई जोड़ी पंजाब के 2 मूल अभिनेताओं को एक साथ लाएगी।

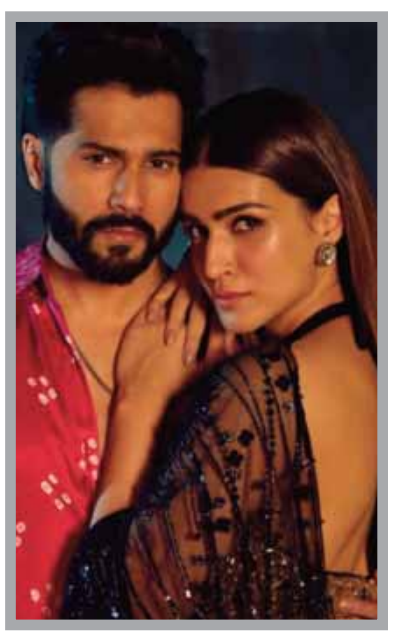

वरुण और कृति का धमाकेदार डांस...

मुंबई। कृति सैनन और वरुण धवन अपनी आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में एक बार फिर साथ दिखेंगे। फिल्म के आखिर में एक धमाकेदार डांस सीक्वेंस होगा, जिसमें ये दोनों नज़र आएंगे। डेविड धवन के निर्देशन में 16 अप्रैल को शूट किया गया यह ज़बरदस्त सीन फिल्म को एक मज़ेदार और यादगार विदाई देगा। यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य किरदारों में हैं। वहीं, कृति सैनन इस पोस्ट-क्रेडिट सीक्वेंस में एक कैमियो करती दिखेंगी। यह स्पेशल डांस नंबर फिल्म के युवा अंदाज़ को दर्शाता है और इसमें सैनन-धवन की शानदार केमिस्ट्री भी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, वरुण और मृणाल पर फिल्माया गया गाना 'विवाह करवाडो जी' भी ऑनलाइन काफी पॉपुलर हो रहा है।

टीवी मसाला

खतरों के खिलाड़ी-15 में शहनाज तान्या व गौरव समेत कई सेलिब्रिटी लेंगे रिस्क

एजेंसी ⏭ मुंबई

मुंबई। रियलिटी टीवी शो खतरों के खिलाड़ी के 14 सीजन लाइव हो चुके हैं। वहीं फैंस अब इसके 15वें सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसको लेकर काफी समय से चर्चा भी हो रही है। हालांकि अब खतरों के खिलाड़ी 15 जल्दी ही रिलीज होने वाला है। इसके लिए पहले मेकर्स ने प्रोमो भी जारी किया था। हालांकि ये प्रोमो एआई पर आधारित था। इस प्रोमो में कंटेस्टेंट्स का चेहरा नहीं दिखाया गया था। वहीं अब खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 के कंटेस्टेंट्स की जानकारी सामने आई है।

नजर आएंगे दिग्गज एक्टर्स

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो इस बार दर्शकों को अपने कुछ बेहतरीन और पसंदीदा एक्टर्स देखने को मिल सकते हैं। खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में बिग बॉस 13 में अपनी बातों, अदाओं और टैलेंट से दिलों पर राज करने वाली शहनाज गिल नजर आने वाली हैं। इसके साथ ही बिग बॉस 17 फेम समर्थ जुरेल और बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना और बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल भी इस सीजन में नजर आने वाली हैं। इतना ही नहीं खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में मशहूर कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान के पति शिरीष कुंदर भी नजर आ सकते हैं।

कब शुरू होगा खतरों के खिलाड़ी 15?

सोशल मीडिया पर जानकारी मिली है कि खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की शूटिंग मई में शुरू होने वाली है। वहीं शो जून या जुलाई में आने की उम्मीद है। हालांकि मेकर्स ने अब तक इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। वहीं अब धीरे-धीरे मेकर्स सभी कंटेस्टेंट्स के फेस रिवील कर सकते हैं।

उधार की कलम से सिगरेट के फॉयल पर लिखा गाना हो गया अमर

मुंबई। सुरों की कोकिला कही जाने वाली लता मंगेशकर ने एक ऐसा गाना गाया, जो अमर बन गया। आज भी जब ये गाना बजता है तो लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं लेकिन इसे लिखे जाने के पीछे की कहानी कुछ ऐसी है कि आप जानकर चौंक जाएंगे। चलिए जानते हैं कि इस गीत को कैसे लिखा गया।

कौन सा है गाना?

हम जिस गाने की बात कर रहे हैं। उसके बोल हैं 'ऐ मेरे वतन के लोगों'। इसमें आवाज दी थी लता मंगेशकर ने और इसके बोल लिखे थे कवि प्रदीप ने। इसके अलावा इसे सी.रामचंद्र द्वारा संगीतबद्ध किया गया था। इस गाने को पहली बार 27 जनवरी 1963 को दिल्ली के नेशनल स्टेडियम में लता मंगेशकर द्वारा पहली बार लाइव गाया गया था। यह गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध के शहीदों को समर्पित था।

कैसे लिखा गया गाना?

यह गाना कवि प्रदीप द्वारा लिखा गया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि साल 1962 के दौरान भारत चीन से युद्ध हार गया था। सभी देशवासियों और सैनिकों का मनोबल कम हो रहा था। उसी वक्त गीतकार-कवि प्रदीप मुंबई में शाम को समुद्र किनारे टहल रहे थे। तभी उनके दिमाग में एक गाना आया, जिसे लिखने के लिए उनके पास कलम नहीं था और कागज भी नहीं था। तभी उन्होंने एक आदमी से उधार की कलम ली और अपने जेब से सिगरेट का डिब्बा निकाला। फिर उसके फॉयल पर गाना लिख दिया। वह गाना कोई और नहीं, बल्कि 'ऐ मेरे वतन के लोगों' रहा।

बॉक्स ऑफिस पर होगा सीक्वल और फ्रैंचाइजी का बोलबाला, धाक जमाने आएंगी ये फिल्में...

मुंबई। साल 2026 फिल्म फ्रैंचाइजी और लंबे समय से प्रतीक्षित सीक्वल के लिए सौगात बनकर आया है। आने वाले महीनों में कई फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं जो न सिर्फ अपनी पहली किस्त को आगे बढ़ाएंगी, बल्कि कुछ नए किरदारों का दर्शकों से सामना भी कराएंगी। इस सूची में अजय देवगन से लेकर शाहिद कपूर तक की बहुप्रतीक्षित सीक्वल फिल्में शामिल हैं। चलिए इन फिल्मों और इनकी रिलीज तारीख के बारे में जानते हैं।

'दृश्यम 3': अजय अपनी 2 अक्टूबर की परंपरा को कायम रखते हुए 'दृश्यम' फ्रैंचाइजी की तीसरी कड़ी के साथ लौटेंगे। इसका पहला भाग 2015 में और दूसरा भाग 2022 में रिलीज किया गया था। अक्टूबर, 2026 में विजय सलगांवकर (अजय) अपने परिवार को पुलिस की नजरों से बचाने के लिए आ रहे हैं। उनके साथ तब्बू, श्रिया सरन और इशिता दत्त जैसे सितारे अपने किरदारों में वापसी करेंगे। इस भाग को परिवार के अस्तित्व की कहानी का अंत माना जा रहा है।

'कॉकटेल 2' और 'खोसला का घोसला 2': शाहिद, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन अभिनीत 'कॉकटेल 2' 19 जून, 2026 को रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। यह 2012 में रिलीज

'कॉकटेल' की दूसरी कड़ी है, जिसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी जैसे सितारे थे। 'खोसला का घोसला' की टोली भी दूसरी कड़ी लेकर लौट रही है। फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी के साथ पुराने सभी चेहरे फिर से दिखेंगे। यह फिल्म 28 अगस्त, 2026 को रिलीज होगी।

'आवारापन 2' और 'धमाल 4': इमरान हाशमी अपनी सुपरहिट फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग लगभग खत्म होने की कगार पर है। इसमें अभिनेता के साथ दिशा पाटनी नजर आएंगी। नितिन ककक्ड़ द्वारा निर्देशित यह फिल्म अगस्त, 2026 में सिनेमाघरों में आ सकती है। इसके अलावा, 'धमाल' फ्रैंचाइजी की टोली भी इस साल जुलाई में लौटने को तैयार है। अजय, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी समेत अन्य सितारे इस फिल्म का फिर से हिस्सा हैं।

बॉलीवुड में 2026 की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया

'भूत बंगला' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर गाड़े झंडे

मुंबई। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी ने 14 साल बाद पर्दे पर वापसी करते हुए बॉक्स ऑफिस पर शानदार वापसी की है। फिल्म 'भूत बंगला' ने अपने पहले ही दिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया है। फिल्म की इस शुरुआत ने इस साल रिलीज हुईं कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। लंबे इंतजार के बाद अक्षय अपनी पसंदीदा शैली हॉरर-कॉमेडी में वापस लौटे हैं। आइए जानें उनकी इस फिल्म ने पहले दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं।

पहले दिन फिल्म ने की इतनी कमाई

अक्षय की 'भूत बंगला' पहले दिन रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' या सनी देओल की 'बॉर्डर 2' को टक्कर नहीं दे पाई। हालांकि, इसने शाहिद कपूर की ओ'रोमियो से लेकर रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3', वीर दास की 'हैप्पी पटेल' और 'अस्सी' जैसी 2026 में रिलीज हुई अन्य फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है और बॉलीवुड में 2026 की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 15.75 करोड़ रुपये कमाए हैं।

आसपास भी नहीं टिक पाईं ये फिल्में

अक्षय ने 'ओ'रोमियो' (9.01 करोड़) और श्रीराम राघवन की बहुचर्चित 'इक्कीस' (7.28 करोड़) जैसी फिल्मों को बड़े अंतर से पछाड़ दिया है। रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' भी भूत बंगले के सामने टिक नहीं पाई और महज 4 करोड़ पर सिमट गई। 'दो दीवाने शहर में', 'हैप्पी पटेल', 'अस्सी' और 'राहु केतु' जैसी फिल्में 1-1.25 करोड़ के बीच संघर्ष करती रहीं। अक्षय के 'भूतिया' जादू के आगे इन फिल्मों की चमक फीकी पड़ गई।

एडवांस बुकिंग और पेड प्रीव्यू में भी 'भूत बंगला' का जलवा

'भूत बंगला' ने घरेलू एडवांस बुकिंग के जरिए ही 3.32 करोड़ का कारोबार कर लिया था, जिसने फिल्म की मजबूत ओपनिंग के संकेत दे दिए थे। फिल्म के लिए आयोजित किए गए पेड प्रीव्यू को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिससे फिल्म की झोली में 3.50 करोड़ और आ गिरे। यही कारण है कि फिल्म की पहले दिन की कुल कमाई बढ़िया नजर आ रहा है। फिल्म वीकेंड पर भी बड़े रिकॉर्ड बना सकती है।

फिल्म में अक्षय ने जीते दिल

इस फिल्म में अक्षय के साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। दर्शकों के लिए भावुक पल तब आता है, जब वे पर्दे पर दिवंगत अभिनेता असरानी को देखते हैं। मिथिला पारकर और जीशु सेनगुप्ता भी अपने-अपने किरदार में जंचे हैं। हालांकि, इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी अक्षय कुमार की कॉमिक टाइमिंग और डबल रोल है। उनका गेटअप इतना अलग है कि दर्शक देखते रह जाते हैं।

बंगाल चुनाव में भाजपा ने शुरू किया आक्रामक प्रचार, 3 सीएम ने साधा टीएमसी पर निशाना

दिनकर की कविता पढ़कर सीएम योगी ने टीएमसी को ललकारा, 'ममता दीदी सिंहासन खाली करो भाजपा आती है', घुसपैठियों से मुक्ति दिलाकर रहेंगे

बंगाल में विधानसभा चुनाव चरम पर पहुंच गया है। टीएमसी सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, तो भाजपा राज्य में सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ जोरदार अभियान चला रही है। भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के कई बड़े नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री बंगाल में लगातार रैलियां कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव, हिमंत बिस्वा सरमा और योगी आदित्यनाथ ने चुनावी मैदान में उतरकर प्रचार किया।

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एंट्री ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। कूचबिहार के माथाभांगा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मां का सपना तभी साकार होगा, जब बंगाल की पवित्र धरती को घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्ति मिलेगी। टीएमसी सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे राज्य की आंतरिक सुरक्षा और डेमोग्राफी खतरे में पड़ गई है। उन्होंने दिनकर की कविता 'सिंहासन खाली कर कि बीजेपी आती है' भी पढ़ा।

टीएमसी सरकार ने घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी बदली

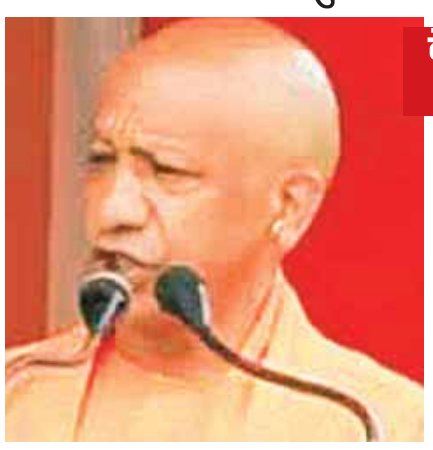

देश की बहनें विपक्ष को कभी माफ नहीं करेंगी

योगी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल में 'आधी आबादी' को मिलने वाले अधिकारों के बारे में जो ज़रूरी बदलाव किए गए थे, जिसमें कांग्रेस, टीएमसी, सपा और लेफ्ट पार्टियों ने रुकावटें डालीं और उसे दबाने की कोशिश की, उन्होंने उसे पास नहीं होने दिया। उन्होंने आधी आबादी का अपमान किया है और उनके अधिकारों पर डकैती डालने का काम किया है। देश की बहनें इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं कर सकतीं।

तमिलनाडु में बिल पर बोले राहुल

हमने 'उन्हें' हरा दिया, चुपके से परिसीमन बदलना चाहती थी सरकार

तिरुवल्लुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोंनेरी में एक जनसभा में परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि यह कदम तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की एक छिपी हुई रणनीति का हिस्सा है। तिरुवल्लुर में रैली में राहुल ने कहा कि संसद में लाया गया हालिया विधेयक भले ही महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि हमने इसे संसद में हराया।

भाजपा कर रही तमिल पहचान पर हमला

राहुल ने अआरएसएस और भाजपा पर तमिलनाडु की भाषा, संस्कृति और पहचान को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु में पैदा नहीं हुआ, लेकिन यहां के लोगों से मेरा गहरा रिश्ता है। तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करना अस्वीकार्य है। यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

राजस्थान के सीएम भजनलाल भी उतरे

मां काली की पूजा के बाद किया प्रचार मारवाड़ी वोट बैंक साधने लगाया जोर

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने बंगाल में प्रचार की शुरुआत आस्था के साथ की। प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में मां काली के दर्शन किए। पूजा-अर्चना कर शांति, समृद्धि तथा भाजपा की विजय के लिए प्रार्थना की। इस दौरान माडवाडी वोट बैंक साधने पर जोर लगाया।

सीएम सरमा ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया कांग्रेस और टीएमसी खत्म हो जाएगी

असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि ममता बेनर्जी बिना कारण एसआईआर का विरोध कर रही हैं। एसआईआर में लोगों के नाम जोड़े जाएंगे और बांग्लादेशी मुस्लमानों के नाम हटाए जाएंगे। विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया, इसे लेकर कांग्रेस -टीएमसी खत्म हो जाएगी।

महिला आरक्षण पर बोलीं ममता

भाजपा का पतन शुरू हो गया, अब धड़ाम हो रही

हावड़ा। महिला आरक्षण बिल के गिरने के बाद बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने

प्रधानमंत्री पर बिना नाम लिए जोरदार हमला बोला है। मोदी सरकार बहुमत के बिना सिर्फ दूसरों के सहारे टिकी है। यह बिल संसद में पास नहीं हो सका। विपक्ष ने इसे गिरा दिया।

हावड़ा के उलुबेरिया में चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा कि 'कल से पतन शुरू हो गया है, तभी तो बाबू को राष्ट्र के नाम संबोधन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बहुमत नहीं है। 2 के सहारे बैठी है। ममता ने यह भी कहा कि उन्होंने बंगाल चुनाव के दौरान अपने सांसदों को दिल्ली भेजा था भाजपा को हराने के लिए। उन्होंने कहा कि भाजपा 'धड़ाम धड़ाम' हो रही है।

हाई कोर्ट ने सहायक प्रोफेसरों की नियुक्त की रद्द

कोलकाता। बंगाल में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान है। इसी बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की एक फैसले को रद्द कर दिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव के लिए कुछ सहायक

प्रोफेसरों को पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का फैसला लिया था। बंगाल सरकारी कॉलेज शिक्षक संघ से संबंधित याचिकाकर्ताओं ने विधानसभा चुनावों के लिए मतदान केंद्रों में पीठासीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति को चुनौती देते आवेदन दायर किया था।

चुनाव आयोग की कार्रवाई

टीएमसी का प्रचार करने वाले 3 बीएलओ सस्पेंड, एफआईआर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बंगाल

विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी ड्यूटी में लगे 3बूथ-स्तरीय अधिकारियों को निलंबित करने की घोषणा की। ईसीआई ने राज्य प्रशासन को संबंधित पांचों बीएलओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश भी दिया। आयोग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। इनमें तपन कुमार साहा, अविजित डे, और कुमारजीत दत्ता शामिल हैं।

खबर संक्षेप

निशांत कुमार को मिली जेड सिक्योरिटी सुरक्षा

पटना। बिहार के सियासी गलियारे से बड़ी खबर है। पूर्व मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को जेड श्रेणी की सिक्योरिटी मिली है, जबकि विजय सिन्हा की सुरक्षा को घटाकर जेड किया है। श्रवण कुमार को वाई प्लस विद एस्कॉर्ट स्तर की सुरक्षा मिली। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद नीतीश कुमार ज्यादा पावरफुल हो गए हैं।

10वीं तक मराठी नहीं पढ़ाई तो होगी कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10वीं

तक मराठी भाषा को अनिवार्य की गई है। जो स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। 2020-21 से राज्य के सभी स्कूलों में मराठी एक अनिवार्य विषय है।

पकड़ा गया नोएडा प्रोटेस्ट हिंसा का मास्टरमाइंड

नोएडा। वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन मामले में उत्तर प्रदेश की एसटीएफ

को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद को दबोच लिया है। उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। जांच में कई खुलासे हुए है। हिंसा फैलाने के लिए 80 से अधिक वॉट्सएप ग्रुप बनाकर सुनियोजित तैयारी थी।

सीएम चौधरी 24 को पेश करेंगे विश्वास मत

पटना। बिहार में नवनियुक्त सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित

एनडीए की नई सरकार के विश्वास मत पेश करने की तारीख आ गई है। बिहार विधानसभा के एक दिनी विशेष सत्र की तिथि का ऐलान हो गया है। विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी। यह विशेष सत्र 24 अप्रैल को बुलाया है। वे विश्वास मत हासिल करेंगे।

महिला आरक्षण को लेकर भाजपा पूरे गठबंधन पर हमलावर

क्या महिलाएं इस्तेमाल का विषय हैं, प्रियंका कौन सी भाषा बोल रहीं? कांग्रेस को महिलाओं-संसद पर भरोसा ही नहीं

भाजपा सांसदों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कांग्रेस के मंच से उनकी महिला सांसद की तरफ से कहा गया कि महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या महिलाएं इस्तेमाल का विषय हैं? यह कैसी भाषा है?महिला रिजर्वेशन बिल पर सरकार को घेरने वाली सांसद प्रियंका गांधी पर अब रविशंकर ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने महिला कोई सामान हैं क्या? प्रियंका की ये भाषा ही गलत है। सामान्यतः प्रियंका गांधी पर मैं कुछ नहीं बोलता हूं,लेकिन आज पहली बार टिप्पणी कर रहा हूं। उसे कोई इस्तेमाल का विषय बताया जा रहा है। इसी सोच का नतीजा था कि यूपीए के समय बिल को फाड़ा गया था। कांग्रेस को न महिला पर भरोसा है और न संसद पर भरोसा है। पीड़ा की बात ये है कि दक्षिण भारत के लोग भी उनके झांसे में आए जो ठीक नहीं है।

रविशंकर और ईरानी ने विशेषकर प्रियंका से किए सवाल

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कांग्रेस के मंच से उनकी महिला सांसद की तरफ से कहा गया कि महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या महिलाएं इस्तेमाल का विषय हैं? यह कैसी भाषा है?महिला रिजर्वेशन बिल पर सरकार को घेरने वाली सांसद प्रियंका गांधी पर अब रविशंकर ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने महिला कोई सामान हैं क्या? प्रियंका की ये भाषा ही गलत है। सामान्यतः प्रियंका गांधी पर मैं कुछ नहीं बोलता हूं,लेकिन आज पहली बार टिप्पणी कर रहा हूं। उसे कोई इस्तेमाल का विषय बताया जा रहा है। इसी सोच का नतीजा था कि यूपीए के समय बिल को फाड़ा गया था। कांग्रेस को न महिला पर भरोसा है और न संसद पर भरोसा है। पीड़ा की बात ये है कि दक्षिण भारत के लोग भी उनके झांसे में आए जो ठीक नहीं है।

महिलाओं के विषय में वे क्या बोल रहीं समझ रहीं

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कांग्रेस के मंच से उनकी महिला सांसद की तरफ से कहा गया कि महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या महिलाएं इस्तेमाल का विषय हैं? यह कैसी भाषा है?

सीटों का पुनर्गठन परिसीमन के बिना नहीं हो सकता

रविशंकर कहा कि विपक्ष ने महिला आरक्षण बिल गिराने के बाद जश्न मनाया। कांग्रेस को संविधान में विश्वास नहीं है। कांग्रेस की मंशा सिर्फ दिखावे की है। कांग्रेस ने महिलाओं का हक छीना। कांग्रेस का क्रूर चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि बिल गिरने से देश की महिलाओं को नुकसान है। जिस देश की नारी दुर्गा, काली, सरस्वती और मां है, उसे इस्तेमाल की वस्तु बताया जा रहा है। इसी सोच के कारण यूपीए के समय बिलों कों फाड़ा गया। कांग्रेस जानबूझकर नहीं समझने का नाटक भी करती है। विधानसभा या लोकसभा की सीटों का पुनर्गठन परिसीमन के बिना नहीं हो सकता। परिसीमन जनसंख्या के आधार पर होता है।

रिजिजू ने सिक्किम का वीडियो शेयर किया

आरक्षण बिल पर समर्थन देखिए

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए सिक्किम से एक विरोध प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और इसे 'कड़ी चेतावनी' बताया। वीडियो को शेयर करते हुए रिजिजू ने लिखा कि कांग्रेस के लिए कड़ी चेतावनी। एक छोटे राज्य सिक्किम से संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के लिए कितना जबरदस्त समर्थन मिल रहा है?

विपक्ष ने देश की महिलाओं से किया विश्वासघात

राहुल के घर के बाहर भाजपा का जोरदार प्रदर्शन, पुतला भी जलाया

दिल्ली में राहुल गांधी के घर के बाहर शनिवार को भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह महिला आरक्षण बिल को सपोर्ट नहीं करने को लेकर किया जा रहा है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व खुद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेका गुप्ता और वीरेंदर सचदेवा ने किया। उनके साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री को पत्र लिखेगा विपक्ष

पुराने महिला आरक्षण बिल को लागू करने की करेगा मांग

विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखने की तैयारी में हैं। इस में पुराने महिला आरक्षण बिल को लागू करने की मांग की जाएगी। इसको लेकर इंडिया गठबंधन के दल देशभर में मीडिया वार्ता भी करेंगे।

प्रियंका गांधी बोलीं

महिलाओं का मसीहा बनना आसान नहीं

विधेयक पारित न होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ, वह लोकतंत्र और

संविधान की बड़ी जीत है। सरकार संघीय ढांचे को कमजोर और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही थी। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संविधान और देश की जीत है, बल्कि विपक्ष की एकजुटता की भी जीत है, जो सत्ताधारी दल के नेताओं के चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी।

सोमवार को संसद बुलाइए, पुराना बिल लाइए, समर्थन करेंगे

प्रियंका गांधी ने सरकार को चुनौती दी है। प्रियंका ने कहा कि सरकार सोमवार को वह बिल लेकर आए, जिसे 2023 में सभी दलों ने समर्थन दिया था। सोमवार को ही संसद बुलाई जाए, हम सभी इसको समर्थन देंगे।

पार्टी महिलाओं के आरक्षण के खिलाफ नहीं: शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के आरक्षण के खिलाफ नहीं है और वह इसे तुरंत लागू करने के पक्ष में है। लेकिन उनका आरोप है कि सरकार ने इसे परिसीमन के मुद्दे से जोड़कर जटिल बना दिया है।

स्मृति ने भी किया पलटवार

कांग्रेस की यह चाल महिलाएं याद रखेंगी

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि महिलाओं के अधिकार न देकर कांग्रेस ने जश्न मनाया। हर दर्द महिलाएं याद रखेंगी। कांग्रेस और उसके समर्थक दलों ने इस बात का उत्सव मना रहे हैं कि जो महिलाएं 33 फीसदी का आरक्षण मांग रही थीं, उन्हें अधिकार से वंचित रखा गया।

कांग्रेस का क्रूर चेहरा देश के सामने उजागर

महिलाएं याद रखेंगी कि 25 करोड़ महिलाओं को बैंक का खाता खोलने में कांग्रेस सरकार से कोई मदद नहीं मिली। 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को कांग्रेस ने आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं नहीं दी। 33 फीसदी आरक्षण का विधेयक एनडीए की सरकार में आया। कांग्रेस का क्रूर चेहरा सामने है।

हिमाचल में नया फैसला

सीएम, स्पीकर, मंत्री और विधायकों के वेतन कटेंगे

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा स्पीकर

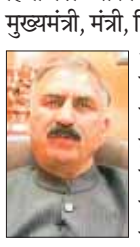

और विधायकों के वेतन में कटौती करने का फैसला लागू हो गया है। सुक्खू सरकार ने वेतन कटौती के फैसले को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। सीएम के मासिक वेतन में 50 प्रतिशत, मंत्रियों के 30 और विधायकों के वेतन में 20 फीसदी की कटौती का ऐलान किया गया था।

सीएम का 50, मंत्रियों का 30 फीसदी कटेगा

प्रदेश की गंभीर आर्थिक स्थिति को देखते हुए सीएम के वेतन का 50, मंत्रियों के वेतन का 30 और विधायकों के वेतन का 30 प्रतिशत अस्थाई रूप से रोकने का फैसला किया था। आगामी 6 महीनों के लिए पूरा वेतन देने पर रोक लगाई गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा था कि पिछली सरकारों के समय वेतन और पेंशन से जुड़ी देनदारियां बढ़कर करीब 13,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थीं।

कैबिनेट ने 3 बड़ी परियोजनाओं को दी मंजूरी

पीएमजीएसवाई-3 मार्च 2028 तक बढ़ी, 83,977 करोड़ स्वीकृत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-3) के तीसरे चरण को मार्च 2025 के बाद बढ़ाकर अब मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए संशोधित बजट 83,977 करोड़ तय किया गया है। इसके तहत ग्रामीण इलाकों में मुख्य सड़कों और जरूरी संपर्क मार्गों को मजबूत किया जाएगा।गांवों को ग्रामीण कृषि बाजार (ग्राम), उच्च माध्यमिक स्कूलों और अस्पतालों से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। इससे ग्रामीण सड़कों के उन्नयन का काम पूरा हो सकेगा और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे व्यापार को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इससे परिवहन समय और लागत कम होगी।

ग्रामीण इलाकों में मुख्य सड़कों और जरूरी संपर्क मार्ग होंगे मजबूत

161 पुलों को भी बनाया जाएगा

इसके अलावा, लंबी दूरी के पुल भी योजना में शामिल किए गए हैं। ऐसे 161 पुलों को मंजूरी दी जाएगी, जिनकी अनुमानित लागत 961 करोड़ रुपए है। इन्हें पहले से स्वीकृत सड़कों के साथ जोड़ा जाएगा।सरकार का कहना है कि इस योजना के विस्तार से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सड़क निर्माण के जरिए सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण व्यवसाय और सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश को दी सौगात

24,815 करोड़ के 2 अहम रेलवे प्रोजेक्ट्स भी मंजूर

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के लिए 24,815 करोड़ की लागत वाली रेलवे के दो बड़े मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी। इनके तहत दोनों राज्यों के 15 जिलों में रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

भारतीय जहाजों की सुरक्षा के लिए 12,980 करोड़

'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल' प्रस्ताव को दी मंजूरी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के बीच सरकार ने भारतीय जहाजों और समुद्री व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बैठक में 12,980 करोड़ रुकी सरकारी गारंटी के साथ एक घरेलू बीमा पूल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

'फिजिक्सवाला' छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिलाई। फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने (सीबीएसई) कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिज़िक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने भिलाई में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। शहर के उन पीडब्ल्यू छात्रों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में कुशाग्र गुप्ता (97.80 प्रति.) और आशुतोष दुबे (97.40 प्रति.) जैसे कई नाम शामिल थे।

अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा, "नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की।" अमोलिक पंडिता ने बताया, "नियमित रिविजन और मॉक टेस्ट हल करना मेरे लिए 100 प्रति. अंक लाने में बहुत सहायक रहा।" आयुष्मान महापात्रा ने कहा, "अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा।"

परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलख पांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, "हम परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हैं। विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने पूर्ण अंक हासिल किए। ये परिणाम निरंतर प्रयास और सही शैक्षणिक सहयोग प्रणाली को दर्शाते हैं।" इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

रिलायंस डिजिटल ने की अक्षय तृतीया से पहले 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' की घोषणा

मुंबई। रिलायंस डिजिटल, यह इंडिया का सबसे बड़ा कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, जिसने अपने लंबे समय से इंतजार की जा रही 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' कैम्पेन के फिर से आने की घोषणा की है। इससे लेटेस्ट टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना अब पहले से कहीं ज़्यादा आसान ही नहीं बल्कि फायदेमंद भी हो जाएगा।

इस कैम्पेन के अंतर्गत, ग्राहक लीडिंग बैंक के कार्ड्स पर रू. 26,000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं या पेपर फाइनान्स पर रू. 30,000 तक कैशबैक का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल सेकंड प्रोडक्ट पर दे रहा है फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट*, जिससे ऑडियो डिवाइस, वेयरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप एक्सेसरीज़, चुनिंदा होम एंटरटेनमेंट और छोटे अप्लायंसेज़ जैसी कैटेगरी में कई चीज़ें खरीदने को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले ब्रांड्स में मार्शल, जेबीएल, बोट और वनप्लस शामिल हैं, जो लोकप्रिय कंज़्यूमर टेक इकोसिस्टम पर कंपनी के मजबूत फोकस को दर्शाता है। सांकेतिक कीमतें इस ऑफर को और भी आकर्षक बनाती हैं। ब्लूटूथ स्पीकर, नेकबैंड और वायरलेस हेडफोन जैसे प्रोडक्ट्स अपनी लिस्टेड कीमत से लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध हैं: उदाहरण के लिए, लगभग रू.1,699 की कीमत वाले चुनिंदा स्पीकर लगभग रू. 850 में मिल जाएंगे, जबकि रू. 9,999 की रेंज वाले प्रीमियम हेडफोन, सेकंड-आइटम लाभ के अंतर्गत लगभग रू.5,000 मंल मिल सकते हैं। रोज़मर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली ज़रूरी चीज़ें जैसे वायरलेस माउस, लैपटॉप एक्सेसरीज़, पावर बैंक और सैंडविच मेकर जैसे छोटे किचन अप्लायंसेज़ भी इस स्कीम का हिस्सा हैं, जो आपको रू.300 से रू.750 की रेंज में आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। इस ऑफर के ज़रिए बहुत कुछ आपकी सोच से परे देने की उम्मीद से, इस कैम्पेन को '**CrazyUnbelievable Deals**' के विचार के साथ लॉन्च किया गया है। खरीदारी के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिए, रिलायंस डिजिटल ने अपनी सर्विस आर्म रिलायंस रेस्क्यू के ज़रिए आपको वर्ल्ड-क्लास आफ्टर-सेल्स सर्विस देना जारी रखा है, यह सबसे जल्दी इंस्टॉलेशन, आफ्टर-सेल्स सपोर्ट और मेंटेनेंस सॉल्यूशन देता है, जिससे प्रोडक्ट की लंबी उम्र और सर्विस की विश्वसनीयता को लेकर ग्राहकों की चिंताएं दूर होती हैं।

एक बार कार या प्लेन खरीदा तो 100 साल देंगे सफर का मजा

वॉशिंगटन। इंजीनियरों की एक टीम ने कमाल कर डाला है। उन्होंने एक ऐसी चीज बना डाली है, जो खुद ही अपना इलाज कर लेती है। अमेरिका के इंजीनियरों की इस टीम ने ऐसा फाइबर कंपोजिट बनाया है, जिसमें गजब की हीलिंग क्षमता है। इससे कलपुर्जों के किसी भी क्षतिग्रस्त हिस्से की 1,000 से ज्यादा बार खुद ही मरम्मत हो सकेगी। खास बात यह है कि इस अजूबा चीज से कारों, विमानों, अंतरिक्ष यानों या विंड टर्बाइंस की उम्र 100 साल से ज्यादा बढ़ जाएगी।

■ इंजीनियरों ने कलपुर्जों को ही बना दिया अजूबा

कलपुर्जों की खराबी को ठीक करते हैं हीलिंग कंपोजिट्स

इस रिसर्च के प्रमुख लेखक जैक त्यूरीसेक कहते हैं कि ये कंपोजिट्स परंपरागत से ज्यादा जटिल होते हैं। ये टूट-फूट से बचाते हैं और ये बार-बार उस कलपुर्जे में हो रही टूट-फूट को ठीक करते रहते हैं। यही इनकी खूबी है। इस हीलिंग प्रॉसेस में थ्रीडी का इस्तेमाल होता है और थर्मोप्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। यही थर्मोप्लास्टिक हीलिंग एजेंट जो टूटी हुई दरारों और कलपुर्जों के क्षतिग्रस्त हिस्सों को भरती रहती है।

90 साल ये जादुई चीज दे रही थी बड़ी चुनौती : इस रिसर्च के एक और लेखक और अमेरिका की नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी में सिविल एंड एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग प्रोफेसर जैसन पैट्रिक के अनुसार, डिलैमिनेशन 1930 के दशक से ही **FRP** कंपोजिट्स के लिए बड़ी चुनौती रहा है। यह नया मैटीरियल एक मानक है, जिसे 1,000 बार लगातार 40 दिनों तक मरम्मत या भरपाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह रिसर्च 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित हुआ है।

पर्यावरण सुरक्षित रखने के लिए बेहद अहम

यह तकनीक पर्यावरण के लिए बेहद अहम है, क्योंकि मौजूदा वक्त में स्वच्छ ऊर्जा और कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीकें हल्की कंपोजिट्स पर टिकी होती हैं। ये मरम्मत और रीसाइकिल में काम आती हैं। ऐसे में यह नई खोज बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इसके पीछे वजह ये है कि इस मैटीरियल्स की वजह से किसी भी चीज को कम से कम बनाने, लाने-ले जाने में आसानी होगी और औद्योगिक कचरा भी कम बनेगा।ये फाइबर कंपोजिट्स परंपरागत से ज्यादा जटिल होते हैं। ये विमानों या कारों में लगने वाले कलपुर्जों को टूट-फूट से बचाते हैं और ये बार-बार कलपुर्जों में हो रही टूट-फूट को ठीक करते रहते हैं। ये खुद ही मैकेनिक बन जाते हैं।

मेदांता का एडवांस्ड ट्रांसप्लांट तकनीक फेफड़ों की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को देता है नई उम्मीद

गुरूग्राम। सुनीता देवी, जो एक गृहिणी थीं, अपने परिवार के लिए खाना बनाना बहुत पसंद करती थीं। वह अक्सर रसोई में ही नज़र आती थीं — कभी दाल में झाँककर यह देखतीं कि वह पकी है या नहीं, कभी लाल मिर्च का तड़का लगाने के लिए बिल्कुल सही समय का इंतज़ार करतीं, तो कभी भरता बनाने के लिए अपने चूल्हे पर बैंगन को बड़े सब्र से भूनतीं।

एक दिन सुनीता को ऐसी खांसी हो गई जो ठीक नहीं हो रही थी। सुनीता ने हर तरह की दवा आजमाई — खांसी की दवा, अदरक की चाय, काढ़ा — लेकिन किसी से भी आराम नहीं मिला। कुछ कदम चलने पर भी उसकी सांस फूलने लगती थी और बात करना भी थका देने वाला हो गया था। आखिरकार, उसके परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए और कुछ जांचों के बाद डॉक्टर ने गंभीर स्थिति की पुष्टि की — सुनीता को क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD) थी, और उन्होंने फेफड़े के प्रत्यारोपण की सलाह दी, जिसमें क्षतिग्रस्त फेफड़े को स्वस्थ फेफड़े से बदल दिया जाता है।

मेदांता – द मेडिसिटी, जिसे न्यूज़वीक ने 2026 में भारत का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल बताया था, में एक नवीनतम इंस्टिट्यूट ऑफ़ लंग ट्रांसप्लांटेशन है, जिसमें चेस्ट सर्जनों की एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम है। मेदांता के इंस्टिट्यूट ऑफ़ चेस्ट सर्जरी के चेयरमैन डॉ. अरविंद कुमार की नेतृत्व में, टीम एक मल्टीमॉडल अप्रोच अपनाती है जो मरीज़ को शुरुआती असेसमेंट से लेकर पोस्ट-ट्रांसप्लांट ट्रीटमेंट और रिहैबिलिटेशन तक पूरी देखभाल देती है।

फेफड़ों का ट्रांसप्लांट अक्सर उन लोगों के लिए आखिरी विकल्प होता है जो फेफड़ों की आखिरी स्टेज की बीमारियों, जैसे कि बहुत गंभीर I.L.D. (इंटरस्टीशियल लंग डिजीज), COPD, सिस्टिक फाइब्रोसिस, या पल्मोनरी आर्टेरियल हाइपरटेंशन से पीड़ित होते हैं — ये वे मरीज़ होते हैं जिनके फेफड़े अब सामान्य जीवन जीने में मदद नहीं कर पाते।

मेदांता के इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट सर्जरी के चेयरमैन डॉ. अरविंद कुमार ने कहा, "फेफड़ों की आखिरी स्टेज की बीमारी एक ऐसी मेडिकल स्थिति है जिसमें व्यक्ति के फेफड़े इस हद तक खराब हो जाते हैं कि वे शरीर में ऑक्सीजन का सामान्य स्तर बनाए नहीं रख पाते। इसका मतलब है कि फेफड़े अपने काम करने की आखिरी स्टेज पर पहुँच चुके होते हैं और अब उनका कोई मेडिकल इलाज या उपाय उपलब्ध नहीं होता। ठीक इसी स्थिति में फेफड़ों का ट्रांसप्लांट ही आज के समय में उपलब्ध एकमात्र विकल्प बन जाता है।"

फेफड़ों के ट्रांसप्लांट तीन तरह के होते हैं — सिंगल लंग ट्रांसप्लांट, जिसमें मरीज़ के शरीर से सिर्फ़ एक खराब फेफड़ा निकालकर उसकी जगह किसी डोनर का फेफड़ा लगा दिया जाता है; डबल लंग ट्रांसप्लांट, जिसमें मरीज़ के दोनों फेफड़े बदल दिए जाते हैं; और तीसरा, हार्ट-लंग ट्रांसप्लांट, जिसमें मरीज़ का दिल और दोनों फेफड़े निकालकर उनकी जगह किसी डोनर का दिल और फेफड़ों का जोड़ा लगा दिया जाता है।

एक बार नया लंग ट्रांसप्लांट हो जाने के बाद, शरीर करीबी मेडिकल देखरेख में एडजस्ट होने लगता है। हालांकि, ठीक होने में समय और सब्र लगता है — मरीज़ों को कुछ हफ़्तों तक हॉस्पिटल में रहना पड़ सकता है और उन्हें रेगुलर फ़ॉलो-अप चेक-अप की ज़रूरत होगी।

किसी भी बड़ी सर्जरी की तरह, लंग ट्रांसप्लांट में भी रिस्क होते हैं। सबसे गंभीर है ऑर्गन रिजेक्शन — मरीज़ों को अपनी बाकी ज़िंदगी इम्यूनोसप्रेसेंट नाम की दवाएँ लेनी पड़ती हैं ताकि उनका शरीर नए लंग को रिजेक्ट न करे। हालांकि, ये दवाएँ शरीर को इंफेक्शन के प्रति ज़्यादा संवेदनशील भी बनाती हैं, इसलिए ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत होती है।

फोन नहीं उठाने की मामूली बात पर युवक ने की गर्लफ्रेंड की हत्या

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में एक बीएड छात्रा की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में छात्रा के सहपाठी आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। मृतका की पहचान यूनेश्वरी वर्मा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से खैरागढ़ जिले की निवासी थी। यूनेश्वरी दुर्ग के बीएम कॉलेज में बीएड की पढ़ाई कर रही थी। वह पिछले दो वर्षों से दुर्ग में किराए के मकान में रह रही थी। आरोपी युवक कार्तिक राम साहू (27 वर्ष) बालोद जिले का रहने वाला है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

महिला ने पति से विवाद के बाद बालकनी से उड़ाए डेढ़ करोड़ रुपए

बीजिंग। पति और पत्नी में मनमुटाव होना आम बात है।। लेकिन एक महिला ने पति से विवाद के बाद कुछ ऐसा किया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है। कि महिला ने पति से विवाद के बाद ऐसा किया है। या कोई और वजह थी। बताया जा रहा है। कि यह पूरा मामला चीन का है।। महिला ने बालकनी में खड़े होकर करीब 162,247 डॉलर कैश हवा में उड़ा दिए। सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर इस वीडियो को लोग शेयर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन के ग्वांगडोंग में एक महिला ने अपने आलीशान अपार्टमेंट से करीब डेढ़ करोड़ रुपये उड़ा दिए। चीनी अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये हांगकांग के 1,000 डॉलर के नोट थे। महिला को नोट उड़ाता देख आसपास के लोगों में लूटने की होड़ मच गई। स्थानीय प्रॉपर्टी मैनेजमेंट ने पुष्टि की है। कि कैश के असली हैं, तो वहीं कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है। कि महिला ने अपने पति से विवाद के बाद यह फैसला लिया।

एक अन्य न्यूज एजेंसी ने कहा कि महिला अपने एक पारिवारिक मित्र की बीमारी से परेशान थी। महिला ने यह फैसला क्यों कि अभी स्पष्ट नहीं है।, क्योंकि अलग-अलग रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए गए हैं। स्थानीय पुलिस ने आसपास के लोगों से जमा किए कैश को वापस करने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्थानीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि मंगलवार की सुबह ग्वांगडोंग प्रांत के शान्तौ में एक ऊंची इमारत से एक महिला ने बड़ी मात्रा में 1,000 हांगकांग डॉलर के नोट फेंक दिए। बताया जा रहा है। कि अधिकारी हस्तक्षेप करके सभी पैसे बरामद करने की कोशिश कर रहे हैं। कई ऑनलाइन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया है। कि यह राशि 20 लाख हांगकांग डॉलर तक हो सकती हैं। प्रॉपर्टी मैनेजमेंट के कर्मचारियों ने बताया है। कि निवासियों ने नोट वापस लौटा दिए थे। स्थानीय पुलिस का कहना है। कि मामला सुलझा लिया गया है। और निवासियों से बरामद नकदी वापस करने की अपील की गई है।

बिल्हा थाना क्षेत्र के गतौरी के पास की घटना

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिल्हा थाना क्षेत्र के गतौरी के पास एक दर्दनाक घटना सामने आई है। एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। युवक की पहचान पौसरी निवासी 29 वर्षीय मनजीत जायसवाल के रूप में हुई है।

उसने यह खौफनाक कदम उठाया, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, मनजीत ने एक पेट्रोल पंप से पेट्रोल खरीदा। इसके बाद उसने वह पेट्रोल अपने ऊपर डाल लिया और खुद को आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत युवक को बचाने की कोशिश की। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे मनजीत को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका इलाज अभी भी जारी है। घटना का विवरण यह घटना बिल्हा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गतौरी गांव के पास हुई। मनजीत जायसवाल ने अचानक यह आत्मघाती कदम उठाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसने पेट्रोल डालने के बाद खुद को आग लगा ली।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए-श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर आयु 47, स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +919425582641 (630)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा। सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
बंगाली डॉक्टर उम्र 48, हाईट 5' के लिये नौकरी पेशा लड़की चाहिए विधवा/ तलाकशुदा भी स्वीकार्य जाति/ धर्म बंधन नही सम्पर्क करें- 9425178704, 7648806889

अब आप घर बैठे अपना एक सच्चा हमसफर ढूंढ सकते हैं हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

शब्द पहेली - 6200

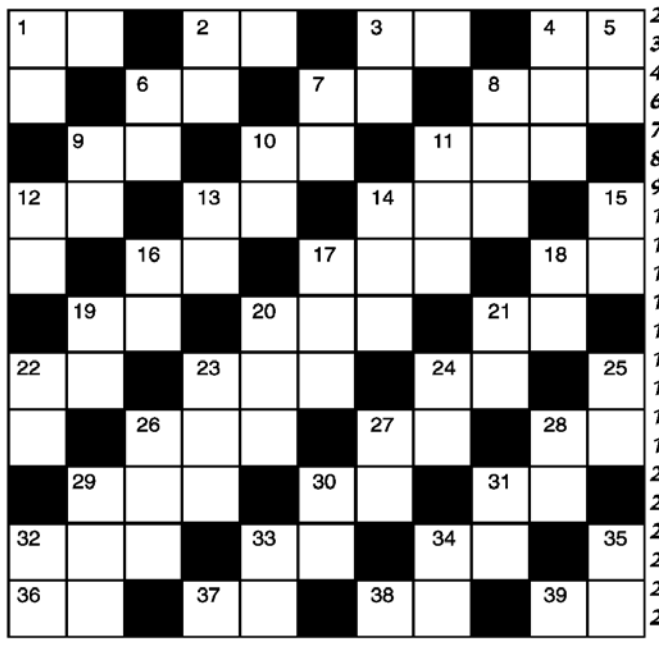

बाएँसेदाएँ→
1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तांत, टेलीग्राम -2
22. वंश, खानदान-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर, मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, हाथ-2

ऊपर से नीचे
1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक, द्वारयंत्र-2
7. धाय, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मगन, मग्न-2
10. सप्त, सप्तम-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन, रगस-3
15. गमन, जाना-2
16. पुनः, वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली -6199 का हल

क	फ	■	ज	प	■	त	न	■	शा	न
प	त	न	■	ल	त	■	भ	ला	■	शा
■	वा	न	र	■	म	ल	■	ज	रा	■
फि	■	द	म	न	■	क	द	■	ज	न
दा	दा	■	ल	क	वा	■	म	स्त	■	ख
■	न	या	■	ल	च	क	■	र	थ	■
रा	■	क	ल	■	क	ल	म	■	ल	ब
ही	र	■	हू	र	■	ह	म	ल	■	ल
■	स	जा	■	जा	ल	■	ता	ड़	ना	■
थ	■	म	त	■	व	थ	■	ना	का	रा
म	य	■	ल	श्च	■	न	ल	■	म	जा

सूडोकु नवताल - 6210

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

अतिकठिनतम

© MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6209 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
P-12
जबलपुर, रविवार 19 अप्रैल 2026

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

{ आवरण कथा / रजनी अरोड़ा }

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

विशेषः पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

{ अवेयरनेस / लोकमित्र गौतम }

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ताः पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआतः पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आजः पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकटः पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्णः पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

{ कविता / घमंडीलाल अग्रवाल }

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गालियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
ठेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

त्याग दीजिए नैतिकता

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

{ व्यंग्य / पूरन सरमा }

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें। सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

मजदूर

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा।

'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	5	4	1	9
बेंगलुरु	5	4	1	8
राजस्थान	5	4	1	8
गुजरात	5	3	2	6
हैदराबाद	5	2	3	4
दिल्ली	4	2	2	4
लखनऊ	5	2	3	4
चेन्नई	5	2	3	4
मुंबई	5	1	4	2
कोलकाता	6	0	5	1

ऑरेंज कैप

शुभमन गिल
251 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
11 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल हुए कोएत्जी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल डेविड पेन की जगह गेराल्ड कोएत्जी को इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पेन ने सनराइजर्स के लिए इस सत्र में दो मैच खेलकर दो विकेट लिए हैं। वह एड़ी की चोट के कारण बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। आईपीएल ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज कोएत्जी को विकल्प के रूप में शामिल किया गया है और वह दो करोड़ रुपए में सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ेंगे।' कोएत्जी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार टेस्ट, 14 वनडे और 18 टी20 मैच खेले हैं।

बैटिंग-पेस बनेगा गेम चेंजर दूसरे टी20 में भारतीय महिला टीम की चुनौती

डरबन। पहले मैच में मिली हार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में उतरेगी तो बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मंधाना ने कहा, 'हम बल्लेबाजी ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और आखिरी ओवर तक मैच को खिंचा। इससे हमें काफी कुछ सीखने को मिला है। मंधाना ने कहा,' आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के एक महीने बाद हम खेल रहे हैं।

अब्बास की पाकिस्तान टीम में वापसी

कराची। अगले महीने के बांग्लादेश दौरे के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की पाकिस्तान टीम में वापसी हुई है जबकि चार नए चेहरों को भी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में जगह मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच चुना है। टीम में नए चेहरों में बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल, अजान अवैस, हरफनमौला अमाद बट और विकेटकीपर गाजी गोरी शामिल हैं। स्पिनर आसिफ अफरीदी और अबरार अहमद, सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, बल्लेबाज कामरान गुलाम और विकेटकीपर रोहेल नजीर को टीम में जगह नहीं मिली है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट आठ से 12 मई और दूसरा 16 से 20 मई के बीच खेला जाएगा।

हैम्बर्ग ओपन में भारत का सफर समाप्त

हैम्बर्ग। भारत के वीर चोटरानी हैम्बर्ग ओपन स्क्वाश के पुरुष क्वार्टर फाइनल में पांच गेम के मुकाबले में फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त बापतिस्ते मासोत्ती से हार गए। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज चोटरानी को 19वीं रैंकिंग वाले फ्रेंच खिलाड़ी ने 12-10, 9-11, 14-12, 9-11, 11-6 से हराया। भारत के अभय सिंह, रामित टंडन और जोशना चिनप्पा पहले ही हारकर बाहर हो चुके हैं।

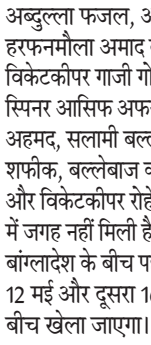

पंजाब की लय जारी, एलएसजी के लिए मुश्किल मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

आज 7.30 बजे से श्रेयस और पंत की टीमों में मुकाबला

तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स रविवार को आईपीएल मुकाबले में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मजबूत बल्लेबाजी पर भरोसा करेगी। लखनऊ की टीम कप्तान ऋषभ पंत की चोट को लेकर भी चिंतित है।

पंजाब किंग्स इस सत्र में अब तक एकमात्र अजेय टीम रही है। टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि केकेआर के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट +1.067 है, जो उसकी दमदार बल्लेबाजी और सधे हुए लक्ष्य-पीछा करने की क्षमता को दर्शाता है। पंजाब ने 2025 सत्र से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने पिछले 11 में से नौ मुकाबले जीते हैं, जो उसके दबदबे की बानगी है।

लगातार दो हार के बाद दबाव में एलएसजी

मेजबान टीम की इस रफ्तार को रोकने के लिए एलएसजी को असाधारण प्रदर्शन करना होगा। अंक तालिका में फिलहाल सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी लगातार दो हार के बाद दबाव में है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत की कोहनी में लगी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद दर्द से कराहते हुए रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। ऐसे में रविवार के मैच में उनकी उपलब्धता अब भी अनिश्चित बनी हुई है। लखनऊ की बल्लेबाजी अब तक लय में नहीं दिखी है और टीम इस सत्र में अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकी है।

खराब फॉर्म में केकेआर, वापसी की राह पर रॉयल्स

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

रहाणे और पराग की टीमों में भिड़ंत, मैच दोपहर 3.30 बजे से

शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर जीत के लिए तरस रही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को आईपीएल के मैच में लय वापिस पाने के इरादे से उतरेगी।

टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक रॉयल्स और खराब फॉर्म से परेशान केकेआर के बीच यह मुकाबला होगा। राजस्थान ने लगातार चार जीत दर्ज की लेकिन पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया। वहीं केकेआर छह मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर कई मौकों पर जीत के करीब पहुंचकर हार गई है, जिससे टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश में धुलने से उसे एकमात्र अंक मिला है।

केकेआर के स्टार गेंदबाज बाहर

केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोटों के कारण बाहर हैं जबकि मथीषा पथिराना अभी तक आए नहीं हैं। रहाणे और मुख्य कोच अभिषेक नायर के कई फैसले भी विवादित रहे हैं। चयन से जुड़े फैसलों और मैच प्रबंधन पर उंगली उठी हैं । टी20 विश्व कप के बाद लय हासिल करने के लिए जूझ रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पावरप्ले में उतारना समझ नहीं आया। अभिषेक शर्मा ने उनके एक ओवर में 25 रन निकाले थे, जिससे उनका हौसला और टूट गया होगा। पहले चार मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके। टिम सीफर्ट को अभी तक एक ही मैच में उतारा गया जबकि स्टार हरफनमौला रचिन रविंद्र अभी तक खेले ही नहीं हैं। कई प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर भी बेंच पर ही बैठे रह गए।

आईपीएल : दिल्ली ने 6 विकेट से बेंगलुरु को दी शिकस्त

दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में बेंगलुरु को हराया, राहुल और स्टब्स ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को 8 विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए।

टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

टिम डेविड ने किए आईपीएल में एक हजार रन पूरे

एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में टिम डेविड ने 17 गेंदों में 26 रनों की पारी खेलने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। डेविड इस लीग में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 560 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं। वहीं, आईपीएल में सबसे कम गेंदें खेलकर एक हजार रन बनाने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम दर्ज है। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 545 गेंदें खेलकर पूरे किए थे। टिम डेविड ने इस मामले में ट्रेविस हेड, फिल साल्ट, हेनरिक क्लासन और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। हेड ने आईपीएल में 1,000 रन 575 गेंदें खेलकर पूरे किए थे, जबकि फिल साल्ट ने यह मुकाम 575 गेंदें खेलकर हासिल किया था। वहीं, सहवाग ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक हजार रन 604 गेंदों में पूरे किए थे।

अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम बना सकी केवल 45 रन

एक समय आरसीबी ने 13 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 132 रन बना लिए थे। यहीं से दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने लगाम कसनी शुरू की। अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम केवल 45 रन बना सकी और 4 विकेट भी खो दिए। कहां बेंगलुरू की टीम 200 के सपने देख रही थी, लेकिन दिल्ली की ओर से कसी हुई गेंदबाजी के चलते बेंगलुरु की टीम उस आंकड़े से बहुत दूर रह गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट चटकाए। वहीं मुकेश कुमार भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63	38	4	3
कोहली का निसंका बो एनगिडी	19	13	3	0
पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18	13	1	1
पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08	04	0	1
डेविड का नटराजन बो अक्षर	26	17	3	1
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14	20	1	0
शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01	04	0	0
कृणाल पंड्या रन आउट	12	10	0	1
रसिक सलाम नाबाद	00	00	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03	02	0	0

अतिरिक्त: 11, कुल योग : 20 ओवर में 175/8 रन
गेंदबाजी: नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01	02	0	0
राहुल का कोहली बो कृणाल	57	34	6	2
नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05	05	1	0
रिजवी का जितेश बो भुवनेश्वर	02	03	0	0
स्टिस्टन स्टब्स नाबाद	60	47	4	1
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26	19	3	0
डेविड मिलर नाबाद	22	10	1	2

अतिरिक्त: 06, कुल योग: 19.5 ओवर में 179/4 रन
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

जोबर्ग लेडीज ओपन

कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय बनीं प्रणवी

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

प्रणवी उर्स जोबर्ग लेडीज ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय गोल्फर रहीं। पहले दिन तीन अंडर 70 का स्कोर करने वाली प्रणवी का कुल स्कोर एक ओवर 74 रहा। भारत की त्वेसा मलिक, दीक्षा डागर, अवनि प्रशांत और हिताशी बख्शी कट में जगह नहीं बना सकी। दो दौर के बाद फ्रांस की सेलाइन हर्बिन और अमेरिका की ब्रायना नावारोसा शीर्ष पर हैं।

लॉस एंजिलिस में अदिति ने किया कट हासिल

लॉस एंजिलिस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दिन के अंतिम चरण में लगाए गए शानदार ईगल की बदौलत जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में कट हासिल करने में सफल रही। अदिति ने पहले दौर में 70 का कार्ड खेलने के बाद दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया और 36 होल के खेल के बाद उनका स्कोर दो अंडर का है। उन्होंने बैक नाइन से शुरुआत करते हुए 10वें और 15वें होल पर बोगी की, लेकिन 16वें होल पर बर्डी लगाने में सफल रहीं। अदिति ने 18वें होल पर बोगी के बाद पहले होल पर बर्डी लगाई। उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां दूसरे होल पर एक और बोगी के बाद सातवें होल पर शानदार ईगल लगाकर कट में प्रवेश पाने में सफल रहीं। दक्षिण कोरिया की सेई यंग किम ने लगातार दूसरे दिन सात-अंडर 65 का कार्ड खेलकर बढ़त हासिल कर ली।

महिला हॉकी सीरीज

भारतीय टीम की शानदार वापसी अर्जेंटीना के खिलाफ की बराबरी

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को पहले मैच से हुई, जिसमें अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत कौर (22वां मिनट) और अन्नु (29वां मिनट) ने गोल दागे जबकि मेजबान टीम के लिए मारिया एमिलिया लारसन (11वां), विक्टोरिया ग्रानाटो (18वां) ने एक-एक और जूलिएटा जांकुनास (42वां और 55वां) ने दो गोल किए। दूसरा मैच 14 अप्रैल को खेला गया, जिसमें अर्जेंटीना 2-1 से विजयी रही। भारत के लिए एकमात्र गोल 22वें मिनट में इशिका ने किया जबकि अर्जेंटीना के लिए आगस्टिना गोर्जेलानी ने 34वें और 48वें मिनट में गोल किए।

2-1 से जीतकर भारत ने की वापसी

तीसरा मैच 16 अप्रैल को खेला गया, जिसे 2-1 से जीतकर भारत ने वापसी की। भारत के लिए नवनीत कौर (26वां) और नेहा (37वां) ने गोल किए जबकि अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल आगस्टिना ने 52वें मिनट में दागा। श्रृंखला का आखिरी मैच 17 अप्रैल को खेला गया, जिसमें निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं। भारतीय डिफेंडरों ने अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शूटआउट में 3 . 2 से जीत दर्ज की।

हारने के बाद वापसी करना आसान नहीं : नवनीत कौर

भारत की कार्यवाहक कप्तान नवनीत कौर ने कहा,' पहले दो मैच हारने के बाद जिस तरह से टीम ने वापसी की, उससे मैं बहुत खुश हूं। अर्जेंटीना जैसी विश्व स्तरीय टीम के खिलाफ दो मैच हारने के बाद वापसी करना आसान नहीं होता लेकिन हमने वह जज्बा दिखाया।' उन्होंने कहा,' इससे साबित होता है कि भारतीय महिला हॉकी सही दिशा में जा रही है और हम शीर्ष स्तर पर दबाव का सामना कर सकते हैं।'

विश्व खेल पुरस्कारों में जोकोविच और एलीन करेंगे सह-मेजबानी

मैड्रिड। अपने दौर के दो सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और एलीन गु इस वर्ष के लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार की संयुक्त मेजबानी करेंगे। खेल कैलेंडर के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह में पहली बार दो सक्रिय खिलाड़ी प्रस्तोता की भूमिका निभाएंगे। यह आयोजन 20 अप्रैल को मैड्रिड के प्रतिष्ठित पलासियो दे सिबेल्स में आयोजित किया जाएगा। यह समारोह खेल, मनोरंजन और सांस्कृतिक जगत की दिग्गज हस्तियों को एक मंच पर लाकर उत्कृष्टता, जुझारूपन और प्रेरणा का जश्न मनाता है। दुनिया भर में प्रसारित होने वाला यह आयोजन करोड़ों दर्शकों तक पहुंचता है और विजेताओं की घोषणा के दौरान सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा का केंद्र बनता है। जोकोविच रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांच बार 'लॉरियस साल के सर्वश्रेष्ठ वैश्विक खिलाड़ी' पुरस्कार जीत चुके हैं। वह ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं और पुरुष एकल में 24 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर चुके हैं। वहीं गु फ्रीस्टाइल स्कीइंग इतिहास की सबसे सफल खिलाड़ी हैं। वह कई बार ओलंपिक और विश्व चैंपियन रह चुकी हैं।

भारत के 58 निशानेबाज कहिरा में दिखाएंगे जलवा, पहला दल रवाना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के 58 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला दल 19 से 27 अप्रैल तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ संयुक्त जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए काहिरा रवाना हो गया है।

काहिरा टूर्नामेंट से आईएसएसएफ जूनियर सर्किट की शुरुआत होगी, जिसमें इस कैलेंडर वर्ष में शॉटगन निशानेबाजों के लिए तीन और राइफल एवं पिस्टल निशानेबाजों के लिए दो प्रतियोगिताएं निर्धारित हैं। भारत ने कुल 71 निशानेबाजों को 18 पदक स्पर्धाओं के लिए उतारा है, जिनमें से 36 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। तीन अतिरिक्त स्पर्धाओं में पारंपरिक जूनियर पुरुष और महिला 50 मीटर राइफल प्रोन प्रतियोगिताएं तथा पुरुष 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा शामिल हैं, जिसे 2032 ओलंपिक का हिस्सा बनाए जाने की संभावना है।

25 देशों के 284 खिलाड़ी करेंगे प्रतिस्पर्धा

काहिरा में कुल मिलाकर 25 देशों के 284 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें भारत सबसे बड़ा दल उतार रहा है। मेजबान मिस्र 29 सदस्यीय टीम उतारेगा, जबकि तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) के तहत भाग ले रहे रूस के 43 निशानेबाज चुनौती पेश करेंगे। फ्रांस (24), ग्रेट ब्रिटेन (16) और इटली (13) ने भी बड़े दल भेज रहे हैं। जर्मनी के सुहल में जून में होने वाली जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए दावेदारी मजबूत करने के लिए यह भारतीय जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर होगा।

स्मृति ने बनाए 155 पारियों में 4244

टी20 की टॉप स्कोरर बनीं स्मृति, टूटा रोहित का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| डरबन

स्मृति मांधना रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खलिाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में यह उपलब्धी हासिल की। उन्होंने पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इस मैच में उतरने से पहले मांधना 151 पारियों में 4231 रनों के साथ रोहित शर्मा के बराबर थी। इस मैच में मांधना ने 14 गेंदों पर 13 रन बनाए, जिससे 155 पारियों में उनके कुल रन 4244 हो गए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 124.38 है।

कुल मिलाकर मांधना अब महिला टी20 में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। महिला टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है, जिन्होंने 175 पारियों में 4,717 रन बनाए हैं।

पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका से हारा भारत

कप्तान लौरा वोल्वार्ट के अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले महिला टी20 क्रिकेट मैच में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। दो महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप की 'ड्रेस रिहर्सल' मानी जा रही श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत की दिशाहीन गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए लक्ष्य पांच गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों ने 14 वाइड गेंदें फेंकी। वोल्वार्ट ने 39 गेंद में 51 रन बनाए। एनेरी डर्कसेन ने 34 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। पांच मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच रविवार को खेला जाएगा।

बैंक सुरक्षा में 'जीरो लापरवाही' का अलर्ट

जरा-सी चूक पर वार करते हैं अपराधी, इसलिए रहे सतर्क

104 बैंक अधिकारियों की बैठक में पुलिस अधिकारियों के सख्त निर्देश, सीसीटीवी, पैनिक अलार्म, गार्ड व गश्त पर फोकस, म्यूल अकाउंट की सूचना तुरंत देने के आदेश

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में बढ़ते वित्तीय अपराधों और बैंकिंग फ्रॉड के खतरे को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित अहम बैठक में 104 बैंक अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि सुरक्षा में जरा-सी लापरवाही भी अपराधियों को मौका दे सकती है। बैठक पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर आयोजित की गई। जिसमें एएसपी सिटी आयुष गुप्ता, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह और एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला मौजूद रहे।

आपको भी दिखाना होगी सतर्कता

अधिकारियों ने दो टूक कहा कि बैंक सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि बैंक प्रबंधन को भी उतनी ही सतर्कता दिखानी होगी। आरबीआई की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य करते हुए निर्देश दिए गए कि सभी बैंकों में चैनल गेट, सायरन और पैनिक अलार्म 3-4 स्थानों पर सक्रिय हालत में हों। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बैंक परिसर का कोई भी कोना सीसीटीवी निगरानी से बाहर न रहे।

संदिग्ध गतिविधि देखकर तत्काल दे सूचना

बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि अपराधी अक्सर छोटी-छोटी खामियों का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा बैंकों, आसपास के इलाकों, चाय-ठेलों और साइकिल स्टैंड पर नियमित व आकस्मिक चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा गार्डों को निर्देशित किया गया कि संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी नजर रखें और किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाने या कंट्रोल रूम को दें।

व्हाट्सएप ग्रुप से बनाए बेहतर समन्वय

पुलिस और बैंक के बीच बेहतर समन्वय के लिए प्रत्येक बैंक को संबंधित थाने के साथ व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान हो सके। बैंक अधिकारियों की मांग पर पुलिस ने भरोसा दिलाया कि व्यस्त समय सुबह 11 से 1 बजे और दोपहर 3 से 4 बजे के बीच बैंकों के आसपास विशेष गश्त बढ़ाई जाएगी।

साइबर सेल को करें सूचित

बैठक में मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर फ्रॉड और अवैध धन हस्तांतरण में उपयोग हो रहे 'म्यूल अकाउंट' पर विशेष चिंता जताई गई। ऐसे मामलों की जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस और साइबर सेल को सूचित करने के निर्देश दिए गए।

अनिवार्य रूप से कराएं पुलिस वेरिफिकेशन

साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि सभी सुरक्षा गार्ड अधिकृत एजेंसियों से हों, प्रशिक्षित व शस्त्रधारी हों और प्राइवेट गार्ड व रिकवरी एजेंट का अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाए। पुलिस की इस सख्ती को शहर में बढ़ते बैंकिंग अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम माना जा रहा है।

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन मंडल को आवेदन स्वीकार करने दिए निर्देश

नर्सिंग आफिसर भर्ती में जीव विज्ञान की अनिवार्यता को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों में नर्सिंग आफिसर के पदों पर भर्ती के लिए जीव विज्ञान की अनिवार्यता को चुनौती के मामले को गंभीरता से लिया। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने इसी के साथ कर्मचारी चयन मंडल को सभी अभ्यर्थियों के आवेदन को स्वीकार करने के अंतरिम निर्देश दे दिए। कर्मचारी चयन मंडल को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी ज्योति साहू सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि प्रदेश के सरकारी मेडिकल कालेजों में नर्सिंग आफिसर के पदों पर भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल ने विज्ञापन जारी किया था। विज्ञापन में

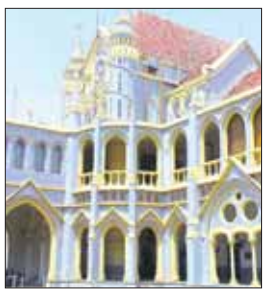

निर्धारित शर्तें मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा (अराजपत्रित) सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2023 के विपरीत हैं। नियमानुसार जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) को नर्सिंग आफिसर पद के लिए एक स्वतंत्र और पर्याप्त योग्यता माना गया है। विज्ञापन में जीएनएम पास उम्मीदवारों के लिए पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की अतिरिक्त शर्त जोड़ दी गई है, जो कि मूल भर्ती नियमों में कहीं भी वर्णित नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि विज्ञापन की कंडिका-आठ (क) के तहत 102 स्तर पर भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान को अनिवार्य कर दिया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने जीएनएम कोर्स में प्रवेश लिया था, तब जीव विज्ञान की ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं थी। उम्मीदवारों को बिना जीव विज्ञान के जीएनएम कोर्स करने की अनुमति देने के बाद, भर्ती के समय अचानक ऐसी शर्त लगाना कानून गलत है। देश के अन्य राज्यों में जीएनएम योग्यताधारी उम्मीदवारों के लिए भर्ती के समय 12 वीं में जीव विज्ञान की अनिवार्य की शर्त नहीं है। जिसके कारण उक्त शर्त तर्कहीन और भेदभावपूर्ण है।

नर्सिंग ऑफीसर भर्ती प्रक्रिया में एक सैकड़ा से अधिक पुरुष उम्मीदवारों को शामिल करने के निर्देश

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफीसर भर्ती प्रक्रिया में एक सैकड़ा से अधिक पुरुष उम्मीदवारों को राहत मिली है। मप्र हाईकोर्ट ने इन पुरुष उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के निर्देश दिए। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सरकार व कर्मचारी चयन मंडल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इनके परिणाम याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होंगे। सिवनी निवासी अजय कुमार सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता अधिवक्ता विशाल बघेल ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि ईएसबी ने नर्सिंग ऑफिसर के पदों को 100 प्रतिशत केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिया गया है । इससे योग्य पुरुष अभ्यर्थी आवेदन करने से पूरी तरह वंचित हो गए हैं। 'मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा (अराजपत्रित) सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2023' के तहत नर्सिंग ऑफिसर के पद के लिए कोई जेंडर आधारित प्रतिबंध नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर के भर्ती में किया गया यह प्रावधान वैधानिक नियमों के विपरीत है। दलील दी गई कि पुरुष और महिला दोनों एक ही पाठ्यक्रम (बीएससी नर्सिंग/जीएनएम) पढ़ते हैं और उनके पास समान योग्यता व पंजीकरण होता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240